सूर्योदय 5:54 सूर्यास्त 6:51

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	20.2 न्यू	30.2 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,473
निफ्टी	24,208

सोना 1,61,000 चांदी 2,44,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 27 अगस्त 2026 | 11 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 122, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

टीएमसी के 20 बागी सांसदों से ओम बिरला ने 7 दिनों में मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने बागी (अब एनसीपीआई के) सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन 20 सांसदों को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है। इससे पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी की याचिका पर टीएमसी के 20 बागी सांसदों से जवाब मांगा था। बनर्जी ने अपनी याचिका में पार्टी की ओर से सदस्यता रद्द करने की मांग वाली याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती दी थी।

यूजीसी-नेट जून 2026: जल्द जारी होगी फाइनल आंसर-की और नतीजे

एजेंसी, नई दिल्ली। यूजीसी-नेट जून 2026 समेत कई राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में शामिल लाखों उम्मीदवारों का इंतजार जल्द खत्म होने की संभावना है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जल्द ही यूजीसी-नेट जून 2026 की फाइनल आंसर-की और परीक्षा परिणाम जारी करेगी। इसके साथ ही सीएसआईआर-नेट, आईसीएआर पीजी और ऑल इंडिया कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन (पीएचडी) 2026 के नतीजे भी जारी किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, यूजीसी-नेट के सभी 84 विषयों की फाइनल आंसर-की और परिणाम एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। उम्मीदवार अपने विवरण के माध्यम से परिणाम देख सकेंगे। परिणाम घोषित होने के बाद सफल अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया की जानकारी भी दी जाएगी। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें।

गंगा में पलटी मजदूरों से भरी नाव, 6 लापता

एजेंसी, भागलपुर। भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल के खरीक प्रखंड में बुधवार को मजदूरों से भरी नाव गंगा नदी में पलट गई। राघोपुर टटबंध के समीप तेज धारा के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया। नाव में सवार 18 मजदूरों में से 12 ने तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि छह मजदूर लापता बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता मजदूरों की तलाश शुरू की। फिलहाल एसडीआरएफ की टीम लापता मजदूरों की तलाश में जुटी है।

पुणे में 3.41 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

एजेंसी, मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने पुणे रेलवे जंक्शन पर करीब 3.41 करोड़ रुपये मूल्य के संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त कर एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है। डीआरआई को दिल्ली के निजामुद्दीन से पुणे आ रही ट्रेन में मादक पदार्थ लाए जाने की सूचना मिली थी। मंगलवार को ट्रेन के पुणे पहुंचने पर टीम ने महिला के सामान की तलाशी ली। इस दौरान 2,532 ग्राम क्रिस्टलनुमा पदार्थ मिला, जिसके एम्फेटामाइन होने का संदेह है। इसके अलावा 878 ग्राम अलग-अलग रंगों की गोलियां बरामद हुईं, जिनके एमडीएमए होने की आशंका है। डीआरआई ने पदार्थ जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

नेपाल में बाढ़ का कहर; 50 से ज्यादा की मौत, बिहार के 8 जिलों में अलर्ट

105 भारतीयों समेत 500 से ज्यादा लोग लापता, रेस्क्यू जारी

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। नेपाली मीडिया के मुताबिक, अब तक 55 लोगों की मौत की खबर है। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक 500 से ज्यादा लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 105 भारतीय समेत 291 विदेशी पर्यटक हैं।

नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा पानी का बांध बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है। बचाव दलों ने प्रभावित क्षेत्रों से 65 घायलों को सुरक्षित निकाला है। जहां से कई गांव, सड़कें और पुल बह गए हैं। कई हाइड्रो पावर

परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार तिब्बत की ओर किसी ग्लेशियल झील के फटने या जलस्तर में अचानक वृद्धि के कारण भोटेकोशी नदी में बाढ़ आई हो सकती है।

हादसे के बाद बड़ी संख्या में पर्यटकों के लापता होने की सूचना है। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक 384 पर्यटकों का अभी पता नहीं चल पाया है। इनमें 291 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। लापता लोगों में 105 भारतीय पर्यटक भी हैं। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड्स, अमेरिका, मलेशिया, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका के नागरिक भी लापता बताए गए हैं। पर्यटन बोर्ड, पर्यटक पुलिस, सेना, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं। प्रभावित क्षेत्रों में ट्रेकिंग गाइडों और पर्यटन एजेंसियों के साथ समन्वय कर आंकड़ों का सत्यापन किया जा रहा है।

भारत हर संभव मानवीय मदद देने के लिए तैयार: पीएम मोदी

नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बात कर बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत नेपाल के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने आपातकालीन नंबर जारी किए हैं। प्रभावित लोग +977 985 131 6807 और +977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल टूरिज्म बोर्ड ने भी मदद के लिए टोल-फ्री नंबर 1234, हॉटलाइन 1144 और टूरिस्ट पुलिस नंबर 9851289445 जारी किया है।

अगले सत्र से एडमिशन फॉर्म में नहीं होगा जाति का कॉलम : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अगले शैक्षणिक सत्र से स्कूलों के एडमिशन फॉर्म में जाति का कॉलम खत्म करने के निर्देश दिए हैं। हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज में जाति के नाम पर भेदभाव समाप्त करने और आपसी भाईचारा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दाखिला फॉर्म से जाति का कॉलम हटाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत होगी। इससे बच्चों में किसी तरह की हीन भावना पैदा होने से रोका जा सकेगा। हालांकि, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनुसूचित जाति समुदाय के लोग आवश्यकतानुसार अपनी जाति का विवरण दे सकेंगे, ताकि उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे।

उन्होंने कहा कि सरकार अनुसूचित जाति समुदाय की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दे रही है। राजीव गांधी स्टार्ट-अप स्वरोजगार सौर योजना के तहत परियोजनाओं के लिए अनुदान दिया जा रहा है। वहीं मेधावी विद्यार्थियों को

◆ **अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री ने लिए अहम फैसले**

◆ **जाति के नाम पर भेदभाव खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम**

उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण उनकी पढ़ाई बाधित न हो।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अति निर्धन परिवारों के लिए अपना परिवार सुखी परिवार योजना शुरू की जा रही है। इसके तहत पात्र परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली तथा परिवार की महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह पेंशन देने का प्रावधान है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. धनी राम शांडिल ने बताया कि प्रदेश में 8,41,917 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। वर्तमान वित्त वर्ष में पेंशन योजना पर करीब 1400 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं पर करीब 314.90 करोड़ रुपये तथा अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम पर 1105.37 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। बैठक में मुख्य सचिव के.के. पंत सहित विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव, वरिष्ठ अधिकारी और अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड के सदस्य उपस्थित रहे।

बिहार: कीर्तन कर रहे लोगों को कार ने रौंदा, पांच की मौत

एजेंसी, पटना। सुपौल में तेज रफ्तार कार ने 6 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मंगलवार की रात कुछ लोग बजरंगबली मंदिर के पास सड़क किनारे बैठकर कीर्तन कर रहे थे। तभी अनियंत्रित कार 6 लोगों को रौंदते हुए एक गैराज में जा घुसी। एक्सीडेंट के बाद कार चालक उसकी पत्नी और दो बच्चों को लोगों ने पकड़ लिया। सुरक्षा के लिहाज से तीनों को पास के ही एक दुकान में ले जाकर शटर गिराकर बंद कर दिया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर से बचने के चक्कर में कार सवार ने स्टेयरिंग घुमाई और ये हादसा हो गया। लोगों के मुताबिक कार की रफ्तार 150 किमी थी। टक्कर के बाद लोग उछलकर 10 फीट दूर जाकर गिरे।

तेलंगाना में कंटेनर से टकराई बस, 5 की मौत

हैदराबाद-विजयवाड़ा हाईवे पर हादसा, 20 से ज्यादा यात्री घायल

एजेंसी, हैदराबाद। सूर्यपेट जिले में बुधवार तड़के लगभग 4:30 बजे एक निजी बस के लोहे की छड़ों से लदे कंटेनर से टकरा जाने से हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। 42 यात्रियों को लेकर निजी बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी।

पुलिस के मुताबिक, बस आगे जा रहे कंटेनर के पिछले हिस्से से टकरा गई। कंटेनर में लोहे की छड़ लदी थीं। टक्कर के बाद बस के भीतर चीख-पुकार मच गई। पुलिस का कहना है कि बस से घायलों और फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकालने में एक घंटे से अधिक का समय लगा। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। इस हादसे के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने मुख्य सचिव को घायलों के इलाज में कोताही न बरतने का आदेश दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को हटाने की मांग

एजेंसी, जयपुर। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक (एक्टिंग) चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश (एसपी) शर्मा को हटाने की मांग की है। जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को लेटर लिखते हुए स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करने की भी मांग की। उन्होंने एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा पर प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। जस्टिस संदीप मेहता ने लेटर में लिखा- कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा अक्सर अपने साथी जजों को ट्रांसफर जैसी कार्रवाई की धमकी देते हैं। वहीं खुद को सीजेआई के करीबी होने का दावा करते हैं। जस्टिस मेहता ने सीजेआई को लिखा- मैं आपसे बार-बार यह अनुरोध करता रहा हूं कि राजस्थान हाईकोर्ट में किसी अन्य राज्य से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति का निर्णय लिया जाए, ताकि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रोका जा सके।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो नहीं थे हकदार: रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

हरियाणा की मिट्टी में केवल अन्न ही नहीं चैंपियन भी होते हैं पैदा: मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंचकूला में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 के पदक विजेताओं एवं प्रतिभागियों के सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर 24 खिलाड़ियों को 13 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार दिए गए।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए कहा कि किसी खिलाड़ी की कहानी पदक से शुरू नहीं होती। उसकी कहानी उस मिट्टी से शुरू होती है, जहां उसने पहली बार दौड़ना सीखा। हरियाणा की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यहां खेतों में सिर्फ अन्न नहीं उगता, यहां चैंपियन भी पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि इन

खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 122 खिलाड़ियों में 24 खिलाड़ी हरियाणा के थे और इनमें से लगभग हर दूसरा खिलाड़ी पदक लेकर लौटा। हरियाणा के खिलाड़ियों ने कुल 11 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रकार देश की कुल पदक संख्या में हरियाणा के खिलाड़ियों का योगदान 28 प्रतिशत से अधिक रहा है।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से प्रदेश की बेटियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए 11 पदकों में से 6 पदक बेटियों के हैं, जिनमें 5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। मुक्केबाजी रिंग में भी हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा रहा और भारत के 7 स्वर्ण पदकों में से 6 स्वर्ण हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते।

◆ **मुख्यमंत्री ने कॉमनवेल्थ के पदक विजेता और प्रतिभागी किए सम्मानित**

इस्लामाबाद के सरकारी अस्पताल में 15 बच्चे जिंदा जले

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक अस्पताल में बुधवार को आग लगने से 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई। हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल में स्त्री रोग वार्ड की नर्सरी में हुआ। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के वक्त नर्सरी में 16 नवजात बच्चे मौजूद थे। इनमें से सिर्फ एक बच्चे को बचाया जा सका। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग लग गई और तेजी से पूरे वार्ड में फैल गई। आग की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना का शुभारंभ, महिलाओं को मिलेगा आर्थिक संबल

सीएम रेखा ने 65 महिलाओं को सौंपे प्रमाण पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने योजना के तहत पात्र महिलाओं को स्वीकृति पत्र और आर्थिक सहायता प्रदान की। मंच पर 65 पात्र महिलाओं को प्रमाण पत्र सौंपे गए, जबकि कार्यक्रम में करीब 2,500 पात्र महिलाएं मौजूद रहीं।

योजना के तहत पात्र लाभार्थी महिलाओं को 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य पात्र महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार विभिन्न

स्तरों पर प्रभावी कदम उठा रही है और यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लोगों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लाभार्थियों से उपलब्ध आर्थिक सहायता का उपयोग अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, शिक्षा मंत्री आशीष सूद, लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा, संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद प्रवीण खण्डेलवाल, कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज सहित कई विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीएम धामी ने पांच वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का किया विमोचन

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में पंचवटी फिल्म्स प्रोडक्शन एवं आदर्श औद्योगिक स्वायत्त सहकारिता (आदर्श संस्था) द्वारा उनके पांच वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने एल्बम से जुड़े निर्माता-निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, गायक एवं अन्य कलाकारों के साथ ही आदर्श संस्था के पदाधिकारियों को इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विकास यात्रा और राज्य में हो रहे सकारात्मक बदलावों को गीत-संगीत के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है। धामी ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और देवभूमि की विशिष्ट पहचान के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर आदर्श संस्था की अध्यक्ष आशा कोठारी ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास कार्यों तथा जनहित में लिए गए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों की सराहना की। मुख्यमंत्री धामी ने एल्बम के निर्माता उत्तम सिंह भंडारी, गायक विक्रम भंडारी एवं शिवानी नेगी, संगीतकार विजयपाल कलूड़ा सहित एल्बम से जुड़े कलाकारों को सम्मानित किया।

सौगात मुख्यमंत्री योगी ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का किया शुभारंभ

60 वर्ष से अधिक महिलाएं 29 से करेंगी मुफ्त बस यात्रा

एजेंसी लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस योजना के तहत रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से माताओं, बहनों एवं बेटियों की सहयात्री सहित निशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि दो प्रकार की सुविधाओं वाली योजना का आज शुभारंभ किया जा रहा है। मंत्री दयाशंकर सिंह ने पूछा कि क्या किया जाए तो हमने कहा कि सभी 75 जनपदों में आयोजन हो रहा है। माताओं बहनों को मिठाई दीजिए और रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीजिए। यह योजना लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम शुरुआत की गई है। महिला स्वावलंबन में अहिल्याबाई का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

◆ **रक्षाबंधन पर यूपीएसआरटीसी की बसों में माताओं और बहनों को मिलेगा निःशुल्क सफर का लाभ**

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। महिलाएं कभी मां के रूप में, कभी बेटी के रूप में, कभी पत्नी के रूप में हमारा जीवन भर साथ देती हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। मुख्यमंत्री ने उन्हें यह योजना देकर महिलाओं का जो सम्मान किया है, वे इसे जीवन भर याद रखेंगी। आज हवाई अड्डे की तरह उत्तर प्रदेश में 23 बस अड्डा का निर्माण किया जा रहा है। अत्याधुनिक बसें चलाई जा रही हैं। उन बसों में महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। इसी प्रकार दयाशंकर सिंह ने अपने विभाग की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद बृजलाल, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई के आदर्शों से प्रेरित योजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश जब मुगल आक्रांताओं के चंगुल में था, तब उन्होंने उन्होंने सुशासन स्थापित करने के साथ ही भारत की संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं को बल देते हुए महिला स्वावलंबन का एक आदर्श प्रस्तुत किया था। न्याय की कसौटी पर उन्होंने जो तय किया था, आज वह हम सबके सामने है। उस समय लोक माता ने मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य किया था। इस योजना के तहत 60 साल की आयु या उससे अधिक उम्र की महिला अपने एक सहायक के साथ यात्रा कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपए का अंशदान

विशाल चम्बयाल ने निगम की ओर से मुख्यमंत्री को भेंट किया एक करोड़ रुपए का चेक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम ने सामाजिक सरोकार और जनसेवा की दिशा में पहल करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपये का अंशदान दिया है। निगम के उपाध्यक्ष विशाल चम्बयाल ने बुधवार को शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर निगम की ओर से एक करोड़ रुपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए भेंट किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से किए गए इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा और संकट की परिस्थितियों में मुख्यमंत्री राहत कोष जरूरतमंद लोगों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनता है। प्राकृतिक आपदा, आर्थिक संकट या अन्य कठिन परिस्थितियों से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में इस कोष की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की घड़ी में समाज के सभी वर्गों का सहयोग प्रभावित लोगों के लिए बड़ी मदद साबित होता है। उन्होंने प्रदेशवासियों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से मुख्यमंत्री राहत कोष में अपनी सामर्थ्य के अनुसार उदारतापूर्वक अंशदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में सहायता मिल सकती है।

राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से दिए गए इस अंशदान को जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निगम प्रदेश में खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। ऐसे में राहत कोष में योगदान के माध्यम से निगम ने जरूरतमंद लोगों की सहायता के प्रयासों में अपना सहयोग दिया है।

विशाल चम्बयाल ने मुख्यमंत्री को चेक भेंट करते हुए कहा कि आपदा और संकट के समय प्रभावित लोगों की सहायता करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निगम प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी प्रयासों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राहत कोष में दिया गया अंशदान जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने में उपयोगी साबित होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राहत एवं पुनर्वास से जुड़े कार्यों में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहयोग से प्रभावित परिवारों को राहत मिल सकेगी।

राहत कोष में सहयोग

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत एवं पुनर्वास से जुड़े कार्यों में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा अथवा किसी अन्य संकट के समय सरकार प्रभावित परिवारों तक हरसंभव सहायता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास करती है। ऐसे समय में संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और आम लोगों की ओर से मिलने वाला सहयोग राहत कार्यों को और प्रभावी बनाता है। विशाल चम्बयाल ने कहा कि राज्य नागरिक आपूर्ति निगम प्रदेश सरकार के जनकल्याणकारी प्रयासों में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राहत कोष में दिया गया एक करोड़ रुपये का अंशदान जरूरतमंद परिवारों की सहायता और पुनर्वास कार्यों में उपयोगी साबित होगा।

राष्ट्रगान–राष्ट्रगीत विवाद पर गरमाई सियासत, धर्माणी बोले– दोनों देश का गौरव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर भाजपा विधायक दल की ओर से राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाए जाने के बाद अब प्रदेश सरकार ने विपक्ष पर पलटवार किया है। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दोनों ही देश के गौरव और सम्मान के प्रतीक हैं। ऐसे में दोनों की तुलना कर विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

धर्माणी ने भाजपा नेताओं से इस प्रकार की तुलना करने के लिए माफी मांगने को कहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में सम्मान की भावना होनी चाहिए। इसे राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय देश की गरिमा और राष्ट्रीय भावनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मंत्री ने विधानसभा में हुए घटनाक्रम को लेकर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से दिए गए निर्देशों का पालन करना सदन की मर्यादा का हिस्सा है।

उनके अनुसार राष्ट्रगान के दौरान सावधान मुद्रा में खड़ा होना स्वाभाविक और सम्मानजनक प्रक्रिया है। सरकार ने भाजपा के आरोपों को राजनीतिक रंग देने का प्रयास बताया। वहीं विपक्ष का कहना है कि उसका सवाल राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत के सम्मान को लेकर नहीं, बल्कि विधानसभा में निर्धारित प्रोटोकॉल और प्रक्रिया के पालन को लेकर है।

भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री से इस मामले में स्पष्टीकरण और माफी की मांग की है। विपक्ष का आरोप है कि सदन में राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़े विषयों पर निर्धारित नियमों और परंपराओं का पालन होना चाहिए। धर्माणी ने भाजपा पर विधानसभा में जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी है, लेकिन विपक्ष अनावश्यक विवादों को तूल दे रहा है।

वाहनों की आयु सीमा तय करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 59 के तहत वाहनों की आयु सीमा निर्धारित करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। प्रदेश सरकार ने कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहनों की आयु सीमा 12 से बढ़ाकर 15 वर्ष करने का मामला केंद्र के समक्ष उठाया है। केंद्र सरकार पहले ही ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट के तहत वाहनों की आयु सीमा 15 वर्ष कर चुकी है, जो एक अप्रैल 2026 से लागू है। अब प्रदेश सरकार कॉन्ट्रैक्ट कैरिज वाहनों के लिए भी इसी व्यवस्था की मांग कर रही है। निर्णय होने तक ऑपरेटर एआईटीपी के तहत आवेदन कर सकते हैं। इस सुविधा का अब तक 1,009 ऑपरेटर लाभ उठा चुके हैं। वहीं, वाहनों की फिटनेस जांच के लिए प्रदेश में स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। रानीताल और कांगू में केंद्र कार्यशील हैं। इसके अलावा पांच नए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कांगड़ा में पुरानी पद्धति से फिटनेस जांच की मांग पर केंद्र विचार कर रहा है। प्रदेश सरकार ने कहा कि वह वाहन संचालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए केंद्र के समक्ष लगातार प्रभावी ढंग से पक्ष रखती रहेगी।

रामपुर कॉलेज मैदान में बरमूड़ा घास से आएगी हरियाली खिलाड़ियों को मिलेगी सुविधा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रामपुर। जीबी पंत मैमोरियल पीजी कॉलेज रामपुर के खेल मैदान में जल्द ही हरियाली नजर आएगी। वन विभाग की ओर से मैदान में बरमूड़ा घास उगाने का काम शुरू किया गया है। विभाग ने गत 20 अगस्त से हाइड्रोसीडिंग तकनीक के माध्यम से घास उगाने की प्रक्रिया शुरू की थी। अब इसके परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। विभाग के अनुसार आगामी सात से दस दिनों के भीतर मैदान में घास तैयार होने की उम्मीद है। इससे खिलाड़ियों को अभ्यास और खेल प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

गौरतलब है कि 11 से 13 सितंबर तक इसी मैदान में हिमाचल प्रदेश वन विभाग की 27वीं वार्षिक स्पोर्ट्स मीट आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता को देखते हुए वन विभाग मैदान को बेहतर स्वरूप देने में जुटा है। इसके लिए मैदान की सफाई के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया जा रहा है।

◆ हाइड्रोसीडिंग तकनीक से तैयार होगा मैदान खिलाड़ियों को मिलेगी बेहतर खेल सुविधा।

दीवारों और आसपास की सफाई

रामपुर वन वृत्त के कर्मचारियों ने मैदान की सभी दीवारों और चारों तरफ विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान में अधिकारियों, वन रक्षकों, वन मित्रों और अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अरण्यपाल रामपुर वन वृत्त सीबी ताशीलदार ने अभियान में सेवाएं देने वाले कर्मचारियों की सराहना की।

रखरखाव की अपील

अरण्यपाल सीबी ताशीलदार ने रामपुर की जनता और कॉलेज प्रशासन से अपील की कि खेल मैदान का स्पोर्ट्स मीट के बाद भी उचित रखरखाव किया जाए। उन्होंने कहा कि हाइड्रोसीडिंग से बरमूड़ा घास तैयार होने के बाद मैदान की सुंदरता बढ़ने के साथ खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण मिलेगा।

राज्यपाल ने आईजीएमसी शिमला के शिशु वार्ड के लिए भेंट किए कंबल

दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए सहायता बढ़ाने का आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने लोक भवन में हिमाचल प्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल शिमला के शिशु वार्ड के लिए 40 कंबल भेंट किए। आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव तथा पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कमल कांत शर्मा ने अस्पताल की ओर से कंबल प्राप्त किए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि मानवता की सेवा और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना रेडक्रॉस आंदोलन की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि छोटे लेकिन सार्थक प्रयास अस्पतालों में उपचाराधीन मरीजों, विशेषकर बच्चों और उनके परिजनों को सुविधा, सहारा और गरिमा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ संवेदनशील, स्नेहपूर्ण और सहयोगी वातावरण भी मिलना चाहिए।

उन्होंने अस्पतालों तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए राज्य रेडक्रॉस सोसायटी के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आईजीएमसी जैसे प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान प्रदेश के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। ऐसे में मरीजों को चिकित्सा उपचार के साथ आवश्यक सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए रेडक्रॉस सोसायटी, स्वास्थ्य संस्थानों तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। राज्यपाल ने आपातकालीन और कठिन परिस्थितियों में मानवीय कल्याण सेवाओं को और मजबूत करने पर भी जोर दिया।

हिमाचल में फिर बदलेगा मौसम 31 अगस्त से मानसून होगा सक्रिय

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगस्त के अंतिम दिनों में मानसून फिर सक्रिय होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 31 अगस्त से प्रदेश में बारिश का दौर तेज हो सकता है। एक सितंबर को कई क्षेत्रों में अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है और इसका असर तीन सितंबर तक रहने का अनुमान है। वहीं, 31 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा जारी रह सकती है।

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश में जनजीवन पहले ही प्रभावित है। पिछले 24 घंटों में 98 सड़कें यातायात के लिए बंद हुई हैं। इनमें मंडी की 49, कुल्लू की 23, कांगड़ा की सात, सिरमौर की छह, चंबा की पांच, ऊना की चार और शिमला की तीन सड़कें शामिल हैं। 20 पेयजल योजनाएं और पांच ट्रांसफार्मर भी प्रभावित हैं। इस मानसून में अब तक प्रदेश को 1168.97 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभागीय टीमें प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। बंद सड़कों को खोलने तथा पेयजल और बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। प्रशासन ने लोगों से मौसम की स्थिति को देखते हुए नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

शिमला में बकाया वसूली को लेकर निगम का बड़ा फैसला, 291 मकान निशाने पर

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। नगर निगम शिमला ने बकाया राशि की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया है। निगम ने 291 भवन मालिकों की सूची तैयार की है। इन भवन मालिकों से बकाया राशि की वसूली के लिए अब बिजली और पानी के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी। निगम का उद्देश्य लंबित राजस्व की वसूली के साथ अपनी व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाना है।

नगर निगम आयुक्त सचिन कंवल की अध्यक्षता में हुई बैठक में बकाया वसूली की व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक में समिति के सुपरवाइजरों को क्षेत्रवार बकायेदारों की पहचान कर उनके मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं करने वालों से नियमों के तहत वसूली की जाएगी। बैठक में समिति के सुपरवाइजरों को नई पहचान संख्या बनाने की सुविधा देने का भी निर्णय लिया गया।

निगम का लक्ष्य है कि शहर में कोई भी भवन या प्रतिष्ठान कूड़ा उठाने की सुविधा से वंचित न रहे। इसके लिए सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित शुल्क के दायरे में लाने और नियमित वसूली सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

नगर निगम वर्तमान में 50 हजार से अधिक पहचान संख्या के माध्यम से भवनों और प्रतिष्ठानों से कूड़ा उठाने की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। इसके बदले भवन मालिकों और अन्य उपभोक्ताओं से मासिक शुल्क लिया जाता है। निगम अधिकारियों के अनुसार पहचान संख्या की व्यवस्था मजबूत होने से कूड़ा उठाने की निगरानी बेहतर होगी। साथ ही राजस्व वसूली में भी सुधार आएगा।

सुक्खू मुख्यमंत्री नहीं झूठमंत्री की तरह कर रहे काम : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर राष्ट्रगान विवाद को लेकर सदन में गलत बयान देने का आरोप लगाते हुए विधानसभा अध्यक्ष को विशेषाधिकार हनन का नोटिस सौंपा है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने पद की गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं कर रहे हैं और विपक्ष को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर भाजपा इस मामले को न्यायालय तक ले जाएगी। जयराम ठाकुर ने सरकार की रोजगार नीति पर भी सवाल उठाते हुए पांच लाख नौकरियों की गारंटी और आउटसोर्स कर्मचारियों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि आउटसोर्स भर्ती में अनियमितताएं हुई हैं और उच्च न्यायालय ने भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। पालमपुर में इलाज के अभाव में रमेश चंद्र की मौत का मामला उठाते हुए उन्होंने सरकार को जिम्मेदार ठहराया और हिमकेयर योजना को फिर प्रभावी बनाने की मांग की।

विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे छात्र पठानियां ने कहा लोकतंत्र का भविष्य उज्ज्वल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ऑकलैंड स्कूल शिमला तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं ने विधानसभा पहुंचकर सदन की कार्यवाही का अवलोकन किया। कार्यवाही देखने से पहले विद्यार्थियों ने कौंसिल चैम्बर के बाहर विधानसभा अध्यक्ष पठानियां से मुलाकात की।

इस दौरान विद्यार्थियों ने संसदीय प्रणाली, संवैधानिक व्यवस्था, विधानसभा अध्यक्ष के पद के महत्व, सदन संचालन में उनकी भूमिका तथा मंत्रिमंडल की शक्तियों से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के सवालों का विस्तार से जवाब दिया और उन्हें संसदीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। संवाद के दौरान पठानियां ने कहा कि यह सुखद है कि आज के युवा और विद्यार्थी संसदीय प्रणाली तथा संसदीय प्रक्रिया को समझने के लिए विधानसभा की कार्यवाही देखने में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ती रुचि देश के लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए नई पीढ़ी का संविधान और संसदीय संस्थाओं को समझना जरूरी है। पठानियां ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा लोकतंत्र के महत्वपूर्ण सदन हैं, जहां से देश और प्रदेश की नीतियों तथा विकास की दिशा तय होती है। संविधान के तहत कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं को प्राप्त है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि लोकसभा और विधानसभा के सदस्यों का चुनाव जनता सीधे अपने मतों से करती है, जबकि राज्यसभा और विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव अप्रत्यक्ष तरीके से होता है।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 68 विधायक हैं। प्रदेश से लोकसभा के चार और राज्यसभा के तीन सदस्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज का बालक कल का नेता है और भविष्य में देश तथा प्रदेश की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर होगी। पठानियां ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि आजादी, संविधान और नागरिकों के अधिकार उनके संघर्ष और बलिदान का परिणाम हैं।

शिमला में संस्कृत दिवस पर विद्यार्थियों को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाषा एवं संस्कृति विभाग, जिला शिमला की ओर से संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा से जोड़ने के उद्देश्य से 27 अगस्त को संस्कृत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अन्नाडेल, शिमला में होगा। इसमें शिमला शहर और आसपास के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी भाग लेंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ वर्ग के कक्षा नौवीं से बारहवीं तथा कनिष्ठ वर्ग के कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों वर्गों में भाषण प्रतियोगिता और श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के प्रति अपनी रुचि, ज्ञान और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। विभाग के अनुसार संस्कृत दिवस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि और जागरूकता पैदा करना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान, साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित करवाने का प्रयास किया जाएगा। विद्यालयों की सहभागिता से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के अध्ययन और दैनिक जीवन में इसके प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा।

विभाग संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। अधिकारियों का कहना है कि संस्कृत भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और साहित्य की महत्वपूर्ण भाषा है। युवा पीढ़ी को इससे जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझ सकें और आगे बढ़ा सकें। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ उनकी रचनात्मक एवं भाषाई प्रतिभा को मंच प्रदान किया जाएगा।

शिमला जिला ग्रामीण में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह मजबूत : हिमराल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण में संगठन को और मजबूत करने के लिए जल्द ही विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां की जाएंगी। सहकारिता क्षेत्र में कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने के लिए सहकार सारथी, पार्टी प्रशिक्षण के लिए विचार प्रभारी तथा प्रदेश कांग्रेस सरकार की नीतियों और विकास कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने के लिए विचार प्रमुख नियुक्त किए जाएंगे।

इसके अलावा मीडिया के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के लिए प्रवक्ता और मीडिया पैनलिस्ट भी बनाए जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के कार्यकर्ताओं की बैठक की अध्यक्षता करते हुए हरिकृष्ण हिमराल ने कहा कि संगठन के विस्तार और मजबूती में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन को समय देने वाले सक्रिय कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं और उन्हें मजबूत करना प्राथमिकता है। हिमराल ने कहा कि शिमला जिला ग्रामीण में कांग्रेस मजबूत स्थिति में है। जुब्बल से रोहित ठाकुर, कुसुम्पटी से अनिरुद्ध राणा, शिमला ग्रामीण से विक्रमादित्य सिंह, ठियोग से कुलदीप सिंह राठौर, रामपुर से नंद लाल और रोहड़ू से मोहन लाल ब्राक्टा पार्टी को मजबूत नेतृत्व दे रहे हैं। उन्होंने चौपाल विधानसभा क्षेत्र में भी संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव विनोद जिंटा ने कार्यकर्ताओं से संगठन के निर्देशों और अनुशासन का पालन करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासनहीनता किसी भी सूरत में सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों को दिए गए दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा। उन्होंने बताया कि पदाधिकारियों को परिचय पत्र और पहचान पत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे।

निशाना बलदेव ठाकुर ने जयराम ठाकुर पर जनहित के मुद्दों से भटकने का लगाया आरोप

भाजपा शासन के घोटाले उजागर होने से बौखलाए जयराम ठाकुर: बलदेव ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता , शिमला। कैलाश फेडरेशन के चेयरमैन बलदेव ठाकुर ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और घोटालों के मामले सामने आने से विपक्ष के कई नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और पुराने मामलों की जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बलदेव ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल के दौरान कोरोना महामारी से जुड़े मामलों, पेपर लीक, पुलिस भर्ती तथा हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग हमीरपुर से संबंधित अनियमितताओं सहित कई मामलों ने प्रदेश की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच आगे बढ़ने के साथ ही कई तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

उन्होंने दावा किया कि सरकार प्रदेश की जनता के सामने सभी मामलों की वास्तविक स्थिति रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष को विधानसभा में जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना चाहिए। उनके अनुसार विधानसभा लोकतंत्र का महत्वपूर्ण मंच है और यहां प्रदेश की समस्याओं, विकास तथा जनता से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता कई बार ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं, जिससे सदन की कार्यवाही प्रभावित होती है। बलदेव ठाकुर ने कहा कि विपक्ष को सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाने के साथ-साथ जनता के हित में वैकल्पिक सुझाव भी देने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी को प्राथमिकता दे रही है। हालांकि, भाजपा की ओर से लगाए गए इन आरोपों और कांग्रेस नेता के दावों पर अलग-अलग समय में राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आती रही है।

कैलाश फेडरेशन के चेयरमैन ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की ओर से शुरू की गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और प्रदेश के विकास को नई दिशा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर भी ध्यान दे रही है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बलदेव ठाकुर ने दावा किया कि इन प्रयासों के कारण जनता के बीच कांग्रेस सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भी दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेश में दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जनता विकास और जनकल्याण के मुद्दों को प्राथमिकता देती है और कांग्रेस सरकार अपने कार्यों के आधार पर जनता के बीच जाएगी। बलदेव ठाकुर ने कहा कि भाजपा को सरकार पर आरोप लगाने के बजाय प्रदेश के विकास में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने मनोज झा की माताजी को दी श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने बुधवार को आईएसबीटी स्थित एमडीडीए कॉलोनी में दैनिक जागरण के संपादक मनोज झा की माताजी की प्रार्थना सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

वेद प्रकाश शर्मा के निधन से राज्य आंदोलनकारियों में शोक की लहर

◆ वेद प्रकाश शर्मा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी और उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा के 86 वर्ष की उम्र में निधन पर राज्य आंदोलनकारी मंच ने गहरा शोक जताया। चंद्रेश्वर नगर मुक्तिधाम घाट पर उनके बड़े पुत्र ने अंतिम संस्कार किया। आंदोलनकारियों ने कहा कि पृथक उत्तराखंड राज्य आंदोलन में वेद प्रकाश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने पर्वतीय गांधी इंद्रमणि बडोनी सहित वरिष्ठ आंदोलनकारियों के साथ ऋषिकेश, रायवाला, हरिपुर और ढालवाला क्षेत्रों में जनसमर्थन जुटाया तथा बंद, चक्काजाम, बैठकों और गोष्ठियों के आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। 15 वर्षों तक ग्राम प्रधान रहे शर्मा ने सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों में भी योगदान दिया। मंच ने उनके निधन को आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

हरिद्वार में जल्द शुरू होगी टी-20 क्रिकेट लीग छह टीमें लेंगी हिस्सा

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखंड प्रीमियर लीग की तर्ज पर अब हरिद्वार में भी टी-20 क्रिकेट लीग का आयोजन किया जाएगा। हरिद्वार क्रिकेट एसोसिएशन ने जिले की क्रिकेट प्रतिभाओं को बेहतर मंच देने के उद्देश्य से इस नई लीग की तैयारी शुरू कर दी है। लीग का आयोजन उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन के मार्गदर्शन में किया जाएगा। हरिद्वार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रविंदर सिंह ने प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि हरिद्वार टी-20 क्रिकेट लीग के लिए खिलाड़ियों के चयन हेतु कैंप लगाए जा रहे हैं। इन कैंपों में खिलाड़ी निशुल्क हिस्सा ले सकेंगे। लीग के आयोजन की तिथि जल्द घोषित की जाएगी। उन्होंने बताया कि लीग में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में चार-चार बोर्ड प्लेयर शामिल किए जाएंगे, जबकि अन्य खिलाड़ियों का चयन आयोजित होने वाले कैंपों के माध्यम से किया जाएगा। इसके बाद टीमों की फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के लिए ऑक्शन प्रक्रिया में हिस्सा लेंगी। हरिद्वार क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अमित राय ने बताया कि लीग के आयोजन में 100 स्पोर्ट्स प्रा. लि. सहयोगी की भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जिले की सभी क्रिकेट एकेडमियों के साथ-साथ विभिन्न कॉलेजों में खेल रहे प्रतिभावान खिलाड़ी भी लीग के लिए आयोजित कैंप में हिस्सा ले सकते हैं। अमित राय ने कहा कि हरिद्वार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से जल्द ही पूरे वर्ष का क्रिकेट कैलेंडर भी जारी किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान 100 स्पोर्ट्स प्रा. लि. के निदेशक रविंद्र भाटी एवं मनीष भट्ट सहित आयोजन समिति के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा से शिवमय हुआ देहरादून

सीएम धामी ने टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा में की पूजा-अर्चना, मांगी सुख-समृद्धि

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा के अवसर पर बुधवार को राजधानी देहरादून पूरी तरह शिवमय नजर आई। शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब, आकर्षक झांकियों, ढोल-नगाड़ों, 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से शहर का वातावरण भक्तिमय बना रहा।शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भंडारे लगाए गए हैं, जहां लोगों को भोजन, प्रसाद और पेयजल वितरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत कृष्णा गिरी महाराज, महंत दिगम्बर भरत गिरी महाराज तथा टपकेश्वर सेवा दल के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और शोभायात्रा का शुभारंभ किया। यह यात्रा देर शाम तक चलेगी।

मुख्यमंत्री ने भगवान टपकेश्वर महादेव से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं प्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं। धार्मिक आयोजन समाज में आस्था, एकता और आपसी सद्भाव को मजबूत करने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने शोभायात्रा के आयोजन से जुड़े संत-महात्माओं, आयोजन समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान टपकेश्वर महादेव की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर बनी रहे और उत्तराखंड निरंतर प्रगति एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

भव्य झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

शोभायात्रा में भगवान शिव और माता पार्वती सहित विभिन्न धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां शामिल की गई हैं। झांकियों की भव्य सजावट और कलाकारों की प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं। कहीं शिव-पार्वती के स्वरूपों ने भक्तों का ध्यान खींचा तो कहीं भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों को झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सुबह से ही शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में शिवभक्त शोभायात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचने लगे। शोभायात्रा के आगे बढ़ने के साथ ही मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने झांकियों के दर्शन किए और कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

उत्तराखंड में आईएएस, पीसीएस सहित छह अधिकारियों के विभाग बदले

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड शासन ने बुधवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), राज्य सिविल सेवा और सचिवालय सेवा सहित कुल छह अधिकारियों के विभागों में फेरबदल का आदेश जारी किया है। कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-1 के आदेश के अनुसार आईएएस अधिकारी विजय कुमार जोगदांडे को अपर सचिव आयुष एवं आयुष शिक्षा, निर्वाचन, स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव तथा अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ अपर सचिव, गृह विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

आईएएस डॉ. आनन्द श्रीवास्तव को अपर सचिव राजस्व विभाग के पद से स्थानांतरित कर अपर सचिव नागरिक उड्डयन व महानिदेशक कृषि एवं उद्यान की जिम्मेदारी दी गई है। आईएएस अधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी को अपर सचिव शहरी विकास एवं आवास, निदेशक शहरी विकास निदेशालय और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण के पदभार से मुक्त करते हुए अपर सचिव, आवास विभाग बनाया गया है।

पीसीएस अधिकारी सुन्दर लाल सेमवाल को अपर सचिव सचिवालय प्रशासन, समाज कल्याण, प्रबंध निदेशक बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम और आयुक्त दिव्यांगजन के पदभार से अवमुक्त कर अपर सचिव, समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। सचिवालय सेवा के अधिकारी सुनील सिंह को अपर सचिव राजस्व एवं गृह विभाग के पद से स्थानांतरित कर अपर सचिव, आवास विभाग का दायित्व सौंपा गया है।

सचिवालय सेवा की अधिकारी महिमा रॉकली को अपर सचिव, राजस्व एवं सैनिक कल्याण विभाग में तैनात किया गया है। शासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को वर्तमान पदभार से तत्काल कार्यमुक्त होकर नई तैनाती वाले पदों पर कार्यभार ग्रहण करने और इसकी आख्या कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-1 को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

शासन ने तत्काल कार्यभार ग्रहण के दिए निर्देश

आईएएस अधिकारी विनोद गिरी गोस्वामी को अपर सचिव शहरी विकास एवं आवास, निदेशक शहरी विकास निदेशालय और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण के पदभार से मुक्त करते हुए अपर सचिव, आवास विभाग बनाया गया है।

हल्द्वानी के अर्जुन आइ बैंक ने बदली 120 नेत्रहीनों की जिंदगी

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी

◆ डा. तितियाल की पहल से कुमाऊं में नेत्रदान को मिली नई दिशा

कुमाऊं में नेत्रदान को जनसेवा का संकल्प बनाने वाले डा. जीएस तितियाल ने अपनी पहल से 120 नेत्रहीनों के जीवन में रोशनी लौटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका मानना है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के साथ उसकी आंखों की रोशनी समाप्त नहीं होनी चाहिए, बल्कि नेत्रदान के माध्यम से वह किसी जरूरतमंद के जीवन को उजाले से भर सकती है। कुमाऊं क्षेत्र में नेत्र बैंक की सुविधा नहीं होने पर उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर इस दिशा में प्रयास शुरू किए। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित कीं और वर्ष 2022 में हल्द्वानी स्थित डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में कुमाऊं का पहला अर्जुन नेत्र बैंक स्थापित किया।

इस पहल के माध्यम से अब तक 120 नेत्रहीनों को आंखों की रोशनी मिलने में मदद मिली है। डा. तितियाल की कोशिश केवल नेत्र प्रत्यारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दे रहे हैं। उनका मानना है कि लोगों में जागरूकता बढ़ेगी तो अधिक लोग मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए आगे आएंगे और जरूरतमंद लोगों को नई जिंदगी मिल सकेगी।

अब डा. तितियाल अल्मोड़ा में भी नेत्र बैंक स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों में नेत्रदान और नेत्र प्रत्यारोपण की सुविधाओं को और मजबूत करना है। दूरदराज के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर नेत्रदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। डा. तितियाल का प्रयास यह संदेश देता है कि चिकित्सा सेवा केवल इलाज तक सीमित नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति के जीवन में उम्मीद और उजाला लौटाने का माध्यम भी बन सकती है।

नीति पास में गूंजे भारत माता के जयकारे महिलाओं ने जवानों को बांधा रक्षा सूत्र

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

चमोली के नीति पास में सीमा दर्शन के लिए पहुंचे 15 सदस्यीय दल ने देश की रक्षा में तैनात जवानों का हौसला बढ़ाया। नीति घाटी के ऋतु प्रवासी गांवों से पहुंचे दल के सदस्यों ने सीमा क्षेत्र केलांग मंडी और गोटिंग तक भ्रमण किया। सीमा चौकी पर पहुंचने पर सेना के जवानों और अधिकारियों ने दल का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान नीति घाटी की महिलाओं ने जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु और सुरक्षित सेवा की कामना की। भारत माता के जयकारों से पूरा सीमांत क्षेत्र गूंज उठा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में झुमैलो और चांचरी लोकगीत प्रस्तुत किए और सामूहिक नृत्य के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक दिखाई। दल के सदस्यों ने कहा कि ऐसी यात्राओं से सीमांत क्षेत्रों की संस्कृति और परंपराओं को नई पहचान मिलती है।

सीमा दर्शन कार्यक्रम से स्थानीय लोगों में पर्यटन और रोजगार को लेकर भी उम्मीद जगी है। नीति पास, बड़ाहोती, सुमना, पार्वती कुंड, माणा पास और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियां बढ़ने से आर्थिक अवसरों में विस्तार की संभावना है।

सहसपुर में मतदाता सूची पुनर्निरीक्षण पर कांग्रेस ने जताई आपत्ति

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

◆ 55 हजार नोटिस के बाद 931 आपत्तियां, कांग्रेस ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

देहरादून के सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने मतदाता सूची पर दर्ज आपत्तियों की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सहसपुर विधानसभा प्रभारी संजय जैन ने मांग की है कि किसी भी आपत्ति पर आगे कार्रवाई करने से पहले आपत्तिकर्ता की पहचान और उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण की पूरी तरह सत्यता जांची जाए। उन्होंने बताया कि सहसपुर क्षेत्र में मैपिंग के बाद करीब 55 हजार नोटिस जारी किए गए हैं। मैपिंग से पहले क्षेत्र में लगभग 1.82 लाख मतदाता पंजीकृत थे, जबकि मैपिंग के बाद जारी प्रारूप मतदाता सूची में 1,61,183 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। 13 अगस्त 2026 को आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि थी और एईआरओ के अनुसार इस दौरान 931 आपत्तियां प्राप्त हुई।

संजय जैन का आरोप है कि आपत्तियों की जांच के दौरान कई मामलों में निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कुछ आपत्तियों में निर्धारित फॉर्म-7 के बजाय कंप्यूटर से तैयार प्रारूप इस्तेमाल किए जाने का दावा किया। कांग्रेस के अनुसार कुछ प्रपत्रों में स्थान और तारीख का उल्लेख नहीं था, जबकि कई मामलों में आपत्तिकर्ताओं के नाम और मोबाइल नंबर भी संदिग्ध पाए गए। कांग्रेस ने कहा कि यदि किसी मतदाता के अनुपस्थित, स्थानांतरित या मृत होने का दावा किया गया है तो उसकी पुष्टि की जिम्मेदारी आपत्तिकर्ता की होनी

मताधिकार की रक्षा जारी रहेगी : संजय जैन

संजय जैन ने बताया कि कांग्रेस की ओर से बूथ स्तर के प्रतिनिधि लगातार प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। जिला और प्रदेश स्तर पर भी पार्टी द्वारा गठित समितियां एसआईआर प्रक्रिया पर नजर रख रही हैं तथा समय-समय पर संबंधित निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्तियां और सुझाव रखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता अनुचित कारण से मतदाता सूची से बाहर न हो। साथ ही यदि जांच में कोई आपत्ति फर्जी या कूटरचित पाई जाती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम सहित लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर प्रयास जारी रखेगी।

देवाल में कांग्रेस ने उठाए जनसमस्याओं के मुद्दे

सड़क, महंगाई और मनरेगा के मुद्दे पर देवाल में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

ग्वालदम-देवाल-वांण मार्ग को बीआरओ को देने की मांग पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन।

देवाल में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से बढ़ती महंगाई, मनरेगा में बदलाव, धार्मिक स्थलों पर चोरी की घटनाओं और क्षेत्र की सड़क समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद आयोजित बैठक में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई। कांग्रेस नेताओं ने ग्वालदम-नंदकेशरी-देवाल-वांण-तपोवन मोटर मार्ग को तत्काल सीमा सड़क संगठन को सौंपने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मार्ग पिंडर घाटी के साथ नंदानगर और घाट क्षेत्र के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

सड़क के बीआरओ को हस्तांतरण से सीमांत क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष महावीर बिष्ट ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता परेशान है। वहीं मनरेगा में ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था लागू होने से ग्रामीण श्रमिकों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

बैठक में संगठनात्मक बदलाव भी किए गए। राधा देवी को सर्वसम्मति से महिला कांग्रेस कमेटी देवाल की ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दलीप कुमार, राजीव गांधी पंचायत प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष धर्म सिंह कोटड़ी और जिला सचिव कुंदन राम के मनोनयन पर भी कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई।

डॉ . एनएस हार्डिकर की पुण्यतिथि पर कांग्रेस सेवा दल ने दी श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

◆ पुण्यतिथि पर याद किए गए कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक डॉ. हार्डिकर

देहरादून स्थित कांग्रेस भवन के सेवा दल कार्यालय में कांग्रेस सेवा दल के संस्थापक डॉ. एनएस हार्डिकर की पुण्यतिथि पर गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेश के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रदेश अतिरिक्त मुख्य संगठक एवं उपाध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने कहा कि डॉ. हार्डिकर ने कांग्रेस सेवा दल की स्थापना कर संगठन को सेवा और समर्पण की मजबूत आधारशिला प्रदान की। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए सेवा दल आज भी कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहा है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राजेंद्र शाह ने कहा कि जिस विचार और उद्देश्य के साथ कांग्रेस सेवा दल का गठन किया गया था, उसी भावना के अनुरूप संगठन आज भी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में सेवा दल की भूमिका महत्वपूर्ण और अग्रणी रही है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने डॉ. हार्डिकर के आदर्शों को आगे बढ़ाने तथा कांग्रेस को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव राजकुमार यादव, सह सचिव ललित थपलियाल, मीना सानी, अनुराधा, बबीता रंजन, मंजू चौहान, राकेश भट्ट सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व रिकॉर्डधारी शूटर शौर्य सैनी को मिलेगा हिमालय रत्न खेल पुरस्कार

डेफलिम्पिक्स में रजत पदक जीतने वाले शौर्य सैनी का होगा सम्मान।

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की

रुड़की निवासी युवा निशानेबाज शौर्य सैनी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर खेल जगत में खास पहचान बनाई है। टोक्यो में आयोजित 25वें समर डेफलिम्पिक्स-2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 50 मीटर राइफल तीन पोजीशन स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ ही रुड़की और उत्तराखंड का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ। प्रतियोगिता के क्वालिफिकेशन दौर में शौर्य ने 584 अंक हासिल कर नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। निशानेबाजी में उनकी इस उपलब्धि को देखते हुए उन्हें इस वर्ष के हिमालय रत्न खेल पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

23 वर्षीय शौर्य सैनी रुड़की के नेहरू नगर के निवासी हैं। उनके पिता शील चंद सैनी और माता कविता सैनी ने बताया कि शौर्य बचपन से ही मेहनती और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। वर्तमान में वह देहरादून स्थित हिमालयन इंस्टीट्यूट में श्रवण एवं वाणी से संबंधित अध्ययन कर रहे हैं। पढ़ाई के साथ उन्होंने निशानेबाजी को भी पूरी गंभीरता से जारी रखा और लगातार अभ्यास के बल पर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई।

डेफलिम्पिक्स में रजत पदक और विश्व रिकॉर्ड उनकी मेहनत का परिणाम है। शौर्य ने यह साबित किया है कि शारीरिक चुनौतियां प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने बाधा नहीं बन सकतीं। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। पुरस्कार मिलने की खबर से रुड़की में खुशी का माहौल है।

नगर निगम से परेशान खोखा व्यापारियों के समर्थन में आए विधायक प्रेमचंद अग्रवाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

ऋषिकेश नगर निगम क्षेत्र के खोखा व्यापारी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात कर विभिन्न समस्याएं रखीं। व्यापारियों ने बताया कि उन्होंने प्रति खोखा ढाई लाख रुपये के हिसाब से नगर निगम में धनराशि जमा की है, इसके बावजूद उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। व्यापारियों ने विधायक से हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराने की मांग की। डॉ. अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नगर आयुक्त से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने कहा कि रोजी-रोटी कमाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले गरीब और छोटे व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को नियमानुसार व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

नैनीताल की विशाखा राजपूत ने नॉर्थ जोन ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल ताइक्वांडो क्लब की खिलाड़ी विशाखा राजपूत ने बिजनौर उत्तर प्रदेश में आयोजित नॉर्थ जोन सीबीएसई ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 52 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर नैनीताल का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के साथ विशाखा का अपने भार वर्ग में आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन भी हो गया है।

विशाखा मोहन लाल साह बाल विद्या मंदिर नैनीताल की कक्षा 11 की छात्रा हैं। उनकी सफलता पर क्लब के अध्यक्ष विश्वकेतु वैद्य, कोच विनोद कुमार वैद्य एवं भूमिका, क्लब के संरक्षक एवं सांसद प्रतिनिधि गोपाल रावत, नैनीताल छावनी परिषद की सीईओ तनु जाट, बहादुर रौतेला, डॉ. मनोज बिष्ट, जगदीश बवाड़ी, मनोज जोशी, गोविंद प्रसाद, विक्की, प्रगति जैन, जीवंती भट्ट, गजाला कमाल, मानसी बर्गली सहित क्लब के सदस्यों एवं खिलाड़ियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

रुड़की में चार दिन में तीन हत्याएं

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की

रुड़की और आसपास के क्षेत्रों में पिछले चार दिनों के भीतर हत्या और गोलीबारी की लगातार घटनाओं ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। कम समय में तीन हत्याओं के साथ कई स्थानों पर हुई फायरिंग ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ढंडेरा में कैंटीन संचालक की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। इसके बाद कलियर क्षेत्र के बेडपुर में ढाबा संचालक को निशाना बनाकर फायरिंग की गई। गणेशपुर और सुभाषनगर में दो बहनों की गोली मारकर हत्या की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। मंगलवार शाम बेलड़ा में रंजिश के चलते एक युवक को गोली मारने की वारदात सामने आई। लगातार हो रही इन घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों के बीच पुलिस की गश्त और अपराधियों पर निगरानी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि लगातार इस तरह फायरिंग और हत्या की घटनाएं होती रहीं तो अपराधियों के हौसले और बढ़ सकते हैं। पुलिस के सामने इन मामलों में शामिल आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी के साथ घटनाओं के पीछे के कारणों का पता लगाने की चुनौती है।

साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाकर लोगों का भरोसा कायम करना भी जरूरी हो गया है। लगातार सामने आ रही वारदातों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ला दिया है। अब पुलिस की कार्रवाई और आरोपितों की गिरफ्तारी पर सभी की नजरें टिकी हैं।

राखी से पहले पंजाब में महंगाई का झटका, मिठाई-बेकरी के बढ़े दाम

मिठाई 4-5% और बेकरी आइटम्स करीब 10% महंगे, त्योहार पर जेब पर बढ़ेगा बोझ

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही पंजाब में मिठाई और बेकरी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। चीनी, बेसन, मैदा, आटा, देसी घी और ड्राईफ्रूट सहित कई जरूरी कच्चे माल के दाम बढ़ने से मिठाई कारोबारियों की लागत बढ़ गई है। इसका सीधा असर अब ग्राहकों की जेब पर पड़ रहा है। कारोबारियों के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन पर मिठाई खरीदने के लिए लोगों को पिछले साल की तुलना में अधिक रकम खर्च करनी पड़ सकती है।

जानकारी के मुताबिक, कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के चलते मिठाइयों के दाम करीब 4 से 5 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। वहीं, बेकरी उत्पादों की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिल रही है। त्योहार के दौरान मांग बढ़ने के साथ कीमतों में और बदलाव की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

चीनी और ड्राईफ्रूट का सबसे ज्यादा असर

मिठाई कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि उत्पादन लागत बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। इनमें चीनी और ड्राईफ्रूट की कीमतों में आई तेजी का सबसे ज्यादा असर दिखाई दे रहा है। इसके अलावा बेसन, मैदा, आटा और देसी घी जैसे सामान भी पहले की तुलना में महंगे हुए हैं। मिठाई तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की कीमत बढ़ने से दुकानदारों के लिए पुराने दाम पर उत्पाद बेचना मुश्किल हो गया है। ऐसे में कई दुकानदारों ने अपने उत्पादों और गिफ्ट पैक के दाम में बढ़ोतरी कर दी है।

राखी पर बढ़ेगा परिवारों का बजट

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के बीच मिठाई और उपहारों का आदान-प्रदान परंपरा का हिस्सा है। ऐसे में त्योहार से पहले कीमतों में बढ़ोतरी का असर आम परिवारों के बजट पर पड़ सकता है।

खासकर बड़े मिठाई पैक और ड्राईफ्रूट गिफ्ट पैक खरीदने वाले ग्राहकों को इस बार अधिक खर्च करना पड़ सकता है। कारोबारियों के मुताबिक, त्योहार के नजदीक आते ही मिठाई की बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। मांग बढ़ने के साथ दुकानों पर ग्राहकों की संख्या भी बढ़ सकती है। ऐसे में लोग अपने बजट के अनुसार मिठाई और गिफ्ट पैक का चयन कर रहे हैं।

बेकरी उत्पाद भी हुए महंगे

सिर्फ मिठाई ही नहीं, बल्कि बेकरी उत्पादों पर भी महंगाई का असर पड़ा है। मैदा, आटा, घी और अन्य कच्चे माल की कीमत बढ़ने से बेकरी कारोबार की लागत बढ़ी है। इसके चलते केक, बिस्किट, पेस्ट्री और अन्य बेकरी उत्पादों के दाम करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ने की बात सामने आई है। त्योहारी सीजन में मिठाई और बेकरी उत्पादों की मांग सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक रहती है। ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी का असर कारोबारियों और ग्राहकों दोनों पर दिखाई दे रहा है।

कारोबारियों को त्योहारी सीजन से उम्मीद

महंगाई के बावजूद कारोबारियों को रक्षाबंधन पर बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। त्योहार के दौरान लोग अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर मिठाई लेकर जाते हैं, जिससे बाजार में मांग बढ़ती है। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। वहीं, ग्राहक इस बार खरीदारी से पहले कीमतों की तुलना करते नजर आ सकते हैं। कुल मिलाकर, रक्षाबंधन से पहले बढ़ी खाद्य सामग्री की कीमतों ने त्योहार की खरीदारी का बजट बढ़ा दिया है।

महंगाई के खिलाफ चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस का प्रदर्शन, राजा वड़िंग करेंगे नेतृत्व

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में बढ़ती महंगाई और आम लोगों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ के खिलाफ पंजाब कांग्रेस बुधवार को प्रदर्शन करेगी। यह प्रदर्शन पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे।

पंजाब कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि प्रदर्शन 26 अगस्त को शाम पांच बजे पंजाब कांग्रेस भवन, चंडीगढ़ में शुरू होगा। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण आम परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं पर बढ़ते खर्च ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। कांग्रेस का आरोप है कि आम लोगों को बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है। पार्टी प्रदर्शन के माध्यम से सरकार का ध्यान महंगाई के मुद्दे की ओर आकर्षित करेगी और आम जनता को राहत देने की मांग उठाएगी।

प्रदर्शन में कांग्रेस नेता महंगाई के साथ-साथ लोगों पर बढ़ते आर्थिक दबाव को लेकर अपनी बात रखेंगे। पार्टी का कहना है कि घर का खर्च चलाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है और सरकार को आम परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

राजा वड़िंग के नेतृत्व में होने वाले इस प्रदर्शन को पंजाब कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं के जुटने से चंडीगढ़ में प्रदर्शन के दौरान राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में प्रदर्शन में पहुंचने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

लुधियाना में नई स्कॉर्पियो-एन चोरी, होंडा सिटी से पहुंचे चोर और ले उड़े कार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के न्यू मॉडल टाउन इलाके में फादर्स डे पर पिता को गिफ्ट की गई नई महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन चोरी हो गई। नोएडा की एक एनबीएफसी कंपनी में काम करने वाले मयंक टक्कर ने करीब दो महीने पहले जून में अपने पिता संजय कुमार को सफेद रंग की नई स्कॉर्पियो-एन उपहार में दी थी। परिवार ने गाड़ी को घर के बाहर पार्क के पास खड़ा किया था। मंगलवार सुबह जब परिजनों ने देखा तो गाड़ी वहां से गायब थी। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें चोरी की पूरी वारदात कैद मिली। फुटेज के मुताबिक, संदिग्ध चोर होंडा सिटी कार से मौके पर पहुंचे और स्कॉर्पियो चोरी कर फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है। परिवार ने जल्द गाड़ी बरामद होने की उम्मीद जताई है।

लुधियाना में गैंगस्टर की थार का कहर पुलिस से बचते हुए राहगीर को कुचला

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना में फरीदकोट एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई के दौरान तेज रफ्तार थार की चपेट में आने से नारियल विक्रेता सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस एक संगीन मामले में वांछित गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह की तलाश में थी और उसकी थार का पीछा कर रही थी। सुंदर नगर इलाके में पुलिस की घेराबंदी से बचने के लिए चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान थार ने सड़क पर जा रहे सुनील को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घायल युवक को कुछ दूरी तक घसीटे जाने की बात भी सामने आई है। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। घायल के परिजन उसे इलाज के लिए मुरादाबाद ले गए और फिलहाल कानूनी कार्रवाई से इन्कार किया। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट रोजनामचा में दर्ज की है।

फीस बढ़ोतरी पर नहीं माने छात्र, पटियाला यूनिवर्सिटी में 14वें दिन भी मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला। पटियाला स्थित पंजाबी यूनिवर्सिटी में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ विद्यार्थियों का आंदोलन 14वें दिन भी जारी रहा। कुलपति कार्यालय के बाहर विद्यार्थियों ने पक्का मोर्चा लगाया हुआ है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फीस में सात प्रतिशत कमी किए जाने के बावजूद छात्र आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हैं। विद्यार्थियों की मांग है कि फीस में की गई पूरी बढ़ोतरी वापस ली जाए और पुरानी फीस व्यवस्था बहाल की जाए। छात्र नेताओं का कहना है कि सात प्रतिशत की कटौती से उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि बढ़ी हुई फीस का बोझ विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर पड़ रहा है। विद्यार्थियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक कुलपति कार्यालय के बाहर धरना जारी रहेगा।

उद्योग जगत से नवाचार मिशन तक पहुंची उपकार आहूजा की जिम्मेदारी

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के कारोबारी उपकार सिंह आहूजा को इनोवेशन मिशन पंजाब का सलाहकार नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से प्रदेश में उद्योग, स्टार्टअप और नवाचार क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उपकार आहूजा उद्योग जगत में अपने अनुभव के आधार पर नए उद्यमियों को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इनोवेशन मिशन पंजाब सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत प्रदेश में स्टार्टअप और नवाचार का माहौल मजबूत करने पर काम कर रहा है। मिशन का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों, उद्यमियों, मार्गदर्शकों और उद्योग जगत को एक मंच पर लाना है। इसके साथ ही नए उद्यमियों को आवश्यक मार्गदर्शन, आधारभूत सुविधाएं, पूंजी और बाजार से जुड़े अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

ईडी ने आईएएस अनुराग वर्मा को किया तलब, 31 अगस्त को जालंधर में पेशी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में कथित रियल एस्टेट घोटाले और मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग वर्मा को पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी की ओर से उन्हें 31 अगस्त को जालंधर स्थित जोनल कार्यालय में पेश होने के लिए समन भेजा गया है। अनुराग वर्मा पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव रह चुके हैं और वर्तमान में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व के पद पर कार्यरत हैं।

ईडी इस मामले में कथित वित्तीय लेनदेन और संपत्ति से जुड़े मामलों की जांच कर रही है। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर अधिकारियों तथा अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसी कड़ी में अब अनुराग वर्मा को भी जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। हालांकि समन जारी होना अपने आप में किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं है।

मामले में आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ को भी ईडी ने दोबारा पूछताछ के लिए तलब किया है। इससे पहले भी उनसे मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी ली जा चुकी है। अब जांच एजेंसी उनसे कुछ अन्य तथ्यों और दस्तावेजों के संबंध में जानकारी हासिल कर सकती है। रियल एस्टेट मामले में ईडी की कार्रवाई से पंजाब के प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

जांच एजेंसी कथित मनी लांड्रिंग से जुड़े वित्तीय लेनदेन की कड़ियों को खंगाल रही है। अधिकारियों से पूछताछ के दौरान संपत्ति संबंधी निर्णयों, सरकारी रिकॉर्ड और संबंधित लेनदेन से जुड़े सवाल पूछे जा सकते हैं। 31 अगस्त को अनुराग वर्मा की जालंधर कार्यालय में पेशी के बाद जांच में नए तथ्य सामने आने की संभावना है। इसके अलावा एजेंसी मामले से जुड़े अन्य अधिकारियों और संबंधित पक्षों से भी पूछताछ कर सकती है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। अधिकारियों से दस्तावेजी जानकारी लेकर लेनदेन की पूरी कड़ी को समझने का प्रयास किया जाएगा।

पंजाब में आज कर्मचारियों की हड़ताल चार दिन प्रभावित रहेंगे सरकारी काम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब के सरकारी कर्मचारी लंबित महंगाई भत्ते और पुरानी पेंशन योजना समेत विभिन्न मांगों को लेकर 27 अगस्त को प्रदेशव्यापी हड़ताल करेंगे। कर्मचारी संगठनों के अनुसार करीब तीन लाख कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन में शामिल होंगे। बड़ी संख्या में पेंशनरों के भी कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन देने की संभावना है। हड़ताल के कारण सचिवालय से लेकर जिला स्तर तक कई सरकारी कार्यालयों में नियमित कामकाज प्रभावित रहेगा।

कर्मचारी संगठनों के मुताबिक उपायुक्त, एसडीएम, तहसील और राजस्व कार्यालयों के साथ परिवहन, स्वास्थ्य, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े कर्मचारी भी आंदोलन में शामिल होंगे। हालांकि स्वास्थ्य संस्थानों में आपात सेवाएं जारी रखने की बात कही गई है। इससे गंभीर मरीजों और आपात स्थिति में आने वाले लोगों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में लंबित 18 प्रतिशत महंगाई भत्ते की किस्तें और बकाया जारी करना, पुरानी पेंशन योजना बहाल करना, ठेका कर्मचारियों को नियमित करना तथा अन्य सेवा संबंधी मांगों को पूरा करना शामिल है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि इन मांगों को लेकर सरकार के सामने कई बार मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

हड़ताल के बाद लगातार कई दिनों तक सरकारी कामकाज प्रभावित रहने की आशंका है। 27 अगस्त को हड़ताल के बाद 28 अगस्त को रक्षाबंधन का सरकारी अवकाश रहेगा। इसके बाद शनिवार और रविवार होने के कारण नियमित सरकारी सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

मकानों में बदलाव नियमित करने की मांग, फेडरेशन ने दिल्ली नीति की तर्ज पर मांगा समाधान

खुदाई में सोने-चांदी के सिक्के मिलने की चर्चा से मची हलचल, सामान ले जाने वालों को तलाश रहा प्रशासन

भारतेन्दु संवाददाता, खरड़

खरड़ के नजदीकी गांव घड़ूंआं में पुरानी पंचायत इमारत को गिराकर की जा रही खुदाई के दौरान जमीन के नीचे से सोने-चांदी के सिक्के और अन्य कीमती सामान मिलने की चर्चा से इलाके में हलचल मच गई। जैसे ही लोगों को जमीन के नीचे से कथित तौर पर पुराने सिक्के और घड़े जैसी वस्तुएं मिलने की जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर नगर पंचायत घड़ूंआं की जेसीबी मशीन से पुरानी पंचायत घर की इमारत को गिराने का काम चल रहा था। इसके बाद भवन के आसपास जमीन की खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान जमीन के भीतर से घड़े जैसी कुछ वस्तुएं निकलने की बात सामने आई। इनमें सोने और चांदी के पुराने सिक्के होने की चर्चा फैल गई। हालांकि सिक्कों की वास्तविक संख्या, उनकी धातु और पुरातात्विक महत्व को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जमीन के नीचे से कथित खजाना मिलने की खबर कुछ ही समय में आसपास के क्षेत्र में फैल गई। इसके बाद देर रात तक लोग मौके पर पहुंचते रहे। बताया जा रहा है कि इस दौरान कुछ लोगों ने वहां मिले सिक्के और अन्य सामान अपने साथ ले लिया।

जिसके हाथ जो सामान लगा, वह उसे उठाकर ले गया। इससे मामले ने और तूल पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के बीच इस बात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं कि आखिर जमीन के नीचे से मिला सामान कितना पुराना है और उसका वास्तविक मूल्य कितना है। कुछ लोग इसे पुराने समय का दबा हुआ खजाना बता रहे हैं, जबकि प्रशासनिक स्तर पर इसकी वास्तविकता की जांच की जानी बाकी है।

मामले की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने के बाद अब उन लोगों की तलाश की जा रही है जो कथित तौर पर जमीन से मिले सिक्के और अन्य सामान अपने साथ ले गए हैं। प्रशासन पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाने में लगा है। मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ के साथ यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि खुदाई के दौरान वास्तव में क्या-क्या सामान मिला था। पुराना पंचायत घर काफी समय से मौजूद था और इमारत को गिराने के बाद जमीन की खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान यह मामला सामने आया। प्रशासन के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती कथित तौर पर मिले सिक्कों और अन्य सामान को बरामद करना है।

मोहाली यूनिवर्सिटी में छात्र की सनक, लेडी प्रोफेसर को लव लेटर और तेजाब की धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली की एक निजी यूनिवर्सिटी में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर को कथित तौर पर परेशान करने और धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक छात्र ने प्रोफेसर को लव लेटर भेजे और उनकी अश्लील फोटो तथा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिए। इसके बाद छात्र ने कथित तौर पर प्रोफेसर को गंभीर धमकी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्र को निलंबित कर दिया।

◆ महिला प्रोफेसर को छात्र ने दी धमकी, विश्वविद्यालय ने किया निलंबित

जानकारी के मुताबिक छात्र की हरकतों से महिला प्रोफेसर काफी परेशान हो गईं। आरोप है कि छात्र लगातार उन्हें परेशान करता रहा और उनकी निजी तस्वीरों व वीडियो का गलत इस्तेमाल किया। इसके बाद उसने कथित तौर पर धमकी देते हुए कहा कि वह उनके चेहरे पर तेजाब फेंक देगा। इस धमकी के बाद मामला और गंभीर हो गया और यूनिवर्सिटी प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। मामला सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्र के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया। छात्र की गतिविधियों को अनुशासनहीनता और गंभीर उत्पीड़न के तौर पर देखा गया। इसके बाद भी छात्र की ओर से महिला प्रोफेसर से संपर्क करने की कोशिश किए जाने की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि निलंबन के बाद छात्र अपनी मां के साथ महिला प्रोफेसर के पास पहुंचा और उनसे माफी मांगने की कोशिश की। हालांकि प्रोफेसर ने उसे माफ नहीं किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने छात्र की कथित हरकतों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया। इस मामले में अब यह जांच का विषय है कि छात्र ने महिला प्रोफेसर की तस्वीरें और वीडियो किस तरह हासिल किए और उन्हें किस माध्यम से प्रसारित किया गया। साथ ही धमकी से जुड़े आरोपों की भी जांच की जा सकती है।

35 की अनुमति पर लगे 320 बैनर, चंडीगढ़ निगम को रोज छह लाख का नुकसान

टेडेक्स आयोजन के नाम पर अतिरिक्त बैनर लगाए जाने से नीति सवालों में निगम के विज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

टेडेक्स सुखना लेक 2026 के आयोजन के नाम पर शहर में लगाए गए विज्ञापनों को लेकर चंडीगढ़ नगर निगम की अनुमति और उसकी शर्तों पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि आयोजन के लिए निगम से सीमित संख्या में होर्डिंग लगाने की अनुमति ली गई थी, लेकिन इसके बाद शहर के कई प्रमुख मार्गों पर अनुमति से कहीं अधिक बैनर लगा दिए गए।

इससे निगम को विज्ञापन शुल्क के रूप में मिलने वाले राजस्व का नुकसान होने का दावा किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार नगर निगम ने आयोजक को शहर के 35 निर्धारित स्थानों पर 8 गुणा 8 फीट के होर्डिंग लगाने की मुफ्त अनुमति दी थी। अनुमति आयोजन के प्रचार से जुड़ी निर्धारित शर्तों के तहत दी गई थी। इसके बावजूद जनमार्ग और मध्यमार्ग के साथ सरोवर पथ, सुखना पथ, उत्तर मार्ग और पूर्व मार्ग पर 2 गुणा 6 फीट के 320 से ज्यादा बैनर लगाए जाने की बात सामने आई है। इन अतिरिक्त बैनरों के लिए निगम से अनुमति नहीं लेने का आरोप है।

शहर की वी-1, वी-2 और वी-3 श्रेणी की प्रमुख सड़कों पर सामान्य तौर पर विज्ञापन लगाने की अनुमति नहीं दी जाती। इन मार्गों पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है। ऐसे में सड़क किनारे बड़ी संख्या में बैनर और होर्डिंग लगाए जाने से यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब निगम ने केवल निर्धारित स्थानों पर सीमित आकार के होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी तो अतिरिक्त बैनर किस आधार पर लगाए गए। यदि इन बैनरों के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी तो संबंधित आयोजक के खिलाफ नियमों के तहत कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इसे लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक 10 अगस्त से 27 अगस्त तक शहर के विभिन्न हिस्सों में ये बैनर लगाए गए हैं। आरोप है कि यदि इन बैनरों के लिए निर्धारित विज्ञापन शुल्क लिया जाता तो निगम को बड़ी राशि राजस्व के रूप में प्राप्त हो सकती थी।

इसी आधार पर निगम को रोजाना करीब छह लाख रुपये के संभावित नुकसान का दावा किया जा रहा है। मामले ने नगर निगम की विज्ञापन नीति के क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े किए हैं। एक ओर प्रमुख मार्गों पर विज्ञापन लगाने को लेकर सख्त नियम हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में बैनर लगाए जाने की बात सामने आने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। शहर में बिना अनुमति विज्ञापन सामग्री लगाने पर निगम की ओर से सामान्य तौर पर कार्रवाई की जाती है। अब देखना होगा कि नगर निगम इस मामले में क्या कदम उठाता है और क्या अतिरिक्त बैनरों को हटाने के साथ आयोजक से शुल्क या जुर्माना वसूला जाता है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि 320 से अधिक बैनर लगाने की अनुमति किस स्तर पर दी गई थी या इन्हें बिना किसी स्वीकृति के लगाया गया।

मामले को लेकर शहर में यह चर्चा भी तेज है कि किसी सार्वजनिक या सरकारी प्रायोजन वाले आयोजन के नाम पर निजी प्रचार को नियमों के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। यदि नियमों का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित पक्ष की जिम्मेदारी तय करना जरूरी होगा। निगम की ओर से जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इसके बाद नगर निगम की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि जांच में बिना अनुमति बैनर लगाए जाने की पुष्टि होती है तो निगम को संबंधित आयोजक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करनी होगी। साथ ही अतिरिक्त विज्ञापन शुल्क और जुर्माना वसूलने की मांग भी उठ सकती है। फिलहाल निगम की जांच और कार्रवाई का इंतजार है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। धमकी भरे ईमेल में पांच सितंबर को बठिंडा में मुख्यमंत्री को निशाना बनाने का दावा किया गया है। ईमेल में प्रतिबंधित संगठनों के नामों का इस्तेमाल किया गया है और पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह का भी उल्लेख किया गया है।

जानकारी सामने आने के बाद खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। संबंधित ईमेल की जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि संदेश कहां से भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियां धमकी की गंभीरता का आकलन करने के साथ मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा कर रही हैं। ईमेल में मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख युवाओं के खिलाफ कार्रवाई करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा आज अदालत परिसर समेत अन्य स्थानों को निशाना बनाने की धमकी का भी उल्लेख किया गया है। संदेश में कुछ लोगों के नाम भी लिखे गए हैं, जिनका संबंध प्रतिबंधित संगठनों से होने का दावा किया गया है।

हालांकि धमकी की वास्तविकता और इसके पीछे किसका हाथ है, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के तकनीकी पहलुओं की जांच कर रही हैं। साइबर विशेषज्ञों की मदद से संदेश भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा सकता है। पांच सितंबर को बठिंडा में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन और पुलिस स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अधिकारियों की ओर से धमकी से संबंधित सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। फिलहाल मामले में जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सतर्क हैं। मामले में पुलिस और खुफिया एजेंसियां ईमेल की सत्यता की जांच के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही धमकी के स्रोत और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

जम्मू में नशे के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ 5.160 किलो हेरोइन बरामद, तीन गिरफ्तार

पूछताछ में सामने आए सुरागों के आधार पर लेह से कथित मास्टरमाइंड को दबोचा गया

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जम्मू ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी के एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान एनसीबी ने 5.160 किलो हेरोइन बरामद की है। मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड और मुख्य सप्लायर भी शामिल बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में इस तस्करी नेटवर्क के सीमा पार संपर्क होने की आशंका सामने आई है। एनसीबी अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार एनसीबी जम्मू को 22 अगस्त को हेरोइन तस्करी से संबंधित पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने जम्मू के पंजतीर्थी इलाके में निगरानी बढ़ाई और संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। वाहन में सवार दो आरोपितों के कब्जे से 5.160 किलो हेरोइन बरामद हुई। दोनों आरोपित बारामुला के रहने वाले बताए गए हैं। एनसीबी ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान तस्करी नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने के बाद जांच को आगे बढ़ाया गया। जांच में कथित मास्टरमाइंड की भूमिका सामने आने के बाद एनसीबी की टीम ने उसकी तलाश तेज कर दी। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए उसे लेह से गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या तीन हो गई।

> **एनसीबी** अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के आधार पर जल्द ही नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी हो सकती है। एजेंसी बरामद हेरोइन के स्रोत और संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल वाहन और पैसों के लेनदेन की भी जांच की जा रही है।

एनसीबी अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद हेरोइन की खेप कहां से लाई गई थी और इसे जम्मू-कश्मीर में किन स्थानों पर पहुंचाया जाना था। जांच एजेंसी को आशंका है कि नेटवर्क के तार सीमा पार बैठे तस्करों से जुड़े हो सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में नेटवर्क के संचालन, नशीले पदार्थों की आपूर्ति और इसके पीछे सक्रिय अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

तस्करी नेटवर्क की वित्तीय जांच

एनसीबी की जांच अब बरामद हेरोइन के स्रोत और नेटवर्क के वित्तीय लेनदेन पर केंद्रित है। अधिकारियों के अनुसार आरोपितों से पूछताछ में सामने आए तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि नशीले पदार्थों की खेप जम्मू-कश्मीर में किन माध्यमों से पहुंचाई जाती थी और इसके लिए किन लोगों की मदद ली जाती थी। जांच में सामने आने वाले नए तथ्यों के आधार पर अन्य स्थानों पर भी कार्रवाई की जा सकती है। एनसीबी की टीमें संभावित ठिकानों पर निगरानी बनाए हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पार से जुड़े किसी भी संपर्क की पुष्टि होने पर उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नुब्रा में बनेगा सी-बकथॉर्न का राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र किसानों को मिलेगा लाभ

लेह। लद्दाख की नुब्रा घाटी में सी बकथॉर्न के लिए राष्ट्रीय संजीवनी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव की समीक्षा और व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। कृषि मंत्रालय की ओर से गठित समिति आगे की रूपरेखा तैयार करेगी। हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला सी-बकथॉर्न कृषि, खाद्य पदार्थों, औषधीय उत्पादों और प्रसंस्करण उद्योग के लिए उपयोगी माना जाता है। इसके व्यावसायिक विकास से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर पैदा हो सकते हैं। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 14 अगस्त को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर नुब्रा में केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया था। नुब्रा घाटी सी-बकथॉर्न का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है। प्रस्तावित केंद्र में वैज्ञानिक शोध, विकास, मूल्यवर्धन और व्यावसायीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे किसानों को बेहतर बाजार, प्रसंस्करण सुविधाएं और सी-बकथॉर्न के उत्पादों की बढ़ती मांग का लाभ मिलेगा।

23 अगस्त को जेल से फरार हुए थे दोनों आरोपी, पुलिस ने तीन दिन बाद पकड़ा

श्रीनगर जेल से फरार हुए पॉक्सो के आरोपी तीन दिन बाद गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

श्रीनगर की केंद्रीय जेल से फरार हुए पॉक्सो के अलग-अलग मामलों में आरोपी दो व्यक्तियों को पुलिस ने तीन दिन बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी 23 अगस्त को जेल से फरार हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने उनकी तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया था। लगातार की गई कार्रवाई के बाद दोनों को पकड़ लिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुख्तार अहमद गुज्जर और फरमान खान के रूप में हुई है। मुख्तार अहमद गुज्जर मोहम्मद रफीक गुज्जर का पुत्र है और अनंतनाग के संगलान चित्तरगुल का निवासी बताया गया है। वहीं फरमान खान अब्दुल गनी खान का पुत्र है और सदानपोरा राजस्थान का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार मुख्तार अहमद के खिलाफ पुलिस स्टेशन सौरा में मामला दर्ज है। उसके खिलाफ प्राथमिकी संख्या 20/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) और 65(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोप हैं। वहीं दूसरे आरोपी फरमान खान के खिलाफ पुलिस स्टेशन लार में प्राथमिकी संख्या 19/2026 दर्ज है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) और 87 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज है।

अधिकारियों के मुताबिक दोनों आरोपियों के जेल से फरार होने के बाद पुलिस ने संभावित ठिकानों पर तलाश तेज कर दी थी। पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। हालांकि उनकी गिरफ्तारी से पहले वे किन परिस्थितियों में केंद्रीय जेल से बाहर निकलने में सफल हुए, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस अब फरारी की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों आरोपी जेल से किस तरह बाहर निकले और इस दौरान उन्हें किसी व्यक्ति की मदद मिली थी या नहीं। अधिकारियों ने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

मंत्रियों पर कई विभागों का बोझ होने से शासन व्यवस्था हो रही प्रभावित: रुहुल्लाह मेहदी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद सैयद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने जम्मू-कश्मीर मंत्रिपरिषद के विस्तार में हो रही देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सीमित संख्या में मंत्रियों के पास कई विभागों की जिम्मेदारी होने से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है और आम लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रुहुल्लाह ने कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन अब तक इसे अमल में नहीं लाया गया। उन्होंने बताया कि कुछ मंत्री चार से पांच विभाग संभाल रहे हैं, जिससे किसी एक मंत्री के सचिवालय से बाहर होने पर कई विभागों का काम प्रभावित होता है। सांसद ने जिम्मेदारियों के विकेंद्रीकरण की मांग करते हुए कहा कि अधिक मंत्रियों के बीच विभाग बांटने से शासन व्यवस्था बेहतर होगी और जनता को राहत मिलेगी।

बाबा बर्फानी के भक्तों को बड़ी सौगात जम्मू-कश्मीर में सात रोपवे परियोजनाएं मंजूर

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सात प्रमुख रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पर्वतमाला परियोजना के तहत प्रस्तावित इन रोपवे में बालटाल और पहलगाम से श्री अमरनाथ गुफा तक की परियोजनाएं भी शामिल हैं। योजना को 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड को परियोजनाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। साथ ही स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

रक्षाबंधन से पहले सजे जम्मू के बाजार, देसी राखियों की बढ़ी मांग

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही जम्मू के बाजार रंग-बिरंगी राखियों से सज गए हैं। पक्का डंगा, मोती बाजार और गांधी नगर अप्सरा रोड समेत शहर के प्रमुख बाजारों में राखियों की दुकानों और स्टालों पर खरीदारी के लिए बहनों की भीड़ बढ़ने लगी है। इस बार बाजार में भारतीय राखियों की मांग खास तौर पर देखने को मिल रही है। मोती, रुद्राक्ष, धागे और आकर्षक देसी डिजाइनों वाली राखियां लोगों को खूब पसंद आ रही हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बार चीनी राखियों की बिक्री लगभग गायब है और ग्राहक देश में बनी राखियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बार राखियों की कीमतों में भी 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।

किसानों को जल्द मिलेगी फसल बीमा की सौगात, नीति तैयार

फल और सब्जी उत्पादक किसानों को बीमा योजना में मिलेगा विशेष लाभ

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए संशोधित मौसम आधारित फसल बीमा योजना जल्द लागू होने की उम्मीद है। योजना को लेकर प्रदेश सरकार ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और अब केंद्र सरकार की मंजूरी का इंतजार है। कृषि एवं बागवानी मंत्री जावेद अहमद डार ने बताया कि योजना के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। नई नीति के तहत किसानों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से होने वाले फसल नुकसान से राहत देने पर विशेष जोर रहेगा। टंगमर्ग में फल मंडी की आधारशिला रखे जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि संशोधित बीमा नीति फिलहाल केंद्र सरकार के विचाराधीन है। इसके लिए गठित सलाहकार समिति अपनी रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को सौंप चुकी है। सरकार की ओर से योजना को जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। जावेद अहमद डार के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में आयोजित आईसीआर सम्मेलन के दौरान संशोधित नीति को आने वाले दिनों में लागू करने का आश्वासन दिया था। योजना में जम्मू-कश्मीर के फल और सब्जी उत्पादक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे बागवानों और किसानों को प्राकृतिक आपदा तथा मौसम में अचानक बदलाव से होने वाले नुकसान के समय आर्थिक सुरक्षा मिलने की उम्मीद है।

रियासी में पहाड़ी से गिरने से महिला की मौत

भारतेंदु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में बुधवार को घास काटते समय पहाड़ी से फिसलने के कारण 29 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा जिले के चसाना इलाके में हुआ। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। एक अधिकारी ने बताया कि महिला पहाड़ी पर घास काट रही थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह करीब 200 से 300 मीटर नीचे गहरी ढलान में जा गिरी। ऊंचाई से गिरने के कारण महिला को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान माहोर तहसील के मंजीकोट मोर्हा बलसरन निवासी साजो बेगम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

राजपोरा में भाजपा का मंथन, स्थानीय मुद्दों से जुड़ने की रणनीति

राजपोरा में भाजपा की समीक्षा बैठक, कार्यकर्ताओं को मिला अहम लक्ष्य

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कौल ने स्थानीय मुद्दों को समझकर जनता से संवाद बढ़ाने को कहा।

दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के कंगन में भाजपा के महासचिव संगठन अशोक कौल ने राजपोरा विधानसभा क्षेत्र की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के अलावा निर्वाचन क्षेत्र की टीम, बूथ अध्यक्ष और शक्ति केंद्र की टीमें शामिल हुईं।

इस दौरान क्षेत्र में संगठन को और मजबूत करने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को बढ़ाने पर चर्चा हुई। अशोक कौल ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ व्यवस्था पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों और जनता से सीधे जुड़ाव का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ को सक्रिय बनाने और लोगों के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने को कहा।

कौल ने कहा कि कार्यकर्ताओं को केवल संगठनात्मक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि स्थानीय लोगों की समस्याओं और मुद्दों को समझकर उनके साथ संवाद बढ़ाना चाहिए।

बूथ संगठन मजबूत करने पर जोर

उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों की जानकारी भी लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जानी चाहिए। बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र की टीमों को स्थानीय स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में अनुशासन, आपसी तालमेल और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता को संगठन की मजबूती के लिए जरूरी बताया गया। कौल ने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर जनता का विश्वास मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियों को गति देने की अपील की।

गांदरबल में बारिश के बाद प्रशासन सतर्क नदियों-नालों से दूर रहने की सलाह

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में लगातार बारिश के बाद प्रशासन ने नदी-नालों और अन्य जल निकायों को लेकर लोगों को सतर्क किया है। नाला सिंध समेत तेज बहाव वाले स्थानों में नहाने और तैरने से होने वाले संभावित हादसों को देखते हुए जिला प्रशासन ने सार्वजनिक एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे स्थानों से दूरी बनाए रखें।

डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की ओर से जारी एडवाइजरी में विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा पर जोर दिया गया है। अभिभावकों से कहा गया है कि वे बच्चों को नाला सिंध, नालों, धाराओं और अन्य असुरक्षित जल निकायों के पास जाने से रोकें। छुट्टियों और खाली समय में बच्चों के नदी या नालों की ओर जाने की आशंका अधिक रहती है, इसलिए अभिभावक उन पर लगातार नजर रखें।

प्रशासन ने लोगों को चेताया है कि बारिश के बाद जलस्तर और बहाव में अचानक बदलाव हो सकता है। ऐसे में सामान्य दिखाई देने वाले जल स्रोत भी खतरनाक हो सकते हैं। तेज बहाव में उतरना जानलेवा साबित हो सकता है। लोगों से कहा गया है कि वे किसी भी स्थिति में जल निकायों में नहाने या तैरने का जोखिम न उठाएं।

जम्मू पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी मांझा (गट्टू) के खिलाफ की कार्रवाई, 08 रोल किए ज़ब्त

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

चीनी मांझे के आठ रोल बरामद

प्रतिबंधित और खतरनाक चीनी प्लास्टिक मांझा यानी गट्टू की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल के खिलाफ जम्मू पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत जानीपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को पकड़ा और उनके कब्जे से प्रतिबंधित मांझे के आठ रोल बरामद कर जब्त किए।

पुलिस के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर जानीपुर थाने की टीम ने कार्रवाई की। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मनीष सिंह पुत्र जवाहर सिंह निवासी टोप शेरखानिया, दिनेश रोकाया पुत्र प्रकाश रोकाया निवासी टोप शेरखानिया और अर्जुन पुत्र घनश्याम राय निवासी मंडलीकनगर के रूप में हुई है।

जांच के दौरान आरोपियों के पास से चीनी प्लास्टिक मांझे के आठ रोल मिले। पुलिस ने सभी रोल जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक सुरक्षा को देखते हुए चीनी मांझे की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया गया है। चीनी मांझा बेहद धारदार और नष्ट न होने वाला सिंथेटिक धागा होता है। इसके कारण पैदल राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने का खतरा रहता है।

ईद-ए-मिलाद पर उमर अब्दुल्ला और मनोज सिन्हा ने दी शुभकामनाएं

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पवित्र अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर में शांति, समृद्धि, सद्भाव और भाईचारे की कामना की। उन्होंने पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं को मानवता के लिए प्रेरणादायक बताते हुए लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने संदेश में कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पैगंबर मुहम्मद के जीवन और उनकी शिक्षाओं को याद करने का पवित्र अवसर है। उन्होंने कहा कि पैगंबर मुहम्मद का शांति, करुणा, प्रेम और भाईचारे का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए स्थायी शांति, प्रगति और खुशहाली की प्रार्थना की।

उन्होंने कहा कि समाज में आपसी सम्मान और सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे इस पवित्र अवसर को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का संदेश समाज के सभी वर्गों को एक-दूसरे के करीब लाने और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मिलाद-उन-नबी के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि पैगंबर मुहम्मद का जीवन और उनकी शिक्षाएं पूरी मानव जाति के लिए शांति, समानता और करुणा की शाश्वत प्रेरणा हैं। उन्होंने लोगों से प्रेम, दया और सार्वभौमिक भाईचारे के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने की अपील की।

पांच साल की अमाल ने योगासन में जीता रजत पदक, अब स्वर्ण पर नजर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

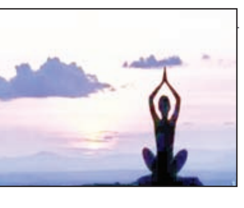

श्रीनगर की पांच वर्षीय मीर अमाल मदानी ने कम उम्र में ही योगासन के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने हाल ही में शेर-ए-कश्मीर इंडोर स्टेडियम में आयोजित सातवीं श्रीनगर जिला योगासन चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई। इतनी छोटी उम्र में अमाल का संतुलन, लचीलापन और आत्मविश्वास प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र रहा।

अमाल के लिए यह पदक केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि बड़े लक्ष्य की शुरुआत है। उनका सपना आने वाली प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतना और कश्मीर का नाम राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करना है। वह योगासन को नियमित रूप से सीख रही हैं और अभ्यास के जरिए अपनी क्षमता को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हैं। परिवार और प्रशिक्षकों के सहयोग से अमाल को आगे बढ़ने का हौसला मिल रहा है। अमाल का कहना है कि वह भविष्य में बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक हासिल करना चाहती है।

यात्रा

देर शाम बूढ़ा अमरनाथ मंदिर पहुंचेगी छड़ी, तीन दिवसीय मेले का होगा शुभारंभ

दशनामी अखाड़ा मंदिर से बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए पवित्र छड़ी यात्रा रवाना

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ

पुंछ नगर स्थित प्राचीन दशनामी अखाड़ा मंदिर से बुधवार को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए भगवान शिव और देवी पार्वती के स्वरूप की प्रतीक पवित्र छड़ी यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। यात्रा में 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान पूरा क्षेत्र बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

पवित्र छड़ी यात्रा का नेतृत्व दशनामी अखाड़ा राज गुरु गद्दी के वर्तमान महंत महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती महाराज ने किया। यात्रा शुरू होने से पहले दशनामी अखाड़ा मंदिर परिसर में पवित्र छड़ी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के बाद पवित्र छड़ी को मंदिर से बाहर लाया गया। मंदिर के बाहर जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से पुलिस बैंड की धुन पर पवित्र छड़ी को सलामी दी गई। इसके बाद श्रद्धालुओं की मौजूदगी में यात्रा बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत भी किया।

पवित्र छड़ी यात्रा में जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी सहित कई प्रमुख नेता, पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। धार्मिक यात्रा को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण यात्रा मार्ग पर विशेष निगरानी रखी गई।

बताया गया कि पवित्र छड़ी देर शाम बूढ़ा अमरनाथ मंदिर पहुंचेगी। वहां पहुंचने पर जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से एक बार फिर पवित्र छड़ी को सलामी दी जाएगी। इसके बाद विधि-विधान से छड़ी का पूजन किया जाएगा और उसे भगवान भोलेनाथ के स्वयंभू शिवलिंग पर स्थापित किया जाएगा। पवित्र छड़ी की स्थापना के साथ ही बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। इस दौरान रक्षा बंधन, दर्शन और विशेष पूजन के साथ मेले का आयोजन किया जाएगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

यात्रा मार्ग पर बढ़ी निगरानी

आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रवेश, दर्शन और पूजा की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्वक यात्रा में शामिल होने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

ओपिनियन

होंठों की खूबसूरती बढ़ाने वाली लिपस्टिक कहीं सेहत के लिए खतरा तो नहीं

शहनाज़ हुसैन
स्वतंत्र टिप्पणीकार

खूबसूरत दिखना किसे पसंद नहीं। शायद इसीलिए लिपस्टिक लगाना हर महिला की पहली पसंद होती है। लिपस्टिक मेकअप का ऐसा हिस्सा है जिसके बिना पूरे चेहरे के मेकअप को अक्सर अधूरा ही माना जाता है क्योंकि लिपस्टिक लगाने से होंठों की सुंदरता बढ़ जाती है। लिपस्टिक वास्तव में आपके चेहरे पर तुरंत रंग भर देती हैं और मिनटों में ही आपको आकर्षक बना देती हैं। कुछ लड़कियों के लिए तो लिपस्टिक लगाना एक आदत बन गई है और लिपस्टिक लगाने से अनेक महिलाओं में काफी आत्मविश्वास भी बढ़ जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं लिपस्टिक आपके व्यक्तित्व को निखारने का भी काम करती है। लेकिन क्या आपको पता है कि अलग-अलग रंगों की लिपस्टिक अलग-अलग तरह के केमिकल्स से बनी होती हैं और आप होठों पर रंग की परत नहीं बल्कि रसायन की परत चढ़ा रही हैं। ये ना सिर्फ आपके होंठों की प्राकृतिक चमक और सुंदरता को प्रभावित करती हैं बल्कि आपके सेहत के लिए भी नुकसानदायक हो सकती हैं।

लिपस्टिक लगाने से होंठों पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि बाजार में उपलब्ध अधिकांश लिप ग्लॉस और लिपस्टिक में क्रोमियम, लेड, एलुमिनियम, कैडमियम और कई अन्य विषाक्त पदार्थ मौजूद पाए जाते हैं। इन रसायनों की वजह से होंठों की प्राकृतिक नमी और कोमलता प्रभावित हो सकती है। लगातार और लंबे समय तक किसी भी कॉस्मेटिक का इस्तेमाल करने से पहले उसके अंदर मौजूद सामग्री के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। खासकर संवेदनशील त्वचा वाली महिलाओं को लिपस्टिक के इस्तेमाल में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

लिपस्टिक में मौजूद रसायनों की वजह से होंठों पर अचानक जलन, दाने या होठों के आसपास झनझनाहट जैसी समस्या महसूस हो सकती है। साथ ही होंठों के आसपास की स्किन भी प्रभावित होती है। क्योंकि कुछ लिपस्टिक में ऐसे रसायन और सुगंधित पदार्थ मौजूद हो सकते हैं जो संवेदनशील त्वचा पर एलर्जी पैदा कर सकते हैं। लगातार लिपस्टिक लगाने से होंठ सूख सकते हैं और उनमें खिंचाव महसूस हो सकता है। यदि किसी लिपस्टिक को लगाने के बाद बार-बार जलन या खुजली महसूस हो तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

लिपस्टिक का इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। होंठों पर लगाई जाने वाली लिपस्टिक कभी-कभी भोजन करने के दौरान पेट में चली जाती है जिसकी वजह से इसमें मौजूद कुछ रसायन शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए लिपस्टिक खरीदते समय उसकी गुणवत्ता और उसमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री की जानकारी जरूर लेनी चाहिए। बार-बार और जरूरत से ज्यादा लिपस्टिक लगाने की आदत से होंठों की प्राकृतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। कुछ महिलाओं के होंठ काले पड़ने लगते हैं और वे बार-बार सूखकर फट सकते हैं। लिपस्टिक के ज्यादा इस्तेमाल से होंठों की त्वचा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

लिपस्टिक में रंग बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के रंग और रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए किसी भी उत्पाद को खरीदते समय उसकी एक्सपायरी डेट और इंग्रेडिएंट्स जरूर चेक कर लें। सस्ती और घटिया गुणवत्ता वाली लिपस्टिक का इस्तेमाल करने से बचना बेहतर होता है। यदि किसी उत्पाद के इस्तेमाल से होंठों पर परेशानी हो रही है तो उसे तुरंत बंद कर देना चाहिए।

वैसे तो अमूमन आंखों में जलन तब होती है जब हम आंखों में काजल या मस्कारा लगाते हैं। लेकिन कुछ महिलाएं लिपस्टिक को आईशैडो की तरह इस्तेमाल करती हैं जिससे उनकी आंखों में भी जलन हो सकती है। आंखों के आसपास किसी ऐसे उत्पाद का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जो विशेष रूप से आंखों के लिए तैयार नहीं किया गया हो।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

उत्पादन बढ़ाने की होड़ में स्वास्थ्य से समझौता न हो, सेब खेती में रसायनों पर लगे लगाम

मुकेश विग
सोलन, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में सेब के बागों की हरियाली और पेड़ों पर लदे लाल-लाल सेब देशभर में अपनी अलग पहचान रखते हैं। सेब केवल हिमाचल की पहचान ही नहीं बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला भी है। हजारों परिवारों की आजीविका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बागवानी पर निर्भर है। पर्यटन के साथ सेब की अर्थव्यवस्था प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को गति देती है। यही कारण है कि सेब उत्पादन में होने वाला कोई भी बदलाव किसानों के साथ-साथ पूरे राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। लेकिन सेब की इस चमक के पीछे एक ऐसा स्वास्थ्य संकट भी दिखाई दे रहा है जिस पर समय रहते गंभीरता से विचार करना जरूरी है।

पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश में कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2013 से 2022 के बीच राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पंजीकृत कैंसर रोगियों की संख्या में लगभग 800 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 2013 में जहां 2,149 कैंसर रोगी पंजीकृत थे, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 17,212 हो गई। राज्य में कैंसर के मामलों की वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत बताई गई है, जो राष्ट्रीय औसत 0.6 प्रतिशत से काफी अधिक है। हालांकि इन आंकड़ों के पीछे कई सामाजिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली संबंधी कारण हो सकते हैं, लेकिन कृषि और बागवानी में रसायनों के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर उठ रही चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुमानों में भी हिमाचल प्रदेश में कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि की तस्वीर सामने आती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहले कई मामले स्वास्थ्य व्यवस्था तक पहुंच ही नहीं पाते थे। जागरूकता बढ़ने और जांच की सुविधा बेहतर होने से अब अधिक लोग समय पर जांच करवाने लगे हैं। इसलिए केवल पंजीकृत मामलों की वृद्धि को किसी एक कारण से जोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। इसके बावजूद राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और अपेक्षाकृत कम आबादी को देखते हुए कैंसर के बढ़ते मामले गंभीर चिंता जरूर पैदा करते हैं।

सेब और अन्य फसलों की खेती में कीटनाशकों तथा रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल उत्पादन बचाने और बढ़ाने के लिए किया जाता है। किसानों के सामने कीट और रोगों से फसल बचाने की चुनौती रहती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब रसायनों का इस्तेमाल निर्धारित मात्रा और वैज्ञानिक सलाह के बिना किया जाए। कई स्थानों पर किसानों द्वारा दुकानदारों की सलाह पर अलग-अलग रसायनों का मिश्रण तैयार कर छिड़काव किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। एक मौसम में कई बार छिड़काव होने के कारण फलों पर रासायनिक अवशेष रहने की आशंका बढ़ सकती है। यदि इनका उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हुआ तो इसका प्रभाव केवल फल तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि मिट्टी, पानी और मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल का प्रभाव किसानों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। छिड़काव के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं होने से किसान सीधे इन रसायनों के संपर्क में आते हैं। लंबे समय तक ऐसे संपर्क में रहने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त बारिश के पानी के साथ रसायन बहकर नदियों, नालों और भूमिगत जल तक पहुंच सकते हैं। इससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होने के साथ पेयजल की गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका रहती है। इसलिए यह विषय केवल कृषि उत्पादन का नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा का भी है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को केवल कीटनाशकों के इस्तेमाल का परिणाम मान लेना उचित नहीं होगा। कैंसर के पीछे आनुवंशिक कारण, तंबाकू और शराब का सेवन, खान-पान, प्रदूषण, जीवनशैली, संक्रमण और अन्य अनेक कारण हो सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

डिग्रीधारी, फिर भी बेरोजगार

नीति आयोग की रिपोर्ट ने शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर की जिस तस्वीर को सामने रखा है, उस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। देश में युवाओं की बड़ी संख्या उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है, लेकिन शिक्षा पूरी करने के बाद भी उन्हें उनकी योग्यता और रुचि के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर उद्योग जगत लगातार यह शिकायत करता रहा है कि उसे आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित और कुशल युवा नहीं मिलते। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच कहीं न कहीं गंभीर तालमेल का अभाव है। कौशल विकास के नाम पर अनेक योजनाएं चल रही हैं और उन पर बड़ी राशि खर्च की जा रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन योजनाओं से युवाओं को वास्तव में ऐसा व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है जो उन्हें रोजगार के लिए तैयार कर सके।

नीति आयोग ने कमजोर व्यावहारिक सीख, सतही इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप तथा करियर मार्गदर्शन की कमी को बड़ी चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया है। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि केवल प्रमाणपत्र हासिल कर लेना किसी युवा को रोजगार योग्य नहीं बनाता। आज कंपनियों को ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता है जो अपने विषय के साथ-साथ वास्तविक परिस्थितियों में काम करने की क्षमता रखते हों। यदि प्रशिक्षण केवल कागजी प्रक्रिया बनकर रह जाए और विद्यार्थी को कार्यस्थल का वास्तविक अनुभव न मिले तो उसके रोजगार पाने की संभावना सीमित ही रहेगी। इसलिए कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता और उनकी उपयोगिता का नियमित मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

इन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में आइआइटी और आइआइएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों की सहायता ली जा सकती है। इसके साथ ही कारोबार जगत को भी पूरी प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है। उद्योगों से यह जानकारी ली जानी चाहिए कि वर्तमान और भविष्य में उन्हें किस प्रकार के कौशल वाले युवाओं की आवश्यकता होगी। उसी आधार पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए। यदि शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो जाए तो विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने का अवसर मिलेगा। इससे प्रशिक्षण पूरा करने के बाद नौकरी खोजने में भी उन्हें आसानी होगी।

नीति आयोग की रिपोर्ट शिक्षा व्यवस्था की व्यावहारिक कमियों की ओर भी संकेत करती है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले 80 प्रतिशत छात्रों द्वारा व्यावहारिक अनुभव की कमी को बड़ी समस्या बताना अपने आप में गंभीर स्थिति है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं हो सकता। विद्यार्थी को अपने ज्ञान को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में इस्तेमाल करना भी आना चाहिए। इसके लिए इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप को औपचारिकता से बाहर निकालकर शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को कंपनियों, संस्थानों, प्रयोगशालाओं और विभिन्न कार्यक्षेत्रों से जोड़ना होगा ताकि उन्हें पढ़ाई के दौरान ही कार्य संस्कृति का अनुभव प्राप्त हो।

यह भी चिंताजनक है कि केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ही ऐसे काम में हैं जो उनके शिक्षा स्तर के अनुरूप है। यह आंकड़ा डिग्री और रोजगार के बीच मौजूद बड़ी खाई को दर्शाता है। सामान्य बीए, बीकाम और बीएससी जैसी डिग्रियां अपने आप रोजगार की गारंटी नहीं देतीं। इन डिग्रियों का महत्व अपनी जगह है, लेकिन बदलती अर्थव्यवस्था में इनके साथ व्यावहारिक और रोजगारपरक कौशल जोड़ना आवश्यक हो गया है। विद्यार्थी यदि अपनी सामान्य शिक्षा के साथ डिजिटल तकनीक, संचार, लेखांकन, डाटा विश्लेषण, डिजाइन, प्रबंधन या किसी अन्य मांग वाले क्षेत्र में दक्षता हासिल करें तो उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं।

समस्या का एक दूसरा पहलू यह भी है कि बड़ी संख्या में युवा सामान्य डिग्री हासिल करने के बाद सरकारी नौकरियों की तैयारी में लग जाते हैं। सरकारी नौकरियां सीमित हैं और उनके लिए प्रतियोगिता लगातार बढ़ रही है। परिणामस्वरूप कई युवा वर्षों तक परीक्षा की तैयारी करते रहते हैं और दूसरी रोजगार संभावनाओं से दूर हो जाते हैं। युवाओं को यह समझाना होगा कि सरकारी नौकरी ही सफलता का एकमात्र रास्ता नहीं है। निजी क्षेत्र, उद्यमिता, स्वरोजगार, तकनीकी सेवाओं और नए व्यवसायों में भी व्यापक अवसर मौजूद हैं। इसके लिए स्कूल स्तर से ही करियर मार्गदर्शन को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

आज की अर्थव्यवस्था में केवल डिग्री से अधिक महत्व उस क्षमता का है जिसके माध्यम से कोई व्यक्ति किसी समस्या का समाधान कर सके और अपने ज्ञान को काम में बदल सके। इसलिए विद्यार्थियों को बाजार की बदलती मांग के अनुरूप कौशल हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। इसका अर्थ यह नहीं कि सामान्य शिक्षा या पारंपरिक विषयों का महत्व समाप्त हो गया है। बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि सामान्य शिक्षा को व्यावहारिक कौशल से जोड़ा जाए। इससे विद्यार्थी ज्ञान के साथ रोजगार की क्षमता भी हासिल कर सकेंगे।

-शिवांश धाकड़

कविता

जाति की दीवारों से आगे...

वीरेन्द्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

जाति के नाम पर बंटी हुई राहों को अब मोड़ दो,
इंसान को बस इंसान समझो, दिल से रिश्ते जोड़ दो।
न कोई ऊंचा, न कोई नीचा, न जन्म बने पहचान,
प्रेम जहां सच्चा हो जाए, वहीं मिले सम्मान।
दो दिल मिलकर जब कहते हैं, हम साथ निभाएंगे,
जाति-धर्म की दीवारों को मिलकर दूर भगाएंगे।
बेटी हो या बेटा कोई, फैसला हो सम्मान से,
रिश्ते बनें विश्वास के बल पर, न समाज के अभिमान से।
क्यों पूछें किस कुल में जन्मा, किसकी क्या पहचान,
दिल की भाषा पढ़ना सीखें, यही बने सम्मान।
सरकारी सहायता अपनी जगह है, सोच बदलना जरूरी,
कागज पर योजनाएं काफी नहीं, मिटे दिलों की दूरी।
अंतरजातीय विवाह केवल दो लोगों का मिलन नहीं,
यह बदलते भारत की सुंदर तस्वीर से कम नहीं।
जहां दो परिवार मिलते हैं, वहां नया विश्वास जन्मता है,
भेदभाव की पुरानी सोच से समाज धीरे-धीरे मुक्त होता है।
आओ ऐसी सुबह जगाएं, जहां जाति न रिश्ते तौले,
हर आंगन में प्रेम के दीपक, हर मन में मानवता बोले।
बेटी-बेटे दोनों को अपने सपनों का अधिकार मिले,
हर इंसान को सम्मान मिले और जीवन में प्यार मिले।
जाति की ऊंची दीवारों को मिलकर आज गिराएं,
नफरत के हर अंधेरे में प्रेम के दीप जलाएं।
भारत तभी महान बनेगा, जब हर दिल यह मान ले,
इंसानियत सबसे बड़ी पहचान है, दुनिया इसे पहचान ले।
आओ मिलकर प्रण यह लें, भेदभाव को दूर करेंगे,
प्रेम, समानता, भाईचारे से भारत को भर देंगे।
न जन्म पूछेंगे, न जाति, न कोई ऊंच-नीच का मान,
हर दिल में बस एक ही रिश्ता—इंसान से इंसान।

संसद में बार-बार हंगामा और कार्यवाही स्थगित कराने पर सांसदों का वेतन रोकने की उठी मांग

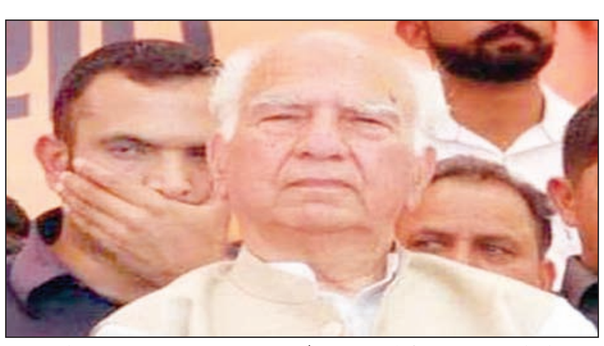

अश्वनी कुमार , शिमला छात्र, प्रदेश विश्वविद्यालय)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने सुझाव दिया है कि संसद में भी काम नहीं तो वेतन नहीं का नियम लागू होना चाहिए। उनका कहना है कि सांसद वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाएं लेते हैं। ऐसे में संसद में लगातार हंगामा और कार्यवाही में बाधा डालना शर्मनाक है। संसद में गए जनप्रतिनिधि क्या हंगामा करने के लिए ही लाखों रुपये के वेतन और भत्ते लेते हैं? संसद में शोर-शराबा और बच्चों जैसा व्यवहार रोज का काम हो गया है। पूरा देश इसे देखता है, लेकिन ये लोग जरा भी नहीं सोचते कि जनता ने उन्हें सिर्फ हंगामा करने के लिए वोट नहीं दिया है।

हर सांसद को अपनी बात कहने का पूरा हक है, लेकिन यह तरीका गलत है कि संसद की चलती कार्यवाही को ही बाधित कर दिया जाए और कार्यवाही को बार-बार स्थगित करना पड़े। बच्चे भी ऐसा ही करते हैं, लेकिन उन्हें भी सजा दी जाती है। संसद की कार्यवाही में रुकावट डालने पर भी सांसदों को पूरा वेतन और भत्ते मिलते हैं। इस पर भी नकेल डालने के लिए अब सख्त और तुरन्त कानून बनाने की जरूरत है। शांता कुमार ने हिमाचल में यह कानून लागू करने की पहल की थी। हालांकि उन्हें विरोध भी झेलना पड़ा था, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की और हर दिन हड़ताल करने वालों पर शिकंजा कसा। उनका स्पष्ट सिद्धांत था कि काम ही नहीं तो वेतन किस बात का।

अटल जी की नीतियां भी ऐसी ही थीं। सरकार गिर गई, लेकिन वे गलत के सामने कभी डरे या झुके नहीं। उन्होंने देश और जनता के हित में ही काम किया। वर्तमान सरकार को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। मोदी जी की सोच अच्छी है और वे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हैं। संसद में सिर्फ शोर-शराबा करके वेतन और भत्ते उठाना भी एक तरह का भ्रष्टाचार ही है। इस पर भी लगाम कसने के लिए एक विधेयक लाया जा सकता है, ताकि कोई भी भविष्य में ऐसी हरकत न कर सके। काम नहीं तो वेतन नहीं का नियम लागू होना सही होगा, क्योंकि जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों की सबसे पहली जिम्मेदारी जनता के प्रति होती है।

संसद किसी भी राजनीतिक दल की हो, सभी जनप्रतिनिधियों को शालीन तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। ऐसा करने पर उस पर विचार भी होगा और सभी की बात सुनी जाएगी। अटल जी के समय में ऐसा ही होता था। जब कोई सदस्य अपनी बात और समस्या रखते थे तो वे मुस्कुराकर कहते थे कि एक-एक करके प्यार से अपनी बात रखें। उनकी सोच में संवाद और लोकतांत्रिक मर्यादा का विशेष महत्व था। आज ऐसी भावना कुछ हद तक लुप्त होती दिखाई दे रही है।

अटल जी ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद देशहित को हमेशा प्राथमिकता दी। राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने विदेश दौरे पर अटल जी का नाम प्रमुखता से रखा और कहा था कि ऐसे काबिल व्यक्ति को भेजकर भारत का ही नाम ऊंचा होगा। आज ऐसी भावना लुप्त हो गई है। केवल विरोध करना, कीचड़ उछालना, भद्दे नारे लगाना, कागज फेंकना और हंगामा करना ही चलन बन गया है। विपक्षी नेता प्रधानमंत्री की तारीफ करने से कतराते हैं। विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देशहित में लिए गए निर्णयों की प्रशंसा करने में कोई हर्ज नहीं है। इन नेताओं को सोचना चाहिए कि उन्हें देश के लिए काम करना है या सिर्फ अपनी पार्टी के लिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आस्था से आत्मचिंतन तक गुरुवार का सफर, जीवन को बेहतर बनाने का देता है सकारात्मक संदेश

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक

सप्ताह के सात दिनों में गुरुवार का अपना विशिष्ट महत्व माना जाता है। भारतीय परंपरा में इसे केवल सप्ताह का एक दिन नहीं बल्कि ज्ञान, धर्म, गुरु, अनुशासन और सकारात्मक चिंतन से जोड़कर देखा जाता है। गुरुवार का संबंध देवगुरु बृहस्पति से माना जाता है और ज्योतिषीय मान्यताओं में बृहस्पति को ज्ञान, बुद्धि, शिक्षा, धर्म, विवेक, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का कारक माना गया है। इसी कारण भारतीय समाज में लंबे समय से गुरुवार को विशेष दिन के रूप में मानने की परंपरा रही है। अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों में इस दिन से जुड़ी मान्यताएं और परंपराएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन लगभग सभी में ज्ञान, सदाचार और सकारात्मक जीवन की भावना प्रमुख दिखाई देती है।

गुरुवार का सबसे महत्वपूर्ण संबंध गुरु की अवधारणा से है। भारतीय संस्कृति में गुरु को केवल शिक्षक नहीं माना गया बल्कि जीवन को सही दिशा दिखाने वाला मार्गदर्शक माना गया है। माता-पिता के बाद गुरु का स्थान इसलिए महत्वपूर्ण माना गया क्योंकि गुरु व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करने के साथ उसके व्यक्तित्व का निर्माण भी करता है। गुरुवार हमें इसी गुरु-परंपरा और ज्ञान के महत्व की याद दिलाता है। आधुनिक जीवन में जब व्यक्ति तेजी से बदलती परिस्थितियों, प्रतिस्पर्धा और तनाव के बीच आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, तब ज्ञान और विवेक का महत्व और बढ़ जाता है। इसलिए गुरुवार को आत्मचिंतन, अध्ययन और अपने जीवन की दिशा पर विचार करने के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है।

धार्मिक दृष्टि से गुरुवार को भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की आराधना से जोड़ा जाता है। अनेक लोग इस दिन पूजा-पाठ करते हैं, मंदिर जाते हैं और अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत रखते हैं। कुछ परिवारों में पीले रंग को विशेष महत्व दिया जाता है। पीले वस्त्र पहनने, पीले फूल चढ़ाने या पीली वस्तुओं का दान करने की परंपरा भी कई स्थानों पर देखने को मिलती है। हालांकि इन धार्मिक मान्यताओं का आधार आस्था और परंपरा है, इसलिए इन्हें वैज्ञानिक तथ्य के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय सांस्कृतिक विश्वास के रूप में समझना अधिक उचित है। आस्था का मूल उद्देश्य व्यक्ति को संयम, सेवा, सदाचार और सकारात्मकता की ओर प्रेरित करना होना चाहिए।

भारतीय ज्योतिष में बृहस्पति को अत्यंत शुभ ग्रह माना जाता है। मान्यता है कि बृहस्पति ज्ञान, शिक्षा, विवाह, संतान, धन, धर्म और आध्यात्मिक प्रगति से संबंधित विषयों का प्रतिनिधित्व करता है। इसी वजह से गुरुवार को कई लोग महत्वपूर्ण कार्यों के लिए शुभ मानते हैं। विवाह संबंधी निर्णय, धार्मिक अनुष्ठान, शिक्षा से जुड़े कार्य और आध्यात्मिक गतिविधियों को इस दिन विशेष महत्व दिए जाने की परंपरा है। हालांकि किसी भी कार्य की सफलता केवल दिन या मुहूर्त पर निर्भर नहीं करती। व्यक्ति की मेहनत, सही निर्णय, परिस्थितियां और व्यवहार भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं।

गुरुवार का एक सामाजिक पक्ष भी है। भारतीय परंपरा में दान और सेवा को विशेष महत्व दिया गया है। इस दिन जरूरतमंदों की सहायता करना, भोजन कराना, वस्त्र देना या अपनी क्षमता के अनुसार किसी की मदद करना पुण्यकारी माना जाता है। आधुनिक संदर्भ में गुरुवार की इस भावना को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ना उपयोगी हो सकता है। यदि सप्ताह में एक दिन भी व्यक्ति यह संकल्प ले कि वह किसी जरूरतमंद की सहायता करेगा, किसी विद्यार्थी को पढ़ाई में मदद करेगा, किसी बुजुर्ग का हाल पूछेगा या पर्यावरण संरक्षण के लिए कोई छोटा कदम उठाएगा तो इससे समाज में सहयोग की भावना मजबूत हो सकती है।

गुरुवार विद्यार्थियों के लिए भी विशेष अर्थ रखता है। ज्ञान और शिक्षा से इसके संबंध को देखते हुए इस दिन विद्यार्थी अपने अध्ययन की समीक्षा कर सकते हैं। वे यह देख सकते हैं कि सप्ताह के दौरान उन्होंने क्या सीखा, किन विषयों में कठिनाई हुई और आगे किस दिशा में अधिक मेहनत करनी है। आज के दौर में केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। ज्ञान को समझना, उसका व्यावहारिक उपयोग करना और नई चीजें सीखने की आदत विकसित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से गुरुवार को सीखने और आत्ममूल्यांकन के दिन के रूप में अपनाया जा सकता है।

कामकाजी लोगों के लिए भी सप्ताह का गुरुवार महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। सोमवार से शुरू हुआ कार्य सप्ताह मध्य से आगे निकल चुका होता है और सप्ताहांत नजदीक आने लगता है। ऐसे में गुरुवार को अपने कार्यों की समीक्षा करना उपयोगी हो सकता है। लंबित कार्यों की सूची बनाकर उन्हें पूरा करने की योजना बनाई जा सकती है। कार्यालय में सहयोगियों के साथ बेहतर संवाद, समय प्रबंधन और प्राथमिकताओं का निर्धारण भी इस दिन किया जा सकता है। इस तरह गुरुवार को केवल धार्मिक दृष्टि से नहीं बल्कि व्यावहारिक जीवन में भी आत्मअनुशासन और कार्यकुशलता से जोड़ा जा सकता है। पारिवारिक जीवन में भी इस दिन की सकारात्मक भूमिका हो सकती है। परिवार के सदस्य कुछ समय एक साथ बैठकर बातचीत करें, बुजुर्गों का सम्मान करें और बच्चों को परिवार की परंपराओं तथा संस्कारों के बारे में बताएं तो इससे पीढ़ियों के बीच संबंध मजबूत हो सकते हैं। आज तकनीक और व्यस्त दिनचर्या ने पारिवारिक संवाद को सीमित कर दिया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

सिनेमा से संसद तक का सफर

सुमलता अंबरीश
जन्म : 27 अगस्त 1963

भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ सुमलता अंबरीश का जन्म 27 अगस्त 1963 को हुआ था। कई भाषाओं की फिल्मों में अपने अभिनय का प्रभाव छोड़ने वाली सुमलता ने तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सिनेमा में विशेष पहचान बनाई। उन्होंने तमिल और हिंदी फिल्मों में भी काम किया। चार दशक से अधिक लंबे करियर में वह 220 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रही हैं। अभिनय के साथ राजनीति में भी उन्होंने अपनी अलग पहचान कायम की।

सुमलता ने महज 15 वर्ष की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। वर्ष 1979 में आंध्र प्रदेश की एक सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने के बाद उनके चित्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। इसके बाद फिल्म निर्माता डी. रामानायडू ने उन्हें अपनी फिल्म में लेने में रुचि दिखाई। इसी वर्ष उन्होंने तमिल फिल्म से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की और अपने अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित चेहरे का सम्मान भी हासिल किया।

सुमलता ने अपने करियर में दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई प्रमुख भाषाओं में काम किया। तेलुगु फिल्मों में उन्होंने शुरुआत के बाद लगातार काम किया। वर्ष 1980 में उन्होंने कन्नड़ सिनेमा में प्रवेश किया और डॉ. राजकुमार के साथ भी अभिनय किया। इसी दौरान मलयालम फिल्मों में भी उनकी मजबूत पहचान बनी। उन्होंने रजनीकांत के साथ भी कई फिल्मों में नायिका की भूमिका निभाई। अलग-अलग भाषाओं में सहजता से अभिनय करने की क्षमता ने उन्हें बहुआयामी अभिनेत्री बनाया।

मलयालम सिनेमा में सुमलता की कई फिल्मों को आज भी याद किया जाता है। थझवारम, इसाबेला, निराक्कूट्टु, दिनरात्रंगल, तुवानतुम्बिकल, परंपरा और न्यू दिल्ली जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। कन्नड़ सिनेमा में आहूति, अवतार पुरुष, तायी कनसु, कर्ण और कळ्ळरळि हूवागी जैसी फिल्मों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उनकी अभिनय यात्रा दक्षिण भारतीय सिनेमा की समृद्ध परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष 1987 में फिल्म श्रुतिलयालु में शानदार अभिनय के लिए सुमलता को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नंदी पुरस्कार मिला। यह सम्मान उनके अभिनय कौशल और सिनेमा में योगदान की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज में युवक की हत्या से मचा हड़कंप, दो गिरफ्तार

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज में दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित मोनू कुशवाहा की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। आरोप है कि हत्या के बाद शव को कौशांबी के महिलाग्राम घाट के पास यमुना नदी में फेंक दिया गया। पुलिस ने मामले में मोनू के भाई के ससुर नेम सिंह और उसके भतीजे पुनीत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात स्वीकार की है। पुलिस अब यमुना में शव की तलाश के लिए अभियान चला रही है। बताया गया कि मोनू के भाई की पत्नी की कुछ समय पहले संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। मायके वालों की शिकायत पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में मोनू समेत परिवार के कई लोग वांछित थे। घटना के बाद परिजनों ने उसकी बरामदगी की मांग को लेकर थाने में हंगामा भी किया था।

वायु सेना प्रमुख आज गोरखपुर के दूरस्थ ग्राम माथाबारी का करेंगे भ्रमण

एजेंसी, लखनऊ। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह 27 अगस्त को गोरखपुर के दूरस्थ ग्राम माथाबारी का भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे ग्रामीणों, विद्यार्थियों और युवाओं से सीधे संवाद करेंगे और उनके जीवन, जरूरतों, आकांक्षाओं और चुनौतियों के बारे में जानेंगे। भ्रमण के दौरान वायु सेना प्रमुख रामाश्रय ग्राम विकास संस्थान, साखी, माथाबारी का दौरा करेंगे। वे संस्थान से जुड़े लोगों से बातचीत कर क्षेत्र में समाज के विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेंगे। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह सरस्वती गुरुकुल का भी भ्रमण करेंगे। यहां वे विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद करेंगे तथा बच्चों को शिक्षा, अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। वायु सेना प्रमुख स्थानीय युवाओं से भी बातचीत करेंगे। वे युवाओं की आकांक्षाओं और उनके सामने मौजूद अवसरों एवं चुनौतियों को समझेंगे तथा उन्हें अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगे।

उत्तर प्रदेश में अब तक 17.67 लाख इलेक्ट्रिक वाहन हुए पंजीकृत

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल के साथ पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पब्लिक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के मामले में उत्तर प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है। अब तक 17.67 लाख इलेक्ट्रिक वाहन उत्तर प्रदेश में पंजीकृत हो चुके हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि प्रदेश में लोग पारंपरिक ईंधन आधारित वाहनों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में ई-रिक्शा, इलेक्ट्रिक दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों का संचालन पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में अलग ऊर्जा व्यवस्था पर आधारित होने के कारण जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने में सहायक है। इससे ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक एवं टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा मिल रहा है।

हिजाब की आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए : मायावती

एजेंसी, लखनऊ। हिजाब विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों को ज्यादा बड़ा कर कानूनी विवाद बनाने के बजाय स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की मदद से आपस में सुलझा लेना चाहिए। इसकी आड़ में 'संकीर्ण राजनीति' नहीं होनी चाहिए। मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सभी जाति और धर्म के लोगों को समान अधिकार देने वाला संविधान देकर देश को एकता के सूत्र में बांधने और सशक्त भारत के निर्माण की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के व्यक्ति व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। इसकी अनदेखी करने व दखल देने के बजाय सभी को उसकी पवित्रता का सम्मान करना चाहिए।

दीवार ढहने से मलबे में दबकर पिता-पुत्री की मौत

एजेंसी, बांदा। उत्तर प्रदेश में जनपद बांदा के बबेरू कोतवाली क्षेत्र स्थित तराया गांव में मंगलवार रात बारिश की वजह से पड़ोसी की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर पिता और उसकी छह माह की बेटी की मौत हो गई। पत्नी और तीन साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। बबेरू थानाध्यक्ष संजय कुमार द्विवेदी ने बुधवार को बताया कि तराया गांव निवासी राजेश सिंह (40) मंगलवार रात अपनी पत्नी सावित्री देवी (35) और दो बेटियों के साथ घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान उनके पड़ोसी रामदास यादव की दीवार का भारी दबाव राजेश सिंह के घर की दीवार पर पड़ गया, जिससे अचानक दीवार भरभराकर ढह गई। सोते हुए परिवार को संभलने का मौका तक नहीं मिला और चारों लोग मलबे के नीचे दब गए।

30 साल की लीज पर निजी हाथों में जाएगा लखनऊ का जेपीएनआईसी

सरकारी आयोजनों के लिए साल में 50 दिन मुफ्त रहेगा जेपीएनआईसी

एजेंसी, लखनऊ

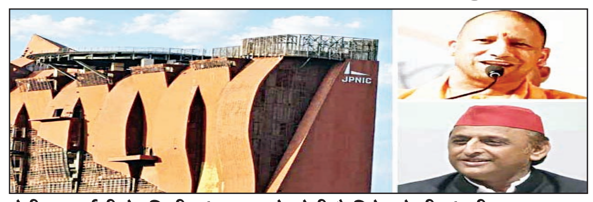

जेपीएनआईसी के निजी संचालन को योगी कैबिनेट ने दी मंजूरी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लखनऊ स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र के निजी संचालन को मंजूरी दे दी गई है। अखिलेश यादव सरकार के कार्यकाल में तैयार किए गए इस महत्वाकांक्षी केंद्र को अब वृंदावन बाटलर्स प्राइवेट लिमिटेड और राकवुड होटल्स एंड रिजार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 30 वर्ष की लीज पर दिया जाएगा। लंबे समय से बंद पड़े जेपीएनआईसी के संचालन को शुरू करने के लिए सरकार ने यह निर्णय लिया है।

लीज समझौते के तहत चयनित कंपनी लखनऊ विकास प्राधिकरण को प्रतिवर्ष छह करोड़ रुपये लीज किराये के रूप में देगी। इस राशि में प्रत्येक वर्ष पांच प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त संचालन के लिए कंपनी से 10.11 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि और 25 करोड़ रुपये की प्रदर्शन गारंटी भी ली जाएगी। सरकार के अनुसार परियोजना में अब तक 821.74 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि लीज से मिलने वाली धनराशि को ब्याज सहित संकलित कर लखनऊ विकास प्राधिकरण के माध्यम से प्रदेश सरकार को वापस किया जाएगा। सरकार को 30 वर्षों में ब्याज सहित लगभग 857 करोड़ रुपये वापस मिलने का अनुमान है। इस व्यवस्था का उद्देश्य परियोजना पर किए गए सरकारी खर्च की भरपाई के साथ जेपीएनआईसी को लंबे समय तक उपयोग में लाना है।

सरकारी आयोजनों के लिए भी जेपीएनआईसी का उपयोग जारी रहेगा। इसके लिए वर्ष में 50 दिन केंद्र सरकार को बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराया जाएगा। निजी संचालक को केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। पहले इसके संचालन के लिए 35 वर्ष का अनुबंध प्रस्तावित किया गया था लेकिन अब 30 वर्ष की प्रारंभिक लीज के साथ भविष्य में अनुबंध बढ़ाने का विकल्प भी रखा गया है। सहमति के आधार पर पहली बार 30 वर्ष और दूसरी बार 25 वर्ष तक अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

जेपीएनआईसी में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। इनमें सभागार, सम्मेलन केंद्र, विश्वस्तरीय खेल परिसर, बहुउद्देश्यीय खेल कोर्ट और बहुमंजिला पार्किंग शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन सुविधाओं का लाभ आम लोगों को भी किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

मनुस्मृति विवाद में राहुल गांधी पर बरसे 'स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद'

एजेंसी, वाराणसी

राहुल गांधी के मनुस्मृति और सनातन सांस्कृतिक विचारों को लेकर दिए बयान पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने राहुल गांधी की टिप्पणी को अज्ञानतापूर्ण और सतही समझ पर आधारित बताया। स्वामी ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए प्राचीन धर्मशास्त्रों के श्लोकों को उनके मूल संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत करना भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की व्याख्या से समाज में भ्रम की स्थिति पैदा होती है और सनातन परंपरा के बारे में गलत धारणा बनती है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने पुणे में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी द्वारा मनुस्मृति के एक श्लोक का उल्लेख किए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि श्लोक को केवल स्त्री की परतंत्रता से जोड़कर देखना उचित नहीं है। उनके अनुसार शास्त्रों की व्याख्या उनके मूल संदर्भ और व्यापक अर्थ को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। उन्होंने 'पिता रक्षति कौमारे, भर्ता रक्षति यौवने...' श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य स्त्री के संरक्षण और सम्मान से जुड़ा है। स्वामी ने कहा कि सनातन परंपरा और धर्मशास्त्रों पर टिप्पणी करने से पहले उनके मूल अर्थ और संदर्भ को समझना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने धार्मिक ग्रंथों को राजनीतिक विवाद का विषय नहीं बनाने की अपील की।

गोरखपुर में सरकारी सख्ती से चीनी हुई सस्ती, थोक दाम में चार रुपए की गिरावट

एजेंसी, गोरखपुर

गोरखपुर में चीनी की बढ़ती कीमतों पर शासन की सख्ती का असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। मंगलवार को थोक बाजार में चीनी के दाम में प्रति किलोग्राम चार रुपये की कमी दर्ज की गई। इससे फुटकर बाजार में भी ग्राहकों को राहत मिली है। फिलहाल कई स्थानों पर चीनी 62 से 63 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रही है, जबकि कुछ दुकानदार 65 रुपये प्रति किलोग्राम तक कीमत वसूल रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और गिरावट हो सकती है।

चीनी के दाम अचानक बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिले में थोक कारोबारियों के गोदामों की जांच शुरू की गई है। कारोबारियों को भारत सरकार के पोर्टल पर अपने चीनी भंडार की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। पोर्टल पर दर्ज जानकारी के आधार पर खाद्य विभाग की टीमें गोदामों में पहुंचकर वास्तविक स्टॉक का सत्यापन कर रही हैं।

चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष संजय सिंघानिया के अनुसार मंगलवार को थोक बाजार में चीनी का भाव 5950 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल रहा। इससे पहले यह 6500 से 6600 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था। जिले में अब तक 53 कारोबारियों ने पोर्टल पर अपने स्टॉक की जानकारी दी है। इनमें से 24 कारोबारियों के भंडार की जांच की जा चुकी है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे के नेतृत्व में मंगलवार को गोला क्षेत्र में भी कारोबारियों के स्टॉक का निरीक्षण किया गया।

वाराणसी में गंगा उफान पर तटीय इलाकों में बढ़ी चिंता

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने के बाद अब स्थिर हो गया है, लेकिन तटीय इलाकों और घाटों पर बाढ़ का असर अभी भी बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार मंगलवार को गंगा का जलस्तर 68.26 मीटर दर्ज किया गया। पानी बढ़ने के कारण दशाश्वमेध घाट स्थित जल पुलिस चौकी पूरी तरह जलमग्न हो गई है और गंगा का पानी घाट की ऊपरी सीढ़ियों तक पहुंच गया है। इससे आसपास के क्षेत्रों में लोगों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से नाव संचालन पर अगले आदेश तक पूरी तरह रोक लगा दी है। नावों का परिचालन बंद होने से नौका विहार और इससे जुड़े लोगों का काम प्रभावित हुआ है। सावन माह में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जल पुलिस ने घाटों पर विशेष सतर्कता बढ़ा दी है। जलमग्न घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को गहरे पानी में नहीं जाने की चेतावनी दी जा रही है।

डिंपल यादव बोलीं, महिलाओं को सपा देगी 40- 40 हजार रुपए

एजेंसी, लखनऊ

आधी आबादी को साधने में जुटी सपा, डिंपल ने खोले पत्ते।

समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच महिलाओं पर अपना विशेष फोकस बढ़ा दिया है। बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में आधी आबादी को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने महिलाओं की भूमिका और अधिकारों को लेकर पार्टी की प्राथमिकताओं को सामने रखा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने पीडीए के ए में आधी आबादी को शामिल किया है। इसके जरिए पार्टी ने महिला मतदाताओं को अपने राजनीतिक अभियान के केंद्र में रखने का संकेत दिया है।

डिंपल यादव ने अपने संबोधन में स्त्री शब्द की व्यापक व्याख्या करते हुए बेटी, बहन और मां समेत समाज की प्रत्येक महिला को इसमें शामिल बताया। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी को सामाजिक और राजनीतिक बदलाव के लिए महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि आधी आबादी को केवल चुनाव के समय याद करने के बजाय उनके सम्मान, अधिकार और भागीदारी को लगातार महत्व दिया जाना चाहिए।

समाजवादी पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिलाओं के लिए कई घोषणाएं भी सामने रखी गई हैं। पार्टी नेतृत्व का दावा है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में 40-40 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस घोषणा को महिला मतदाताओं को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पूर्वांचल को रेलवे की बड़ी सौगात, आज से दौड़ेगी गोरखपुर-दिल्ली अमृत भारत

आज से नियमित चलेगी गोरखपुर-दिल्ली अमृत भारत ट्रेन, सफर होगा सुविधाजनक

एजेंसी, गोरखपुर

गोरखपुर से दिल्ली आने-जाने वाले पूर्वांचल के यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। 27 अगस्त से गोरखपुर-दिल्ली के बीच पहली अमृत भारत ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होने जा रहा है। यह ट्रेन पहले से संचालित गोरखपुर-दिल्ली-गोरखपुर विशेष ट्रेन की जगह चलेगी। रेलवे ने इसके लिए 15095 और 15096 नंबर निर्धारित किए हैं। नई ट्रेन के नियमित संचालन से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। रेलवे प्रशासन ने ट्रेन संचालन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं।

अमृत भारत ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 11 सामान्य द्वितीय श्रेणी, आठ शयनयान श्रेणी और एक पेंट्रीकार समेत अन्य कोच शामिल होंगे। यह गैर वातानुकूलित एक्सप्रेस ट्रेन होगी, जिसमें सामान्य और शयनयान श्रेणी के यात्रियों के लिए अलग-अलग सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। पेंट्रीकार की सुविधा होने से लंबी दूरी की यात्रा के दौरान यात्रियों को भोजन और अन्य खानपान की सुविधा भी मिल सकेगी।

रेलवे प्रशासन ने ट्रेन संचालन को लेकर तैयारियां की पूरी

गोरखपुर से दिल्ली आने-जाने वाले पूर्वांचल के यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। 27 अगस्त से गोरखपुर-दिल्ली के बीच पहली अमृत भारत ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होने जा रहा है। यह ट्रेन पहले से संचालित गोरखपुर-दिल्ली-गोरखपुर विशेष ट्रेन की जगह चलेगी। रेलवे ने इसके लिए 15095 और 15096 नंबर निर्धारित किए हैं। नई ट्रेन के नियमित संचालन से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। रेलवे प्रशासन ने ट्रेन संचालन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं।

गोरखपुर से दिल्ली के बीच बड़ी संख्या में लोग रोजगार, कारोबार, शिक्षा और अन्य जरूरी कार्यों के लिए नियमित रूप से यात्रा करते हैं। ऐसे में अमृत भारत ट्रेन के नियमित संचालन से पूर्वांचल के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

कानपुर के ओला शोरूम में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां जलकर खाक

एजेंसी, कानपुर

कानपुर के पनकी स्थित एमआइजी रोड पर मंगलवार देर रात ओला शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देखकर आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पनकी और फजलगंज फायर स्टेशन से तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। उस समय तक आग शोरूम में तेजी से फैल चुकी थी। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हादसे में शोरूम में रखे कई वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी व्यक्ति की जान नहीं गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग घटना की जांच कर रहे हैं।

मेरठ में पुलिस चौकी में बर्थडे पार्टी आरोपित नेता संग दारोगा ने काटा केक

एआइएमआइएम नेता और समर्थकों ने पहनाई फूलों की माला

एजेंसी, मेरठ

मेरठ की जाकिर कालोनी पुलिस चौकी में तैनात एक दारोगा का एआइएमआइएम नेता और अन्य लोगों के साथ जन्मदिन मनाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वीडियो में दारोगा पुलिस की वर्दी में दिखाई दे रहे हैं और उनके गले में फूलों की मालाएं भी डाली गई हैं। इसके बाद दारोगा केक काटते नजर आते हैं। आसपास मौजूद लोग उन्हें केक खिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बताया गया है कि जन्मदिन समारोह में एआइएमआइएम से जुड़े लोग भी मौजूद थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिसकर्मी के इस तरह के आयोजन में शामिल होने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि पुलिस चौकी जैसी जगह पर राजनीतिक दल से जुड़े लोगों के साथ इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करना पुलिस की निष्पक्षता और मर्यादा को लेकर सवाल खड़े करता है।

वीडियो इंस्टाग्राम समेत इंटरनेट मीडिया के अन्य माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हुआ। वीडियो सामने आने के बाद जिले में पहले हुए ऐसे मामलों की भी चर्चा शुरू हो गई है, जिनमें पुलिसकर्मियों के निजी या सार्वजनिक आयोजनों में अनुशासन संबंधी कार्रवाई की जा चुकी है। फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर पुलिस अधिकारियों की ओर से कार्रवाई या जांच के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रतियोगिता लखनऊ और मेरठ की टीमें पहुंचेंगी कानपुर, 28 अगस्त से ग्रीन पार्क में शुरू होगा यूपी टी-20 लीग का दूसरा चरण

कानपुर में फिर सजेगा यूपी टी-20 का मंच

एजेंसी, कानपुर

कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग के दूसरे चरण की शुरुआत 28 अगस्त से होने जा रही है। करीब दो वर्ष के अंतराल के बाद यूपी टी-20 लीग का कारवां एक बार फिर कानपुर पहुंच रहा है। दूसरे चरण के मुकाबलों को लेकर ग्रीन पार्क स्टेडियम में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मैदान से लेकर खिलाड़ियों के अभ्यास और ठहरने तक की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। क्रिकेट प्रेमियों में भी मुकाबलों को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

दूसरे चरण के लिए लखनऊ और मेरठ की टीमें 26 अगस्त को कानपुर पहुंचेंगी। वहीं काशी, गोरखपुर, नोएडा और कानपुर की टीमें 27 अगस्त को शहर पहुंचेंगी। खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन के ठहरने की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। कानपुर, काशी, गोरखपुर और नोएडा की टीमें होटल लैंडमार्क में ठहरेंगी। लखनऊ की टीम के लिए होटल प्रिस्टिन और मेरठ की टीम के लिए होटल इटरनिटी में व्यवस्था की गई है। टीमों के शहर पहुंचने के बाद अभ्यास सत्र भी शुरू हो जाएंगे।

28 अगस्त को ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरे चरण का पहला मुकाबला खेला जाएगा। दिन-रात के इस मुकाबले में काशी और नोएडा की टीमें आमने-सामने होंगी। मुकाबले को लेकर स्टेडियम में विशेष तैयारियां की गई हैं। खिलाड़ियों को बेहतर खेल परिस्थितियां उपलब्ध कराने के लिए मैदान पर तीन मुख्य पिच तैयार की गई हैं। इसके अलावा छह अभ्यास विकेट भी तैयार किए गए हैं, जहां खिलाड़ी मुकाबले से पहले बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास कर सकेंगे।

कानपुर में लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ ने भी अतिरिक्त तैयारी की है। खिलाड़ियों के अभ्यास में बारिश बाधा न बने, इसके लिए ग्रीन पार्क की इनडोर पिच को तैयार किया गया है। इस सुविधा का उपयोग छह फ्रेंचाइजी के खिलाड़ी कर सकेंगे। इससे खराब मौसम की स्थिति में भी टीमों का अभ्यास जारी रखा जा सकेगा। आयोजकों का प्रयास है कि मौसम की चुनौती के बावजूद लीग के मुकाबले निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित हों।

बारिश से निपटने को इनडोर पिच तैयार

यूपी टी-20 लीग के दूसरे चरण के लिए ग्रीन पार्क को तैयार करने में मैदानकर्मियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बारिश के कारण मैदान को सुरक्षित रखना और पिचों को खेलने योग्य स्थिति में बनाए रखना बड़ी चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैदान और अभ्यास क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। तीन मुख्य पिचों के साथ छह अभ्यास विकेट तैयार होने से खिलाड़ियों को मैच से पहले पर्याप्त अभ्यास का अवसर मिलेगा। यूपी टी-20 लीग प्रदेश के युवा क्रिकेटरों के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में सामने आई है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से खिलाड़ियों को घरेलू स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने और अनुभवी क्रिकेटरों के साथ खेलने का अवसर मिलता है। लीग में प्रदेश के अलग-अलग शहरों से जुड़ी टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिससे स्थानीय क्रिकेट प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। कानपुर में दूसरे चरण के मुकाबले शुरू होने के साथ ही ग्रीन पार्क में क्रिकेट का माहौल एक बार फिर जीवंत होगा। टीमों के आगमन के बाद अभ्यास सत्र और मुकाबलों की गतिविधियां तेज होंगी। दर्शकों को भी रोमांचक टी-20 मुकाबलों का इंतजार है। खास बात यह है कि वर्षा के बीच आयोजकों ने इनडोर अभ्यास की व्यवस्था करके खिलाड़ियों की तैयारी को प्रभावित होने से बचाने का प्रयास किया है।

यूपी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती का रास्ता साफ

यूपी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती से बीएड के 176 पद हटे

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने पूर्व में भेजे गए 2107 पदों के अधियाचन में संशोधन करते हुए बीएड विषय के 176 पद हटा दिए हैं। इन पदों को हटाने का मुख्य कारण अर्हता से जुड़ी विसंगति बताया गया है। संशोधित रिक्तियों का विवरण 25 अगस्त को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है।

उच्च शिक्षा निदेशालय ने पहले 44 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 2107 पदों का अधियाचन आयोग को भेजा था। परीक्षण के दौरान आयोग को बीएड विषय के पदों में अर्हता संबंधी कमी मिली। इसके अलावा कुछ पदों में आरक्षण के पालन को अलग विषय के रूप में दर्शाते हुए रिक्तियां भेजे जाने पर भी सवाल उठाया गया। आयोग ने निदेशालय से स्थिति स्पष्ट करते हुए संशोधित रिक्तियां भेजने को कहा था।

इसके बाद निदेशालय ने बीएड के 176 पद और एक अन्य विषय की विसंगतिपूर्ण रिक्ति को हटाकर शेष 1900 से अधिक पदों का संशोधित अधियाचन आयोग को भेज दिया है। अब चयन आयोग इन पदों के आधार पर आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा। इस संशोधन के बाद अभ्यर्थियों की नजर भर्ती की अगली कार्रवाई पर है। वहीं बीएड विषय से जुड़े अभ्यर्थियों के लिए 176 पद हटना महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित अर्हताओं का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह संशोधन किया गया है।

झांसी : सुकवा-ढुकवा डैम से बेतवा में छोड़ा गया 30 हजार क्यूसेक पानी

एजेंसी, झांसी

उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बबीना ब्लॉक क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से अधिक समय से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बेतवा नदी पर बना सुकवा-ढुकवा डैम ओवरफ्लो हो गया है। डैम का जलस्तर बढ़ने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से 30 हजार क्यूसेक से अधिक पानी बेतवा नदी में छोड़ा जा रहा है। डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश और जलभराव के कारण क्षेत्र में नदी के जलस्तर पर प्रशासन और सिंचाई विभाग की ओर से निगरानी रखी जा रही है। लोगों को नदी के आसपास जाने से बचने और निचले इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे क्षेत्रों में भी लोगों की चिंता बढ़ गई है। सुकवा-ढुकवा डैम के अवर अभियंता अमित कुमार सिंह ने बताया कि डैम के निर्माण के बाद यह पहली बार है, जब यहां ओवरफ्लो हुआ है।

रोहतक के फर्नीचर शोरूम में लगी भीषण आग, दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

गोहाना अड्डा स्थित लाला लाजपत राय फर्नीचर मार्केट में दोपहर करीब 2:20 बजे भड़की आग

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

रोहतक के गोहाना अड्डा स्थित लाला लाजपत राय फर्नीचर मार्केट में बुधवार दोपहर एक फर्नीचर शोरूम के टॉप फ्लोर पर अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने की घटना दोपहर करीब 2:20 बजे हुई। शोरूम में आग लगते ही आसपास के दुकानदारों और लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को दी गई।

जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने शोरूम के टॉप फ्लोर पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहनों को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस

टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास की स्थिति को संभाला और लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए कहा।

राहत एवं बचाव कार्य के दौरान मार्केट में लोगों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया। बताया गया कि आग शिव शक्ति फोम एवं गद्दे वाली दुकान में लगी। फोम और गद्दे जैसे सामान के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

दमकल विभाग की टीम आग बुझाने के साथ ही यह सुनिश्चित करने में जुटी रही कि लपटें आसपास की दुकानों तक न पहुंचें। फर्नीचर मार्केट में बड़ी संख्या में दुकानें होने के कारण आग के फैलने की आशंका से प्रशासन और दुकानदारों की चिंता बढ़ गई। घटना के बाद आसपास के दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों से बाहर निकल आए। कई लोग सुरक्षित स्थानों पर चले गए।

टॉप फ्लोर से लगातार धुआं निकलने के कारण पूरे क्षेत्र में धुंध जैसा माहौल बन गया। पुलिस और दमकल कर्मियों ने लोगों को घटनास्थल के नजदीक जाने से रोकने का प्रयास किया। अधिकारियों की प्राथमिकता आग को नियंत्रित करने के साथ आसपास की दुकानों और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रही। दमकल विभाग की टीम ने आग के संभावित विस्तार वाले हिस्सों पर पानी की बौछार की। शोरूम की ऊपरी मंजिल पर आग होने के कारण दमकल कर्मियों को राहत कार्य में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी।

बारिश में डूबे गुरुग्राम पर डिजिटल ट्रोलिंग एआई गानों के जरिए प्रशासन पर निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में मानसून की बारिश के बाद जलभराव की समस्या एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। शहर के कई इलाकों में सड़कों और अंडरपास में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच जलभराव को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा भी अलग अंदाज में सामने आ रहा है। यूजर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई ऐप्स की मदद से मजेदार और व्यंग्यात्मक गाने तैयार कर रहे हैं, जो एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

इन एआई गानों में गुरुग्राम की जलभराव की स्थिति के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी कटाक्ष किया जा रहा है। वायरल गानों में 'गुड़गांव तू तो डूब गया है, ओला-उबर भी रूठ गया है' और 'सड़कें बनी हैं दरिया सारी, ये है मिलेनियम सिटी हमारी' जैसे बोल लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। कुछ गानों में महंगे फ्लैट और बारिश के बाद पैदा होने वाली समस्याओं को लेकर भी तंज कसा गया है। गुरुग्राम के सेक्टर-15 अंडरपास सहित कई स्थानों पर जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। कुछ जगहों पर पानी इतना भर गया कि लोग इसे मजाकिया अंदाज में 'स्विमिंग पूल' तक कह रहे हैं। इससे शहर की जलनिकासी व्यवस्था और बारिश से पहले की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं।

सोशल मीडिया यूजर्स अपने एआई गानों के जरिए नगर निगम, जीएमडीए और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि वायरल सामग्री का बड़ा हिस्सा व्यंग्य और मनोरंजन के अंदाज में है, लेकिन इसके पीछे लोगों की नाराजगी साफ दिखाई दे रही है। लगातार होने वाले जलभराव को लेकर नागरिक बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। बारिश के बाद सड़कों पर जमा पानी से यातायात भी प्रभावित हुआ और कई इलाकों में लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में वकील के बेटे की मौत मॉर्निंग वॉक के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के सोहना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में वरिष्ठ अधिवक्ता ललित राघव के छोटे बेटे केस राघव की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, केस राघव सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे की खबर फैलते ही सोहना क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अधिवक्ता समुदाय में भी घटना को लेकर गहरा दुख जताया गया। केस राघव के निधन के चलते सोहना की अदालत में बुधवार को नो वर्किंग डे रखा गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे की परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

जुआ से लेकर चोरी तक पर पुलिस का शिकंजा, बहादुरगढ़ में पांच आरोपी पकड़े

भारतेन्दु संवाददाता, बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ में पुलिस ने अलग-अलग आपराधिक मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में जुआ खेलने, नशीले पदार्थों की तस्करी, चोरी और मारपीट के आरोप शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बालोर चुंगी के पास एक दुकान में जुआ खेलने की सूचना मिलने पर छापा मारा गया। मौके से चार युवकों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 2060 रुपये नकद बरामद हुए। आरोपियों की पहचान नया गांव निवासी पंकज, सागर और शिवम तथा सिदीपुर लोवा निवासी सन्नी के रूप में हुई है। वहीं, एक अन्य मामले में सब्जी मंडी से घर लौट रहे विक्रेता को ऑटो में बैठाकर सुनसान जगह ले जाने और मारपीट कर 15 हजार रुपये, मोबाइल फोन व थैला छीनने का आरोप है। पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झज्जर में सफाई कर्मियों और पुलिस में झड़प, 70 से अधिक कर्मचारी हिरासत में

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर। झज्जर में अपनी मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। कर्मचारियों ने नगर परिषद कार्यालय में धरना देते हुए हड़ताल को चार दिन और बढ़ाने का फैसला किया है। मंगलवार शाम करीब सात बजे से शुरू हुआ विरोध देर रात तक चलता रहा। प्रशासन की ओर से कूड़ा उठाने के प्रयासों का सफाई कर्मचारियों ने कई स्थानों पर विरोध किया। भगत सिंह चौक और बीकानेर चौक पर प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों और पुलिस के बीच झड़प की स्थिति बन गई। आरोप है कि कूड़ा उठाने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर सफाई कर्मचारियों ने कूड़ा फेंक दिया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 70 से अधिक सफाई कर्मियों को हिरासत में लिया। पहले भगत सिंह चौक और फिर बीकानेर चौक से कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया। उन्हें रोडवेज बसों से अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया। अलसुबह करीब तीन बजे सभी को रिहा कर दिया गया। हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है।

सोनीपत की डीसीआरयूएसटी में यौन उत्पीड़न मामला, जांच आईसीसी को सौंपी गई

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत की दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में असिस्टेंट प्रोफेसर पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच अब आईसीसी करेगी। छात्रों के मुताबिक, 20 अगस्त को विश्वविद्यालय प्रशासन को शिकायत दी गई थी। शिकायत के बाद प्रशासन ने कार्रवाई का भरोसा दिया था, लेकिन अब फैक्ट फाइंडिंग कमेटी को समाप्त कर मामला आंतरिक शिकायत समिति को सौंप दिया गया है। छात्रों ने जांच प्रक्रिया में देरी और मामले को दबाने की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि शिकायतकर्ता छात्रों पर मानसिक दबाव बनाया जा सकता है। छात्रों ने मांग की है कि जांच पूरी होने तक संबंधित शिक्षक को शिकायतकर्ताओं की पढ़ाई, परीक्षा और मूल्यांकन से अलग रखा जाए। उन्होंने निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग करते हुए कहा कि छात्रों की सुरक्षा और भविष्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राम रहीम की फरलो पर भड़के अंशुल छत्रपति, राजनीतिक लाभ के लगाए आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

रोहतक में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 21 दिन की फरलो मिलने के बाद पत्रकार रामचंद्र छत्रपति के बेटे अंशुल छत्रपति ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए इसे सिस्टम के लिए मजाक और शर्मनाक बताया।

साध्वियों के यौन शोषण के मामले में 20 साल की सजा काट रहे राम रहीम मंगलवार को 21 दिन की फरलो पर जेल से बाहर आया। इसके बाद अंशुल छत्रपति ने कहा कि किसी व्यक्ति को बार-बार ऐसी राहत क्यों मिल रही है, इसका जवाब उनसे नहीं बल्कि सरकारी तंत्र और प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांगा जाना चाहिए। अंशुल ने आरोप लगाया कि अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारों के

'ऐसे व्यक्ति को बार-बार राहत क्यों?' राम रहीम की फरलो पर अंशुल का दर्द

कार्यकाल में राम रहीम को राहत मिलती रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के समय उसकी रिहाई को लेकर राजनीतिक लाभ की चर्चाएं सामने आती रही हैं। उनके मुताबिक, ऐसे मामलों में सरकार और प्रशासन को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। अंशुल छत्रपति ने कहा कि राम रहीम एक गंभीर अपराध में सजा काट रहा है और उसके खिलाफ हत्या से जुड़े मामले भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।

कैंटर ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, एक युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल। पलवल में अलीगढ़ मार्ग पर किठवाड़ी गांव के पास बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कैंटर ने एक ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मृतक युवक की पहचान सूरज के रूप में हुई है। वह गुरुग्राम में काम करता था और ऑटो से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान किठवाड़ी गांव के पास कैंटर और ऑटो की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल भेजा।

गुरुग्राम सेक्टर-29 में हादसा, अंडरपास से निकलते ही आग का गोला बना ई-रिक्शा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित अंडरपास के पास बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क पर चल रहे एक ई-रिक्शा में अचानक आग लग गई। अंडरपास से बाहर निकलते ही वाहन से तेज धुआं निकलने लगा और कुछ ही पलों में उसमें भीषण लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और ई-रिक्शा धू-धूकर जलने लगा।

बताया जा रहा है कि घटना के समय ई-रिक्शा सड़क पर चल रहा था। अचानक इंजन की तरफ से धुआं और आग की लपटें उठती देखकर चालक को खतरे का अंदाजा हुआ। उसने बिना समय गंवाए वाहन से छलांग लगा दी। इस तरह चालक ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से अपनी जान बचा ली। वाहन में आग लगने के बाद आसपास मौजूद लोगों

में हड़कंप मच गया।

सड़क पर जलते ई-रिक्शा को देखकर लोग कुछ देर के लिए सहम गए। आग इतनी तेजी से फैली कि वाहन देखते ही देखते पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त ई-रिक्शा में कोई यात्री मौजूद नहीं था। अगर वाहन में सवारियां होतीं तो हादसा और गंभीर हो सकता था। चालक के समय रहते बाहर निकल जाने से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शुरुआती तौर पर वाहन के इंजन से आग शुरू होने की बात सामने आई है। संबंधित विभाग द्वारा घटना की जांच के बाद ही आग लगने की सही वजह स्पष्ट हो सकेगी। सेक्टर-29 का इलाका गुरुग्राम के व्यस्त क्षेत्रों में शामिल है। ऐसे में सड़क पर चलते वाहन में अचानक आग लगने की घटना से कुछ समय के लिए यातायात और आसपास के लोगों के बीच भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर चलते ट्रक में लगी भीषण आग, ड्राइवर-कंडक्टर ने कूदकर बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम के द्वारका एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब गुरुग्राम से दिल्ली की ओर जा रहे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। चलते ट्रक से धुआं उठता देखकर चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाई और वाहन को नियंत्रित करते हुए सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद आग तेजी से फैलने लगी।

स्थिति को भांपते हुए चालक और उसके साथी ने बिना समय गंवाए ट्रक से छलांग लगा दी। दोनों समय रहते वाहन से बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई। कुछ ही देर में आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन धू-धूकर जलने लगा। जानकारी के अनुसार, ट्रक द्वारका एक्सप्रेसवे के रास्ते गुरुग्राम से दिल्ली की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ट्रक से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया। चालक को जैसे ही आग लगने का अंदेशा हुआ, उसने तुरंत ट्रक को सड़क किनारे रोक दिया। ट्रक रुकते ही आग तेजी से फैलने

द्वारका एक्सप्रेसवे पर देर रात हादसा, ट्रक जलकर खाक, दोनों सवार सुरक्षित बचे।

लगी। चालक और उसके साथी ने अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तुरंत वाहन से बाहर निकलने का फैसला किया।

दोनों के समय रहते बाहर निकल जाने से बड़ा हादसा टल गया। ट्रक में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही सेक्टर-37 दमकल केंद्र से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी तेजी से फैली थी कि ट्रक का बड़ा हिस्सा उसकी चपेट में आ गया। हादसे में चालक और उसके साथी के सुरक्षित बच जाने से राहत की बात रही। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है। द्वारका एक्सप्रेसवे गुरुग्राम और दिल्ली के बीच महत्वपूर्ण मार्ग है और यहां देर रात भी वाहनों की आवाजाही रहती है।

ऐसे में चलते ट्रक में अचानक आग लगने की घटना से कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि चालक की सतर्कता और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। दमकल टीम की कार्रवाई के बाद सड़क पर स्थिति सामान्य हुई। हादसे के कारण कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

विदेश भेजने के नाम पर बड़ी ठगी, एजेंट ने 50 लाख लेकर फोन उठाना किया बंद

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज के ड्राइवर के परिवार के साथ अमेरिका भेजने के नाम पर कथित तौर पर 50 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिवार ने अपने बेटे नवीन को अमेरिका भेजने के लिए एक ट्रैवल एजेंट से संपर्क किया था। एजेंट ने युवक को कानूनी तरीके से अमेरिका पहुंचाने का भरोसा दिलाया था।

परिवार का आरोप है कि एजेंट ने अलग-अलग समय पर किस्तों में उनसे करीब 50 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद युवक को कथित तौर पर डंकी रूट के जरिए पहले मेक्सिको पहुंचाया गया और वहां से अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल कराया गया। अमेरिका पहुंचने के बाद बॉर्डर पुलिस ने नवीन को पकड़ लिया। इसके बाद उसे करीब 14 महीने तक डिटेंशन सेंटर में रखा गया। परिवार के अनुसार, लंबे समय तक बेटे के हिरासत में रहने के बावजूद उन्हें एजेंट की ओर से किए गए वादे के मुताबिक कोई समाधान नहीं मिला।

दिसंबर 2025 में अमेरिकी सरकार ने नवीन को भारत डिपोर्ट कर दिया। भारत लौटने के बाद परिवार को कथित ठगी की पूरी स्थिति का पता चला।

मामले को सुलझाने के लिए पंचायत भी हुई। आरोप है कि पंचायत में एजेंट ने एक महीने के भीतर परिवार को 50 लाख रुपये लौटाने का आश्वासन दिया था। हालांकि, समय सीमा बीत जाने के बाद भी रकम वापस नहीं की गई। परिवार का आरोप है कि इसके बाद एजेंट ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। मामले में पानीपत के ओल्ड इंडस्ट्रियल थाने में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़े दस्तावेज और लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है।

हरियाणा में पानी का बिल होगा महंगा खपत के साथ प्लॉट साइज भी बनेगा आधार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में पानी के बिल से जुड़ी व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अब पानी का मासिक बिल केवल पानी की खपत के आधार पर तय नहीं होगा, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि कनेक्शन पर मीटर लगा है या नहीं और संबंधित प्लॉट का आकार कितना है। नई दरें लागू होने के बाद उपभोक्ताओं के पानी के खर्च में बदलाव देखने को मिल सकता है।

नई व्यवस्था में मीटर लगे घरेलू पानी के कनेक्शन के लिए खपत के आधार पर अलग-अलग स्लैब बनाए गए हैं। यानी जितना अधिक पानी इस्तेमाल होगा, प्रति किलोलीटर शुल्क भी उतना ही बढ़ता जाएगा। 10 किलोलीटर तक पानी की खपत पर 3 रुपये प्रति किलोलीटर की दर तय की गई है। वहीं 10 से 20 किलोलीटर तक खपत पर 6 रुपये प्रति किलोलीटर, 20 से 30 किलोलीटर तक 9.50 रुपये प्रति किलोलीटर और 30 किलोलीटर से अधिक खपत पर

मीटर वालों का बिल खपत से, बिना मीटर वालों का प्लॉट साइज से तय होगा।

12 रुपये प्रति किलोलीटर शुल्क लगेगा। दूसरी ओर, जिन घरेलू कनेक्शनों पर पानी का मीटर नहीं लगा है, उनके लिए बिलिंग का आधार प्लॉट का आकार होगा।

यानी बड़े प्लॉट के मालिकों को निर्धारित नियमों के अनुसार अधिक मासिक शुल्क देना पड़ सकता है। इससे बिना मीटर वाले कनेक्शनों में पानी की वास्तविक खपत के बजाय संपत्ति के आकार को महत्व मिलेगा। सरकार की प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार पानी की दरों में हर साल 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की जाएगी। शहरी निकाय विभाग द्वारा निर्धारित पानी की दरें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की निर्धारित दरों के बराबर रखे जाने की बात कही गई है।

नई दरें तत्काल लागू नहीं होंगी। खबर के मुताबिक इनके लागू होने में करीब छह महीने का समय लगेगा। इसके बाद शहरी क्षेत्रों में पानी के बिल का नया सिस्टम प्रभावी होगा। सरकार का उद्देश्य पानी की खपत को नियंत्रित करने और बिलिंग व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने का बताया जा रहा है। हालांकि उपभोक्ताओं के लिए यह बदलाव खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब मीटर, पानी की खपत और प्लॉट का आकार—तीनों का बिल पर असर पड़ सकता है।

हरियाणा कांग्रेस में बढ़ी अंदरूनी कलह, कुलदीप शर्मा की चिट्ठी पर हुड्डा खेमे का पलटवार

सज्जन कुमार पर बयान के बाद शुरू विवाद, माफी के बावजूद फिर गरमाई कांग्रेस की सियासत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आती दिखाई दे रही है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखी चिट्ठी के बाद पार्टी के भीतर सियासी विवाद तेज हो गया है। इस पत्र में रोहतक से कांग्रेस सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य दीपेंद्र हुड्डा को हटाने की मांग की गई है। चिट्ठी सामने आने के बाद हुड्डा समर्थक सांसदों, विधायकों और पूर्व विधायकों ने कुलदीप शर्मा पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

इस पूरे विवाद की पृष्ठभूमि दीपेंद्र हुड्डा के उस बयान से जुड़ी है, जो उन्होंने दिवंगत कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए दिया था। उनके बयान को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। भाजपा ने दीपेंद्र हुड्डा के शब्दों को इस तरह प्रचारित किया कि उन्होंने सज्जन कुमार को अपना 'रोल मॉडल' बताया है। मामला बढ़ने के बाद दीपेंद्र हुड्डा ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए खेद जताया और माफी भी मांगी। हुड्डा खेमे का तर्क है कि जब सांसद ने अपनी बात पर स्पष्टीकरण दे दिया और माफी मांग ली, तो इस मुद्दे को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी।

इसके बावजूद कुलदीप शर्मा की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखे जाने के बाद विवाद ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया।

हुड्डा समर्थकों ने कुलदीप शर्मा को घेरा कुलदीप शर्मा की चिट्ठी के बाद हुड्डा समर्थक नेता उनके खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। समर्थकों की ओर से आरोप लगाए जा रहे हैं कि दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के पीछे राजनीतिक उद्देश्य हैं। इसी दौरान कुलदीप शर्मा पर 'पुत्र मोह में धृतराष्ट्र बनने' जैसे तीखे आरोप भी लगाए गए हैं। इस बयान ने विवाद को और ज्यादा राजनीतिक रंग दे दिया है। अब मामला केवल दीपेंद्र हुड्डा के पुराने बयान तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व, गुटबाजी और आपसी राजनीतिक खींचतान का मुद्दा भी बनता जा रहा है। कुलदीप शर्मा ने अपनी चिट्ठी में दीपेंद्र हुड्डा को कांग्रेस कार्यसमिति से हटाने की मांग रखी है। कांग्रेस का महत्वपूर्ण संगठनात्मक मंच है और इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जगह मिलती है।

ऐसे में किसी सदस्य को हटाने की मांग स्वाभाविक रूप से पार्टी के भीतर गंभीर राजनीतिक संदेश देती है। हुड्डा समर्थक नेताओं का कहना है कि दीपेंद्र हुड्डा ने विवादित बयान पर अपनी स्थिति साफ कर दी थी। ऐसे में अब दोबारा इस मुद्दे को उठाना उचित नहीं है। समर्थकों का मानना है कि चिट्ठी के जरिए पुराने विवाद को फिर से राजनीतिक मुद्दा बनाया गया है। कुलदीप शर्मा की चिट्ठी के बाद हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी की चर्चा और तेज हो गई है। पार्टी में अलग-अलग नेताओं के बीच राजनीतिक मतभेद पहले भी सामने आते रहे हैं, लेकिन इस बार विवाद कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंच गया है। खरगे को सीधे पत्र लिखकर ष्ट्ब्ल्ब्ष्ट सदस्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग किए जाने से मामले की गंभीरता बढ़ गई है।

अब नजर इस बात पर है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस चिट्ठी पर क्या रुख अपनाता है। फिलहाल हुड्डा समर्थकों के तेवर से साफ है कि वे कुलदीप शर्मा की मांग को आसानी से स्वीकार करने के मूड में नहीं हैं। आने वाले दिनों में यह विवाद हरियाणा कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को और प्रभावित कर सकता है। कुल मिलाकर, दीपेंद्र हुड्डा के बयान से शुरू हुआ विवाद अब कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और गुटीय राजनीति का मुद्दा बन चुका है। एक तरफ कुलदीप शर्मा की चिट्ठी ने पार्टी नेतृत्व के सामने सवाल खड़ा किया है, वहीं दूसरी ओर हुड्डा समर्थकों की प्रतिक्रिया ने हरियाणा कांग्रेस में बढ़ती खींचतान को सार्वजनिक कर दिया है।अब सभी की नजरें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के रुख पर हैं। इस पूरे विवाद का असर हरियाणा कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति और गुटीय समीकरणों पर पड़ सकता है।

कम आय का दावा खारिज, पत्नी-बच्चों के भरण-पोषण पर कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम फैमिली कोर्ट ने पत्नी और दो नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अदालत ने एक हाई-इनकम पति को अपनी अलग रह रही पत्नी और दोनों बच्चों के लिए हर महीने 2 लाख रुपये अंतरिम भत्ता देने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल अपनी आय कम बताने से कोई व्यक्ति मेंटेनेंस की जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

एडिशनल प्रिंसिपल जज पूनम कंवर की अदालत में पति की ओर से दायर तलाक की याचिका पर सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान पत्नी ने अपने और दोनों बच्चों के लिए अंतरिम मेंटेनेंस की मांग की थी। पत्नी की ओर से हर महीने 4 लाख रुपये भरण-पोषण के लिए और मुकदमे का खर्च उठाने के लिए 7.5 लाख रुपये की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान पति की ओर से अपनी वास्तविक कमाई कम बताने का दावा किया गया। अदालत ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने माना कि हाई-इनकम प्रोफेशनल की आर्थिक क्षमता को केवल उसके बताए गए आंकड़ों के आधार पर नहीं देखा जा सकता। पत्नी और बच्चों की जरूरतों के साथ पति की आय और जीवन स्तर को भी ध्यान में रखना जरूरी है। अदालत ने पति को पत्नी और दोनों बच्चों के लिए हर महीने 2 लाख रुपये अंतरिम भत्ता देने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसे 50 हजार रुपये मुकदमे के खर्च

के तौर पर भी देने होंगे। बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी जारी रहेगा

फैमिली कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि दोनों बच्चों की पूरी पढ़ाई का खर्च पति पहले की तरह उठाता रहेगा। यानी 2 लाख रुपये के मासिक अंतरिम भत्ते के अलावा बच्चों की शिक्षा संबंधी जिम्मेदारी भी पति की रहेगी।

अदालत के इस आदेश के बाद मामले में यह स्पष्ट संदेश गया है कि सक्षम और अधिक आय वाले व्यक्ति अपनी वास्तविक आर्थिक स्थिति छिपाकर पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। फैसला तलाक की कार्यवाही के दौरान पत्नी और बच्चों की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अंतरिम राहत के रूप में आया है। अदालत ने कहा कि बच्चों के हित और पत्नी की आर्थिक जरूरतों को देखते हुए अंतरिम सहायता जरूरी है। साथ ही पति को आदेश का पालन करते हुए निर्धारित राशि समय पर देने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

रेवाड़ी में चीनी जमाखोरी पर कसेगा शिकंजा 9 अधिकारी करेंगे रोजाना जांच

एजेंसी ,नई दिल्ली रेवाड़ी जिले में चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने सख्त कदम उठाया है। विभाग ने चीनी के थोक विक्रेताओं और डीलरों की निगरानी के लिए नौ अधिकारियों की टीम गठित की है। ये अधिकारी रोजाना विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर स्टॉक की जांच करेंगे और अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंपेंगे। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि व्यापारी निर्धारित स्टॉक सीमा का उल्लंघन न करें। नियमों के अनुसार 30 नवंबर तक कोई भी थोक व्यापारी, डीलर या प्रोसेसर किसी भी समय और किसी भी स्थान पर अपनी प्राप्ति की तारीख से 30 दिन से अधिक पुराना स्टॉक नहीं रख सकता। इसके अलावा किसी भी व्यापारी के पास 400 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं होना चाहिए। विभाग का उद्देश्य बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना और जमाखोरी के जरिए कृत्रिम कमी या कालाबाजारी पर रोक लगाना है। नौ अधिकारियों की रोजाना जांच से व्यापारियों पर निगरानी बढ़ेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान से उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी उपलब्ध कराने और बाजार में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में बिजली बिल बकायेदारों पर सख्ती, 650 से ज्यादा कनेक्शन कटे

एजेंसी, नई दिल्ली गाजियाबाद में बिजली विभाग ने बकाया बिल जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत पिछले तीन दिनों में 650 से अधिक उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काटे गए हैं। इनमें स्मार्ट मीटर और नान-स्मार्ट मीटर वाले दोनों तरह के उपभोक्ता शामिल हैं। बिजली विभाग की टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर बकायेदार उपभोक्ताओं की जांच की और लंबे समय से बिल जमा नहीं करने वालों के कनेक्शन काटे। विभाग का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य बिजली बिल की बकाया राशि की वसूली करना और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने लंबित बिजली बिलों का समय पर भुगतान करें, ताकि कनेक्शन काटे जाने जैसी कार्रवाई से बचा जा सके। विभाग द्वारा बकायेदारों की सूची के आधार पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के साथ नान-स्मार्ट मीटर वाले बकायेदारों पर भी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने संकेत दिया है कि बकाया बिल जमा नहीं करने वाले अन्य उपभोक्ताओं के खिलाफ भी आने वाले दिनों में कार्रवाई जारी रहेगी। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से बकायेदार उपभोक्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि राजस्व वसूली के साथ बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। उपभोक्ताओं को समय पर बिल भुगतान कर सहयोग करने की सलाह दी गई है।

मेरठ में बनेगी यूपी की पहली टीओडी टाउनशिप, 294 हेक्टेयर में होगा विकास

एजेंसी, नई दिल्ली मेरठ में प्रदेश की पहली ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) टाउनशिप विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। दिल्ली रोड किनारे मोहिउद्दीनपुर समेत चार गांवों की करीब 294 हेक्टेयर जमीन पर यह टाउनशिप विकसित की जाएगी। परियोजना का उद्देश्य आधुनिक सुविधाओं के साथ परिवहन केंद्रित शहरी विकास को बढ़ावा देना है। टाउनशिप का लेआउट तैयार करने की जिम्मेदारी आइक्यूटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। कंपनी करीब दो महीने में इसका विस्तृत लेआउट तैयार करेगी। इसमें आवासीय, व्यावसायिक और अन्य जरूरी सुविधाओं के विकास को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार की जाएगी। प्रस्तावित टाउनशिप को दिल्ली रोड और आसपास की परिवहन सुविधाओं से जोड़कर विकसित करने की योजना है। इससे क्षेत्र में व्यवस्थित विकास को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार और कारोबार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।परियोजना के लिए चार गांवों की जमीन चिह्नित की गई है। अधिकारियों के स्तर पर योजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया जारी है। लेआउट तैयार होने के बाद विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना है।

दिल्ली चिड़ियाघर का होगा कायाकल्प 58 करोड़ से बनेगा आधुनिक प्रवेश क्षेत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली चिड़ियाघर के प्रवेश क्षेत्र को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इसके पुनर्विकास के लिए करीब 58 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। यह योजना चिड़ियाघर के व्यापक आधुनिकीकरण अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वन्यजीवों के आवास और आगंतुकों की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रस्तावित परियोजना के तहत चिड़ियाघर के प्रवेश क्षेत्र में कई नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

इसमें वाहनों के यात्रियों को उतारने के लिए नया क्षेत्र, सतही पार्किंग, आधुनिक प्रवेश द्वार और पैदल पारपथ शामिल हैं। इसके अलावा आगंतुकों के लिए नया केंद्र बनाया जाएगा, जहां उन्हें चिड़ियाघर से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से मिल सकेगी। परिसर में खुले क्षेत्र में कैफेटेरिया भी विकसित किया जाएगा। प्रवेश क्षेत्र के बाहरी हिस्से में हरियाली बढ़ाने के साथ नए मार्ग तैयार किए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को बेहतर वातावरण और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। पूरी आधुनिकीकरण परियोजना का अनुमानित आकार करीब 400 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य चिड़ियाघर की मौजूदा सुविधाओं को बेहतर बनाना, वन्यजीवों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार करना और पर्यटकों के अनुभव को सुविधाजनक बनाना है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने तय किया 6,000 किमी,पर्यावरण को भी फायदा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल-संचालित यात्री ट्रेन ने जींद-सोनीपत मार्ग पर करीब 6,000 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है। इस उपलब्धि को देश में स्वच्छ और हरित रेल परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 जुलाई को इस हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन किया था। इसके बाद से ट्रेन जींद-सोनीपत मार्ग पर परिचालन कर रही है। हाइड्रोजन आधारित इस ट्रेन ने पारंपरिक डीजल संचालित ट्रेनों की तुलना में करीब 36 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम करने में योगदान दिया है।

इससे पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण कम करने की दिशा में हाइड्रोजन ईंधन तकनीक की संभावनाएं सामने आई हैं। यह ट्रेन दो 1,200 किलोवाट क्षमता वाली हाइड्रोजन-इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणालियों से संचालित होती है। ट्रेन में लगे ईंधन सेल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के रासायनिक संयोजन से बिजली उत्पन्न करते हैं। इस बिजली का इस्तेमाल ट्रेन के संचालन के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में मुख्य उप-उत्पाद के रूप में जलवाष्प और गर्मी निकलती है, जिससे पारंपरिक ईंधन की तुलना में प्रदूषण काफी कम होता है। हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें ऊर्जा उत्पादन के दौरान कार्बन आधारित उत्सर्जन बेहद कम होता है। इसी वजह से दुनियाभर में परिवहन क्षेत्र को अधिक स्वच्छ बनाने के लिए हाइड्रोजन को संभावनाशील ईंधन माना जा रहा है।

भारतीय रेलवे भी ऊर्जा दक्षता और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहा है। जींद-सोनीपत मार्ग पर इस ट्रेन का संचालन देश में हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक के व्यावहारिक इस्तेमाल का महत्वपूर्ण उदाहरण है। करीब 6,000 किलोमीटर का सफल संचालन यह दिखाता है कि वैकल्पिक ईंधन से चलने वाली ट्रेनें लंबी अवधि में रेल परिवहन को अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाने में भूमिका निभा सकती हैं। इस उपलब्धि से रेलवे के भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं।

रक्षाबंधन पर हर 10 मिनट में मिलेगी बस, आगरा रोडवेज की खास तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पर्व को देखते हुए आगरा रोडवेज ने यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और रक्षा के संकल्प से जुड़े इस प्रमुख त्योहार पर बड़ी संख्या में लोग अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां पहुंचते हैं। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने बस संचालन को लेकर विशेष व्यवस्था तैयार की है। यात्रियों को समय पर बस उपलब्ध कराने के लिए प्रमुख मार्गों पर हर 10 मिनट में बसें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को बस के लिए लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े और भीड़ को नियंत्रित तरीके से गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। रक्षाबंधन के दौरान बसों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। रोडवेज की सभी बसों की तकनीकी स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी या दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सके। खराब या तकनीकी समस्या वाली बसों को संचालन से पहले दुरुस्त कराने पर जोर दिया गया है।

इसके साथ ही बस चालकों और परिचालकों की भी जांच की जाएगी। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधक और सेवा प्रबंधकों को दी गई है कि ड्यूटी पर तैनात चालक और परिचालक नशे की हालत में न हों। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए हैं। त्योहार के दौरान बस अड्डों और प्रमुख मार्गों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसे में रोडवेज प्रशासन ने कर्मचारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। जरूरत के अनुसार बसों की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि रक्षाबंधन पर यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समयबद्ध परिवहन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

शिक्षा सेवा चयन आयोग ने भेजी कार्ययोजना अनुमति मिलते ही जारी होगा विज्ञापन

एजेंसी, नई दिल्ली

विशेष यूपीटीईटी की तैयारी पूरी, शासन की मंजूरी बाकी

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने कार्यरत शिक्षकों के लिए विशेष यूपीटीईटी आयोजित करने की कार्ययोजना शासन को भेज दी है। शासन से अनुमति मिलते ही परीक्षा का विज्ञापन जारी किया जाएगा और इसके बाद आवेदन से लेकर परीक्षा तक की प्रक्रिया शुरू होगी। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ऐसे कई शिक्षक कार्यरत हैं, जिनकी नियुक्ति के समय शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य नहीं था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता किए जाने के बाद इन शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

इसी क्रम में प्रदेश सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने शासन के निर्देशों के अनुसार विशेष यूपीटीईटी के आयोजन को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसमें परीक्षा आयोजित करने, अभ्यर्थियों से आवेदन लेने और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं से संबंधित तैयारियों को शामिल किया गया है। कार्ययोजना शासन को भेजी जा चुकी है और अब आयोग को अनुमति का इंतजार है।

शासन से हरी झंडी मिलने के बाद आयोग की ओर से विशेष यूपीटीईटी का विज्ञापन जारी किया जाएगा। विज्ञापन में परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, निर्धारित तिथियां और अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जाने की संभावना है। विशेष यूपीटीईटी का उद्देश्य उन कार्यरत शिक्षकों को पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर देना है, जिनकी नियुक्ति पूर्व नियमों के तहत हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों के बीच चिंता बनी हुई थी। ऐसे में विशेष परीक्षा आयोजित किए जाने से संबंधित शिक्षकों को निर्धारित पात्रता पूरी करने का अवसर मिल सकेगा।

नोएडा एयरपोर्ट पर बनेगा 100 फीट ऊंचा ध्वजस्तंभ, दूर से दिखेगा तिरंगा

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचने वाले यात्रियों का स्वागत अब आसमान में लहराता 100 फीट ऊंचा विशाल तिरंगा करेगा। एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग के सामने दाईं ओर स्मारकीय ध्वजस्तंभ स्थापित किया जाएगा। इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके लिए भव्य प्लेटफार्म के साथ मजबूत फाउंडेशन तैयार किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी ने ध्वजस्तंभ के लिए निर्धारित स्थान पर नींव तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। फाउंडेशन का निर्माण पूरा होने के बाद करीब 100 फीट ऊंचा ध्वजस्तंभ स्थापित किया जाएगा। इसके बाद उस पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

टर्मिनल बिल्डिंग के सामने ऊंचाई पर स्थापित होने वाला यह तिरंगा एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश क्षेत्र से ही यात्रियों और आगंतुकों को स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आधुनिक और भव्य टर्मिनल के बीच विशाल राष्ट्रीय ध्वज एयरपोर्ट की सुंदरता को और बढ़ाएगा। एयरपोर्ट पर आने वाले देश-विदेश के यात्रियों के लिए यह तिरंगा आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने की उम्मीद है। विशाल ध्वज न केवल एयरपोर्ट की पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि यहां पहुंचने वाले लोगों में देश के प्रति गौरव और सम्मान की भावना भी पैदा करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आधुनिक सुविधाओं और भव्य स्वरूप के साथ विकसित किया जा रहा है। ऐसे में टर्मिनल के सामने स्थापित होने वाला विशाल तिरंगा इसके स्वरूप में राष्ट्रीय भावना का महत्वपूर्ण रंग जोड़ेगा। दिन में दूर से दिखाई देने वाला यह ध्वज एयरपोर्ट परिसर की अलग पहचान बनाने में मदद करेगा। ध्वजस्तंभ का निर्माण पूरा होने के बाद एयरपोर्ट के प्रवेश क्षेत्र का दृश्य और अधिक आकर्षक नजर आएगा। यात्रियों के स्वागत के साथ यह तिरंगा राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति का प्रतीक भी बनेगा।

रक्षाबंधन-जन्माष्टमी पर रात 11 बजे तक खुलेंगे आगरा के बाजार

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के त्योहारों को देखते हुए बाजारों में देर रात तक रौनक रहेगी। जिलाधिकारी ने त्योहारों के दौरान रात 11 बजे तक दुकानें खुले रखने पर सहमति जताई है। यह मुद्दा जिला वाणिज्य बंधु की बैठक में व्यापारियों की ओर से उठाया गया था। बैठक में त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए, ताकि खरीदारी करने आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।इसके साथ ही शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण हटाने और पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सड़कों और बाजार क्षेत्रों में अनावश्यक अतिक्रमण न रहने दिया जाए, जिससे यातायात सुचारु बना रहे।

पलवल में सुबह 8 बजे से पहले खुला शराब ठेका, सीएम फ्लाइंग की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

पलवल में समय से पहले शराब बिक्री पकड़ी, ठेके पर छापा

पलवल के आगरा चौक स्थित एक शराब ठेके पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर निर्धारित समय से पहले शराब बिक्री का मामला पकड़ा है। आरोप है कि ठेका आबकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए सुबह आठ बजे से पहले ही खोल दिया गया था और ग्राहकों को शराब बेची जा रही थी। सीएम फ्लाइंग स्क्वाड के सब इंस्पेक्टर सतवीर के अनुसार, टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि पलवल जिले में कुछ शराब ठेके तय समय से पहले खोलकर शराब की बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर डीएसपी विवेक चौधरी के निर्देश पर कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की टीम ने आबकारी विभाग के एईटीओ ललित चौधरी और अशोक कुमार के साथ मिलकर आगरा चौक स्थित संबंधित शराब ठेके पर छापा मारा। संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और निर्धारित समय से पहले बिक्री किए जाने की स्थिति का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सामने आया कि ठेका सुबह आठ बजे से पहले खुला हुआ था। नियमानुसार शराब की बिक्री निर्धारित समय के भीतर ही की जानी चाहिए, लेकिन यहां समय से पहले दुकान खोलकर ग्राहकों को शराब उपलब्ध कराने की बात सामने आई। टीम ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि आबकारी नियमों का उल्लंघन करने वाले शराब ठेकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। विभाग की ओर से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि सभी लाइसेंसधारी ठेके निर्धारित समय और नियमों के अनुसार ही संचालित हों। समय से पहले शराब बिक्री की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने निगरानी बढ़ाने के संकेत दिए हैं। इस कार्रवाई से शराब ठेका संचालकों में भी हड़कंप मच गया है।

रेवाड़ी में रूफटॉप सोलर का बढ़ा क्रेज, 9,000 घरों को मिल रहा फायदा

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी जिले में रूफटॉप सोलर सिस्टम का चलन तेजी से बढ़ रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवा रहे हैं। जिले में अब तक 9,000 से अधिक घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इन सोलर पैनलों से हर महीने करीब तीन करोड़ यूनिट बिजली पैदा होने का अनुमान है। सोलर सिस्टम लगने से घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली के बढ़ते बिलों से काफी राहत मिली है। कई परिवारों के मासिक बिजली खर्च में करीब 70 से 80 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। इससे लोगों का रुझान सौर ऊर्जा की ओर लगातार बढ़ रहा है।

रूफटॉप सोलर अपनाने से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रही है। सौर ऊर्जा स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, जिससे पारंपरिक बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम होती है। जिले में सोलर पैनलों की बढ़ती संख्या का असर बिजली निगम के पारंपरिक लोड पर भी दिखाई दे रहा है। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा का उत्पादन होने से बिजली की मांग में कुछ हद तक राहत मिल रही है। अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में और अधिक परिवारों के सोलर सिस्टम अपनाने की संभावना है, जिससे रेवाड़ी स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक उदाहरण बन सकता है। रेवाड़ी में रूफटॉप सोलर सिस्टम को लेकर लोगों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। जिले के 9,000 से अधिक घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं।

इनसे हर महीने करीब तीन करोड़ यूनिट बिजली पैदा होने का अनुमान है। सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से कई परिवारों के बिजली बिल में 70 से 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को आर्थिक बचत के साथ बिजली की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है। वहीं, बिजली निगम के पारंपरिक लोड पर भी दबाव कुछ कम हुआ है। शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में भी लोग सोलर सिस्टम अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। इससे स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी मदद हो रही है। रेवाड़ी में सोलर ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है। 9,000 से अधिक घरों पर पैनल लगे हैं। इससे बिजली बिल घटे हैं और बिजली निगम को भी राहत मिली है।

दिल्ली में जलभराव पर घिरी एनडीएमसी, चेयरमैन ने दिया सुधार का भरोसा

72 मिमी बारिश से दिल्ली बेहाल, एनडीएमसी चेयरमैन ने मांगी माफी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारी बारिश से जलभराव, एनडीएमसी चेयरमैन ने मांगी माफी

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में 25 अगस्त को हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव ने राजधानी की जल निकासी व्यवस्था और मानसून के दौरान तैयारियों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए। एनडीएमसी क्षेत्र में करीब 72 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद कई स्थानों पर पानी भरने की शिकायतें सामने आईं। स्थिति को लेकर एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने नागरिकों से खेद जताते हुए माफी मांगी है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बारिश के बाद जलभराव के कारण लोगों को हुई असुविधा के लिए उन्हें खेद है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। चेयरमैन के बयान के बाद एनडीएमसी की जल निकासी व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई।

स्थानीय स्तर पर जलभराव के कारण यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ा। एनडीएमसी क्षेत्र राजधानी के महत्वपूर्ण इलाकों में शामिल है। यहां सरकारी कार्यालयों, प्रमुख बाजारों, आवासीय क्षेत्रों और महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों की मौजूदगी के कारण बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था का सुचारू रहना बेहद जरूरी माना जाता है। ऐसे में भारी बारिश के बाद जलभराव की घटनाओं ने प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए हैं।

एनडीएमसी प्रशासन की ओर से जलभराव की समस्या को कम करने के लिए नालों और जल निकासी व्यवस्था की निगरानी की जाती है। हालांकि, तेज बारिश के दौरान कम समय में बड़ी मात्रा में पानी आने से कई स्थानों पर व्यवस्था पर दबाव बढ़ जाता है। अधिकारियों के सामने चुनौती यह है कि भविष्य में ऐसी बारिश के दौरान पानी की निकासी तेजी से हो और लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े।

चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने व्यवस्था को मजबूत करने का आश्वासन देते हुए संकेत दिया है कि मौजूदा कमियों की समीक्षा की जाएगी। जल निकासी तंत्र को बेहतर बनाने, संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और बारिश के दौरान त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा सकता है। 25 अगस्त की बारिश के बाद सामने आई स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली में बदलते मौसम और अचानक होने वाली तेज बारिश से निपटने के लिए मजबूत जल निकासी व्यवस्था की जरूरत है। अब लोगों की नजर एनडीएमसी की आगामी कार्रवाई और व्यवस्था में होने वाले सुधारों पर रहेगी। 25 अगस्त की तेज बारिश से एनडीएमसी क्षेत्र में जलभराव हुआ। चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने असुविधा पर माफी मांगी और व्यवस्था मजबूत करने का भरोसा दिया।

सभी सीबीएसई स्कूलों में 30 सितंबर तक नियुक्त होंगे शिक्षक : मुख्यमंत्री

कहा–सीबीएसई स्कूलों में 6 हजार से अधिक शिक्षक पद स्वीकृत, 2183 रिक्त

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि प्रदेश के 147 सीबीएसई स्कूलों में 30 सितंबर तक शिक्षकों की नियुक्ति कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के साथ विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है। आने वाले पांच वर्षों में प्रदेश की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए योग्यता के मानक तय किए गए हैं और चयन में मेरिट 80 प्रतिशत तक रही है। इन स्कूलों के लिए केंद्र सरकार से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली है तथा फंडिंग हिमाचल प्रदेश सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि सीबीएसई शिक्षकों की नौकरी और भविष्य में उनके नियमितीकरण को लेकर सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

उन्होंने बताया कि 147 सीबीएसई स्कूलों में कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिए 80 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। सरकार 100 और स्कूलों को सीबीएसई से जोड़ने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की घटती संख्या को देखते हुए सीबीएसई व्यवस्था शुरू की गई है। इसके बाद इन स्कूलों में करीब 24 हजार विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने बताया कि 147 स्कूलों के लिए 6 हजार से अधिक शिक्षक पद स्वीकृत हैं। फिलहाल शिक्षकों की नियुक्ति स्कीम आधारित व्यवस्था के तहत होगी और उन्हें 30 हजार रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दो वर्ष बाद नियमित करने का फिलहाल कोई निर्णय नहीं है। 147 स्कूलों में 3,830 शिक्षक उपलब्ध हैं, जबकि 2,183 पद रिक्त हैं। इन पदों को एक माह में चयन आयोग के माध्यम से भरने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

विधानसभा में भाजपा विधायकों ने शिक्षकों के वेतन, नियमितीकरण, स्कूलों के चयन और हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड पर पड़ने वाले संभावित आर्थिक प्रभाव से जुड़े सवाल भी उठाए। सरकार ने स्पष्ट किया कि सीबीएसई स्कूलों का मुख्य उद्देश्य सरकारी शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता सुधारना और विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना है।

शिमला और चंबा में लगे भूकंप के झटके

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता के बीच भूकंप के झटके लगे हैं। शिमला में बुधवार सुबह भूकंप के हल्के झटकों से धरती हिली। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर चार रही। ये झटके सुबह 5 बजकर 46 मिनट पर कुछ सेकेंड तक रहे।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र शिमला में 31.387 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.787 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान–माल का नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले चम्बा में भी आज तड़के रिक्टर स्केल पर 2.5 की तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। ये झटके भी सुबह 4 बजकर 38 मिनट पर महसूस हुए, लेकिन इससे कोई नुकसान नहीं हुआ।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकम्प की तीव्रता कम होने की वजह से शिमला और चम्बा जिलों व आसपास के क्षेत्रों में किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में कई बार कम तीव्रता के भूकंप के झटके लग चुके हैं। हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था। प्रदेश में भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है। पिछले कई सालों से यहां भूकम्प के झटके लग रहे हैं। प्रदेश भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील जोन 4 व 5 में शामिल है।

मंडी में टीबी नियंत्रण अभियान की सफलता दर 90 फीसदी से अधिक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार चौहान के कार्यभार संभालने के उपरांत प्रथम अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। राज्य में चल रहे विधानसभा सत्र को ध्यान मे रखते हुए बैठक का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इसमें मुख्य रूप से 24 मार्च 2026 से चल रहे क्षय रोग मुक्त भारत अभियान 2.0 की समीक्षा की गई।

बैठक का संचालन करते हुए डा. अरिंदम राय जिला क्षय रोग नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों जैसे सम्भावित लोगों की स्क्रीनिंग, उनकी बलगम जांच, एक्स रे और रोग के लक्षण पाए जाने पर तुरंत उपचार, समय पर दवाई की पर्याप्त उपलब्धता, रोगियों मे उनका वितरण की जा रही है। इसकी सफलता को सुनिश्चित करना, प्रोटीन युक्त पोषण उपलब्ध करवाना तथा वित्तिय सहायता देने में मंडी जिला ने सराहनीय कार्य किया है ।

- क्षय रोगियों की मृत्यु दर में कमी अभियान ने पकड़ी रफ्तार
- स्क्रीनिंग से उपचार तक मंडी ने हासिल की 90 प्रतिशत से अधिक सफलता
- टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 की समीक्षा, मंडी का प्रदर्शन सराहनीय

उन्होंने कहा कि उपरोक्त सभी मापदंडों की सफलता दर 90 प्रतिशत से अधिक है और क्षय रोगियों की मृत्यू दर मे कमी दर्ज की गई है । बैठक में स्वास्थ्य खंड प्रमुखों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों, डॉ. निकेत सलाहकार विश्व स्वास्थ्य संगठन, तथा इस कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

लुहणू खैरियां में आज बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सहायक अभियंता विद्युत उप मण्डल-।। ई. रविन्द्र चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 अगस्त को रौड़ा अनुभाग के अंतर्गत बिजली की लाईनों की आवश्यक मरम्मत, पेडों की कांट-छांट व जीओ स्वीच के पार्ट बदले के चलते कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि रौड़ा अनुभाग के क्षेत्र जल शक्ति विश्रामगृह, बैहल कंडेला, लुहणू खैरियां, एचआरटीसी वर्कशाप तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है।

31 तक बारिश का दौर जारी रहने के आसार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते अगले कुछ दिनों तक कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार 25 से 31 अगस्त तक प्रदेश में बादल बरस सकते हैं। हालांकि, इस अवधि के दौरान भारी बारिश को लेकर फिलहाल कोई अलर्ट या चेतावनी जारी नहीं की गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार 30 जून से अब तक मानसून सीजन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में प्रदेश में 237 लोगों की मौत हुई है, जबकि 387 लोग घायल हुए हैं। इनमें 139 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। भूस्खलन से 17, बहने से 10 और पहाड़ी या पेड़ से गिरने से 31 लोगों की जान गई है। मानसून में 94 घर, 17 दुकानें और 359 पशुशालाएं पूरी तरह नष्ट हुई हैं। प्रदेश को अब तक करीब 1,149 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पूर्ण गुरु की शरण से ही प्रभु प्राप्ति संभवः भारती

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से शाहपुर स्थित अभिनंदन मैरिज पैलेस में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन साध्वी भाग्यश्री भारती जी ने ध्रुव प्रसंग सुनाते हुए गुरु की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भक्त ध्रुव जिस परमात्मा की प्राप्ति के लिए वन की ओर गए थे, उन्हें देवर्षि नारद के मार्गदर्शन से परमात्मा की प्राप्ति हुई। उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य भी ईश्वर को प्राप्त करना चाहता है तो उसे ऐसे पूर्ण गुरु की आवश्यकता है, जो उसके अंतःकरण में ईश्वर का साक्षात्कार करा सके। साध्वी ने कहा कि वेद-शास्त्रों में भी ब्रह्मज्ञान और ईश्वर साक्षात्कार के लिए पूर्ण गुरु की शरणागति को आवश्यक बताया गया है। कथा के दौरान यजमान पूजन व ज्योति प्रज्वलन की रस्म हुई। रविदत्त शर्मा, जनम सिंह, राजीव पटियाल और सुरजीत सिंह राणा ने ज्योति प्रज्वलित की। श्रद्धालुओं ने आरती कर प्रसाद ग्रहण किया।

विद्यार्थियों ने कॉलेज परिसर में रोपी हरियाली

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में संवेदना चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर के विभिन्न हिस्सों में करीब 80 पौधे लगाए। संवेदना चैरिटेबल ट्रस्ट की उपाध्यक्ष सोनिका धर्माणी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि पेड़ पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के साथ जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनाना भी हमारा दायित्व है। अभियान में महाविद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

हमीरपुर में मिठाई की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की दबिश, 3 सैंपल भरे

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। लोगों की सेहत को लेकर कोई दुष्प्रभाव न पड़े इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई की दुकानों, ढाबों और अन्य खाद्य पदार्थों की जांच शुरू कर दी हैं। बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर के गांधी चौक व आसपास की 5 दुकानों से मिठाई के 3 सैंपल लिए व उन्हें जांच के लिए भेजा जा रहा है। हालांकि इससे पहले भी खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर के सैंपल भरे, जिसे कंडाघाट लैब में जांच के लिए भेज दिया है।

बरसात के सीजन में मिठाईयां जल्दी खराब हो जाती हैं जिसके खाने से लोगों की सेहत खराब हो सकती है। रक्षा बंधन को लेकर भी मिठाइयों की काफी बिक्री होती है। इससे पहले ही खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई की दुकानों की जांच अभियान शुरू दिया है। इसके अलावा अन्य दुकानों में भी एक्सपायरी खाद्य पदार्थों की भी विभाग जांच कर रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग का उद्देश्य है कि मिलावटी और खराब मिठाइयां लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकती हैं। इसलिए दुकानदारों को खराब मिठाई न बेचने के भी निर्देश दिए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि लोग भी खराब मिठाइयां मिलने के बारे में खाद्य सुरक्षा विभाग से शिकायत कर रहे थे। जिसके चलते विभाग ने मिठाई की दुकानों की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ अभिषेक ठाकुर ने बताया कि हमीरपुर शहर की पांच दुकानों में मिठाई और खाद्य वस्तुओं की जांच की है। उन्होंने बताया कि मिठाई के तीन सैंपल भरे गए हैं जिसे जांच के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पब्बर नदी में डूबे दोनों छात्रों के शव बरामद

एसडीएम रोहड़ू ने पीड़ित परिवारों को दी फौरी राहत, क्षेत्र में शोक की लहर

भारतेन्दु संवाददाता, रोहड़ू। रोहड़ू उपमंडल में पब्बर नदी में नहाने के दौरान डूबे दोनों छात्रों के शव स्थानीय लोगों, एनडीआरएफ, पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से बरामद कर लिए गए हैं।

उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहड़ू धर्मेश रामौत्रा ने आज जानकारी देते हुए बताया कि 16 वर्षीय शिवेन रोशन पुत्र शिशु पाल, निवासी करासा तथा 16 वर्षीय सक्षम पुत्र राजदेव, निवासी बनोटी, पब्बर नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। एनडीआरएफ की टीम को भी सूचित किया गया, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान में सहयोग किया।

उपमंडलाधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान कोटडु (करासा) निवासी

- नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबे थे 16 वर्षीय दोनों छात्र
- स्थानीय लोगों व एनडीआरएफ ने चलाया संयुक्त रेस्क्यू अभियान

मंगत राम डोगरा ने पहले छात्र का शव पब्बर नदी से बाहर निकाला, जबकि दूसरे छात्र के शव को एनडीआरएफ की टीम के सहयोग से नदी से बाहर निकाला गया।

एसडीएम ने बताया कि प्रशासन की ओर से दोनों मृतकों के परिजनों को नियमानुसार फौरी राहत प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस दुखद हादसे की सूचना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। प्रशासन ने दोनों मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

रोजगार की मांग को लेकर हाई–वोल्टेज टावर पर चढ़े 2 बुजुर्ग किसान, लिखित आश्वासन पर अड़े

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में दो किसान पिछले 24 घंटे से करीब 200 फीट ऊंचे हाई–वोल्टेज बिजली टावर पर धरना दे रहे हैं। माधोपुर में डीसी आवास के पास डैम बैराज औसती संघर्ष कमेटी के सदस्य कुलविंदर सिंह (81) और शरम सिंह (85) मंगलवार सुबह करीब 11 बजे टावर पर चढ़े थे। दोनों ने मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने तक नीचे उतरने से इनकार कर दिया है। टावर पर बैठे किसानों तक रस्सी के जरिए खाना पहुंचाया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शाहपुरकंडी बैराज प्रोजेक्ट के लिए वर्ष 1992 में जमीन अधिग्रहित की गई थी। कमेटी के अनुसार प्रभावित परिवारों को मुआवजे के साथ परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कई पात्र परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिली। इसी मांग

- शाहपुरकंडी बैराज के विस्थापितों का 35 साल पुराना संघर्ष जारी

को लेकर विस्थापित परिवार करीब 35 वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं।

कमेटी के प्रधान दयाल सिंह का आरोप है कि जमीन अधिग्रहण के बाद पात्र परिवारों को रोजगार देने में अनियमितताएं हुईं। उनका दावा है कि कुछ ऐसे लोगों को भी नौकरी दी गई, जिनके पास बेहद कम जमीन थी। कमेटी इस पूरे मामले की जांच करवाने और पात्र परिवारों को उनका अधिकार देने की मांग कर रही है।

संघर्ष कमेटी ने 32 कर्मचारियों की बहाली पर भी सवाल उठाए हैं। कमेटी के अनुसार वर्ष 1993 के इंतकाल के आधार पर हुई नियुक्तियों की जांच के बाद 32 कर्मचारियों को टर्मिनेट किया गया था, लेकिन बाद में उनकी बहाली कर दी गई। कमेटी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर की मांग कर रही है।

कमेटी का कहना है कि 31 मई 2019 की एसडीएम धार की रिपोर्ट में 50 लोगों द्वारा गलत तरीके से रोजगार हासिल करने का मामला सामने आया था। रिपोर्ट डीसी को भेजे जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। कमेटी का दावा है कि वह 22 बार मांगपत्र दे चुकी है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन किसानों को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास कर रहे हैं।

राजकीय महाविद्यालय जयनगर में पीटीए की नई कार्यकारिणी गठित

छोटू राम अध्यक्ष, जिया लाल बने उपाध्यक्ष

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। राजकीय महाविद्यालय जयनगर में मंगलवार को पीटीए (अभिभावक–शिक्षक संघ) की बैठक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजना सूद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास, विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न विषयों तथा संस्थान के समक्ष आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान पूर्व पीटीए कार्यकारिणी को भंग कर शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में छोटू राम को अध्यक्ष जिया लाल शर्मा को उपाध्यक्ष जोगिंदर पाल को संयुक्त सचिव तथा चिंता देवी को सलाहकार निर्वाचित किया गया। वहीं महाविद्यालय की ओर से प्रो. छेरिंग ज़ांगमो को महासचिव तथा राजीव कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में महाविद्यालय के समक्ष वर्तमान में आ रही विभिन्न समस्याओं पर विचार–विमर्श किया गया तथा उनके समाधान और संस्थान के विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की गई। अभिभावकों ने भी महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं आधारभूत ढांचे के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। प्राचार्या डॉ. अंजना सूद ने नवगठित पीटीए कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए महाविद्यालय के समग्र विकास एवं विद्यार्थियों के हित में सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

विद्यालयों तक पहुंचे नवाचारी शिक्षण के तरीके उपायुक्त ने किया डाइट जुखाला का निरीक्षण

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) जुखाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में विज्ञान, तकनीक, नवाचार एवं शिक्षक प्रशिक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

उपायुक्त ने विद्यार्थियों के लिए विज्ञान विषय को रुचिकर, व्यावहारिक एवं अनुभव आधारित बनाने के लिए डाइट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालयों तक नवाचारी शिक्षण विधियों को पहुंचाना विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय प्रयोग, गतिविधियों, तकनीक एवं अनुभव आधारित सीखने के अवसर उपलब्ध करवाए जाने चाहिए। उन्होंने डाइट के माध्यम से विकसित की जा रही नवाचारी शिक्षण विधियों एवं गतिविधियों को अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने डाइट के प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक अनुभवों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करवाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने, प्रयोग करने, समस्याओं के समाधान खोजने तथा नई चीजें सीखने की जिज्ञासा विकसित करना भी है। उन्होंने भावी शिक्षकों को संस्थान में सीखी जा रही नवाचारी एवं अनुभवात्मक शिक्षण विधियों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित किया।

उपायुक्त ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए डाइट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विज्ञान एवं तकनीक आधारित गतिविधियों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने से विद्यार्थियों की सीखने में रुचि, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं को नवाचारी शिक्षण के इन प्रयासों को निरंतर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य रमेश मनकोटिया ने उपायुक्त को अवगत करवाया कि पिछले वर्ष प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 1,200 विद्यार्थियों ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बिलासपुर की रोबोटिक्स एवं ड्रोन प्रयोगशाला, विज्ञान केंद्र तथा आभासी वास्तविकता प्रयोगशाला का भ्रमण किया।

रिजल्ट हिमाचल में ड्यूल बोर्ड परीक्षा व्यवस्था से 10वीं का संयुक्त परिणाम पहुंचा 89.54 प्रतिशत

शिक्षा बोर्ड की पहल से बचा छात्रों का साल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को जुलाई माह में आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षा परिणाम 60.27 प्रतिशत रहा। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने परिणाम की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी छात्रहित में शुरू की गई मैट्रिक ड्यूल बोर्ड परीक्षा व्यवस्था सफल साबित हुई है। उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था के कारण हजारों विद्यार्थियों का कीमती साल बर्बाद होने से बचा है। मार्च 2026 से लागू की गई इस प्रणाली के फलस्वरूप मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा का संयुक्त उत्तीर्ण प्रतिशत अब बढ़कर 89.54 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो बोर्ड के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस व्यवस्था को लागू करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना तथा उन्हें बिना एक वर्ष गंवाए अपने परिणाम में सुधार का अवसर देना है।

- मैट्रिक द्वितीय परीक्षा का परिणाम 60.27 प्रतिशत रहा
- डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध होंगे छात्रों के प्रमाण-पत्र

उन्होंने संयुक्त परिणाम के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि मुख्य एवं द्वितीय परीक्षा को मिलाकर कुल 91,060 परीक्षार्थियों में से 81,110 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि जुलाई 2026 में आवश्यक सुधार, कम्पार्टमेंट, वैकल्पिक सुधार एवं अतिरिक्त विषयों के लिए आयोजित मैट्रिक द्वितीय परीक्षा में कुल 8,181 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 4,930 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिससे इस परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 60.27 प्रतिशत रहा।

इसके अलावा 1,774 विद्यार्थी कम्पार्टमेंट तथा 1,316 विद्यार्थी आवश्यक पुनरावृत्ति की श्रेणी में रहे। परीक्षार्थी अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन देख सकते हैं। आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देते हुए डॉ. शर्मा के निर्देशानुसार प्रमाण–पत्रों की प्रतियां डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि विद्यार्थियों को आगे के दाखिले एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पुनर्मूल्यांकन एवं पुन: जांच के लिए 9 सितंबर तक करें आवेदन: शर्मा

बोर्ड अध्यक्ष ने जानकारी दी कि जो परीक्षार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं हैं, वे पुनर्मूल्यांकन अथवा पुनः जांच के लिए 9 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1,000 तथा पुनः जांच शुल्क 800 निर्धारित किया गया है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि आवेदन केवल संबंधित विद्यालय के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। बिना शुल्क के भेजे गए अथवा सीधे ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

उद्घोषित अपराधी दिल्ली से किया गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस द्वारा वांछित एवं उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बरमाणा पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में उद्घोषित अपराधी अर्जुन गिरी पुत्र महन्त प्रेम गिरी उर्फ उमलेश कुमार यादव, निवासी गांव हरी सिंहपुर, डाकघर किशनी, तहसील मैनपुरी, जिला मैनपुरी, उत्तर प्रदेश, को दिल्ली के दल्लूपुरा से गिरफ्तार किया। आरोपी की उम्र 33 वर्ष बताई गई है। वह थाना बरमाणा में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में पुलिस को वांछित था। पुलिस टीम ने आरोपी को नियमानुसार गिरफ्तार कर थाना बरमाणा पहुंचाया। अब आरोपी के खिलाफ मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भद्रोया में 27 खैर के मोछे किए बरामद

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। वन परिक्षेत्र भद्रोया से सटी गुजरनाला सड़क पर वन विभाग ने 27 खैर के मोछे बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार एक युवक जंगल की ओर जा रहा था, तभी उसकी नजर सड़क के पास पड़े खैर की लकड़ी के मोछों पर पड़ी। युवक ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। जांच के दौरान पाया गया कि खैर के तीन से चार पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाई गई थी। मौके से कुल 27 मोछे बरामद किए गए हैं। वन विभाग ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। रेंज ऑफिसर अब्दुल हमीद ने पुष्टि करते हुए बताया कि खैर काटने वाले व्यक्ति की पहचान कर जल्द उसे हिरासत में लिया जाएगा।

भराड़ी पुलिस ने कार को टक्कर मारकर भागे मवेशी तस्करों को दबोचा, जांच जारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भराड़ी थाना क्षेत्र के दधोल के समीप कार को टक्कर मारकर फरार हुए दो अंतरराज्यीय मवेशी तस्करों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक गलत दिशा में जाकर सामने से आ रही कार से टकरा गया था। हादसे के बाद चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस जांच में ट्रक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी मिली और उसमें क्षमता से अधिक बैलों को ठूंस-ठूंसकर क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा था। पुलिस ने फयाज़ मुस्ताक (26), निवासी रामबन, जम्मू-कश्मीर और बरकत अली (32), निवासी जम्मू, जम्मू-कश्मीर को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस तस्करी नेटवर्क की जांच कर रही है।

एसक्यू3आर तकनीक से बीबीए विद्यार्थियों को करवाया प्रभावी अध्ययन का अभ्यास

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के बीबीए विभाग द्वारा विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से विशेष सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का विषय 'विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करना' रहा। इसमें 100 से अधिक बीबीए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता एवं स्रोत व्यक्ति प्रो. कुलवंत सिंह पठानिया ने पढ़ने की आदत विकसित करने में आने वाली चुनौतियों तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को एसक्यू3आर तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके तहत सर्वेक्षण, प्रश्न, पठन, स्मरण और पुनरावलोकन के माध्यम से व्यवस्थित अध्ययन करने की प्रक्रिया समझाई गई। इस अवसर पर डॉ. बासु गर्ग, डॉ. बी.एस. जसवाल, प्रो. राजनी ठाकुर, प्रो. भारती और प्रो. शिखा मौजूद रहे।

चीनी के बढ़ते दामों पर अंकुश, 400 मीट्रिक टन से अधिक स्टॉक पर प्रशासन की रोक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में चीनी के बढ़ते दामों पर अंकुश लगाने और बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने स्टॉक की निगरानी तेज कर दी है। जिले में कार्यरत 40 थोक व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की सीमा निर्धारित की गई है। सभी थोक व्यापारी सामूहिक रूप से 400 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। जिला नियंत्रक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले शीतल शर्मा ने बताया कि व्यापारियों को प्रतिदिन खाद्य स्टॉक पोर्टल पर उपलब्ध स्टॉक की जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, 10 मीट्रिक टन तक मासिक खपत वाले दुकानदार अधिकतम 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक रख सकेंगे। उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

लॉटरी टेंडर वापस लें, जुआ पुनर्जीवित करना स्वीकार्य नहीं : अनुराग ठाकुर

कहा–हिमाचल में दो दशक पुरानी राजनीतिक सहमति बनाए रखना जरूरी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को पत्र लिखकर सरकारी लॉटरी दोबारा शुरू करने के लिए जारी टेंडर को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन लॉटरी के लिए एकमात्र बिक्री एजेंट नियुक्त करने संबंधी ई-टेंडर 2026डीटीएएल141511–1 को पूरी तरह रद्द करने का आग्रह किया।

अनुराग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में दो दशकों से अधिक समय से लॉटरी पर प्रतिबंध एक व्यापक राजनीतिक सहमति का परिणाम रहा है। वर्ष 1999 में प्रेम कुमार धूमल सरकार ने इसके सामाजिक दुष्प्रभावों को देखते हुए लॉटरी पर प्रतिबंध लगाया था। वर्ष 2007 में दोबारा शुरू होने के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भी इसे प्रतिबंधित कर दिया। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली विभिन्न सरकारों ने वित्तीय दबाव के बावजूद इस प्रतिबंध को कायम रखा।

उन्होंने प्रस्तावित ऑनलाइन लॉटरी को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि प्रतिदिन 12 तक ड्रॉ और साल में तीन बंपर ड्रॉ का प्रावधान जुए की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकता है। इसका सबसे अधिक असर निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों पर पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पहले ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां परिवारों ने लॉटरी में अपनी आय, बचत और पेंशन तक गंवा दी तथा आर्थिक संकट में फंस गए। अनुराग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 38 और 47 के तहत राज्य का दायित्व जनकल्याण सुनिश्चित करना और लोगों को हानिकारक गतिविधियों से बचाना है। उन्होंने कहा कि लॉटरी से करीब 100 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व मिलने का अनुमान है, लेकिन इसका सामाजिक नुकसान अधिक गंभीर हो सकता है। इसके विकल्प के रूप में उन्होंने जीएसटी अनुपालन मजबूत करने और डिजिटल एकीकरण को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। उनके अनुसार इससे प्रदेश को प्रतिवर्ष 250–350 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से लॉटरी टेंडर तत्काल रद्द कर प्रदेश की पुरानी राजनीतिक एवं सामाजिक सहमति का सम्मान करने तथा जिम्मेदार और टिकाऊ वित्तीय सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

लॉटरी के बजाय राजस्व बढ़ाने पर जोर

अनुराग ठाकुर ने कहा कि लॉटरी से अनुमानित 100 करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व की तुलना में जीएसटी अनुपालन और डिजिटल एकीकरण से 250-350 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सकता है। उन्होंने सरकार से सामाजिक दुष्प्रभाव वाली लॉटरी व्यवस्था के बजाय इन उपायों पर ध्यान देने की अपील की।

◆ **लॉटरी से परिवारों पर बढ़ेगा सामाजिक संकट**

बिलासपुर में 4.523 किलो चरस के साथ नेपाली दंपती समेत 3 गिरफ्तार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला पुलिस की स्पेशल डिटेक्शन टीम (एसडीटी) ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 4.523 किलोग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने मामले में नेपाली मूल के दंपती समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चरस बरामद होने के बाद पुलिस ने कार नंबर एचपी–01के–8356 को भी जब्त कर लिया।

जानकारी के अनुसार, 25 अगस्त को एसडीटी बिलासपुर की टीम ने बालोह–मलयावर लिंक रोड पर नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान संदिग्ध कार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से चरस की भारी खेप बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विश्वास उर्फ विशाल थापा (32), पत्नी श्रेया (33), दोनों निवासी लुम्बिनी, नेपाल, तथा घनश्याम (25), निवासी गुराण, तहसील बालीचौकी, जिला मंडी के रूप में हुई है।

पुलिस थाना घुमारवीं में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस चरस की सप्लाई के स्रोत और संभावित खरीदारों का पता लगाने के लिए बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज खंगाल रही है।

हर नागरिक बने जागरूक और जिम्मेदार उपभोक्ता: एसडीएम

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से बुधवार को गांव चलोखर में एक दिवसीय उपभोक्ता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। एसडीएम हमीरपुर संजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत टिब्बी और ग्राम पंचायत देई का नौण के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उपभोक्ता के रूप में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी वस्तु या सेवा की गुणवत्ता में कमी अथवा किसी तरह की अनियमितता सामने आने पर तुरंत शिकायत करनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से जिम्मेदार नागरिक बनकर अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों की जानकारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जागरूक और जिम्मेदार उपभोक्ता ही स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियंत्रक आंचल कुमारी ने उपभोक्ता अधिकारों और उनके संरक्षण से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खरीदारी करते समय पक्का बिल या रसीद अवश्य लें। साथ ही उत्पाद का मूल्य, मात्रा, निर्माण एवं समाप्ति तिथि और गुणवत्ता संबंधी विवरण जांचना चाहिए। वस्तु या सेवा में कमी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली होने पर उपभोक्ता शिकायत निवारण व्यवस्था का सहारा ले सकते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1915 पर शिकायत की जा सकती है। विधिक माप विज्ञान के सहायक नियंत्रक प्रवीण कुमार ने सही मात्रा, निर्धारित मूल्य और पैकेट पर अंकित आवश्यक विवरण जांचने के लिए जागरूक किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. अभिषेक ठाकुर ने सुरक्षित एवं स्वच्छ खाद्य पदार्थों के चयन, लेबल की जांच और खरीदारी के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।

रसोई गैस बुकिंग संबंधी शिकायत व्हाट्सऐप नंबर 75888–88824 पर करने की जानकारी भी दी गई। शिविर में बीडीसी सदस्य राम शर्मा सहित दोनों पंचायतों के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

लदरौर में निर्माण कार्य के दौरान भूस्खलन, मलबे में दबकर युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भराड़ी थाना क्षेत्र के तहत लदरौर में मंगलवार दोपहर निर्माण कार्य के दौरान अचा नक भूस्खलन होने से दो लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में एक 19 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि जेसीबी ऑपरेटर गंभीर रूप से घायल हो गया है।

घटना की सूचना दोपहर लगभग 4 बजे मिलते ही भराड़ी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे दोनों व्यक्तियों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भराड़ी पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने कुशल बानियाल (19), निवासी मलोह, तहसील बंगाणा, जिला ऊना को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल जेसीबी ऑपरेटर पंकज भारद्वाज (26), निवासी जझर जुकैं, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी की नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद एम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर और एसडीपीओ घुमारवीं ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पांच लाख नौकरियों की गारंटी देकर भूली कांग्रेस सरकार : जीतराम कटवाल

◆ **बोले- विभागों में 50 प्रतिशत तक पद खाली**

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता चुनाव क्षेत्र के विधायक जीतराम कटवाल ने रोजगार के मुद्दे पर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। विधानसभा के मानसून सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि 5 साल में 5 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा करने वाली कांग्रेस सत्ता में आते ही अपनी गारंटी से मुकर गई है। सरकार का कार्यकाल समाप्त होने को है, लेकिन महत्वपूर्ण विभागों में 40 से 50 फीसदी पद खाली पड़े हैं।

कटवाल ने कहा कि कांग्रेस ने 2022 के चुनाव में झूठी गारंटियों के सहारे सत्ता हासिल की और अब अपने वादों से पल्लू झाड़ लिया है। इसके कारण प्रदेश के उच्च शिक्षित युवा आज रोजगार के लिए दर–दर भटकने को मजबूर हैं।

सरकारी आंकड़े खोल रहे पोल: बिजली बोर्ड में संकट: कुल 24,306 पदों में से 11,610 पद (लगभग 47%) खाली हैं। इनमें धरातल पर काम करने वाले टीमेट और लाइनमैन जैसे फील्ड स्टाफ के पद शामिल हैं।

13 विभागों में भारी कमी: मुख्य 13 विभागों में करीब 37% पद रिक्त पड़े हैं। कटवाल ने विभागीय मंत्री के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें अगले एक साल में पद भरने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि 5 लाख नौकरियों के वादे के अनुसार अब तक पौने चार लाख युवाओं को रोजगार मिल जाना चाहिए था। जो सरकार चार साल में कुछ नहीं कर पाई, वह अंतिम एक साल में क्या करेगी। जनता अब वादे नहीं, धरातल पर काम चाहती है और कांग्रेस को इस वादाखिलाफी का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

गगल के 70 परिवारों को मुआवजे के साथ मिलेगा आरएंडआर का लाभ

◆ **एयरपोर्ट के हर कोने से बनेगी सर्विस रोड, मजबूत होगी कनेक्टिविटी**

◆ **निशु मोंगरा बोले-प्रभावित परिवारों का हक सुनिश्चित करेगी सरकार**

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आने वाले गगल के करीब 60 से 70 प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजे के साथ पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) का लाभ मिलेगा। एपीएमसी चेयरमैन एवं हिमाचल कांग्रेस ओबीसी विभाग के स्टेट चेयरमैन निशु मोंगरा ने कहा कि प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा के लिए सरकार कृतसंकल्प है। विधानसभा के मानसून सत्र में भी प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजे के साथ आरएंडआर का लाभ देने का आश्वासन दिया गया है।

निशु मोंगरा ने कहा कि गगल में कई परिवार लंबे समय से सरकारी अथवा पंचायत द्वारा देय भूमि पर रह रहे हैं। एयरपोर्ट विस्तार के कारण इनके सामने विस्थापन की स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजना से प्रभावित किसी भी परिवार को बीच मझधार में नहीं छोड़ा जाएगा तथा पात्र परिवारों को कानून एवं नियमों के तहत उनका अधिकार दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के हर कोने से सर्विस रोड बनाने की मांग उन्होंने सबसे पहले गगल एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री के समक्ष उठाई थी, जिसे मुख्यमंत्री ने मौके पर ही स्वीकृति दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कुछ नेता इस मुद्दे पर झूठा श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं।

मोंगरा ने कहा कि एयरपोर्ट विस्तार के साथ सड़क कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। सर्विस रोड बनने से धर्मशाला, कांगड़ा, शाहपुर और आसपास के गांवों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अधिकांश प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया जा चुका है, जबकि शेष मामलों का भी संवेदनशीलता से समाधान किया जाएगा।

आरक्षण और यूजीसी नियमों के विरोध में 29 अगस्त को धरना

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। देशभर में आरक्षण और यूजीसी नियमों के विरोध में चल रहे आंदोलन के समर्थन में राजपूत कल्याण सभा और राजपूत महासभा 29 अगस्त को हमीरपुर में धरना प्रदर्शन करेगी। सभा की ओर से बताया गया कि भोटा चौक से सुबह 10 बजे रैली निकाली जाएगी, जो बाजार से होते हुए गांधी चौक पहुंचेगी। यहां धरना प्रदर्शन के बाद उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा।

सभा के अनुसार ज्ञापन में यूजीसी नियमों को वापस लेने, आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने, एससी-एसटी एट्रोसिटी एक्ट के कथित दुरुपयोग पर रोक लगाने तथा सरकारी स्तर पर जातिवाद समाप्त करने जैसी मांगें शामिल होंगी। सभा ने जिला भर के राजपूत समाज के साथ-साथ सामान्य वर्ग और अन्य वर्गों के लोगों तथा संगठनों से रैली और धरने में शामिल होने का आह्वान किया है। आयोजन को लेकर हुई बैठक में राजपूत महासभा के महासचिव एवं राजपूत कल्याण सभा के अध्यक्ष जोगिंदर ठाकुर सहित रविन्द्र सकलानी, विनोद, अजय, राजीव ठाकुर और बंटी ठाकुर मौजूद रहे।

मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं दिव्यांगों को मुफ्त कानूनी सहायता का प्रावधान

◆ **राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने आरंभ की है मनोन्याय योजना: कुलदीप**

◆ **जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने आयोजित किया जागरुकता शिविर**

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हमीरपुर की लीगल सर्विसेज यूनिट फॉर मनोन्याय (एलएसयूएम) ने बुधवार को थाना परिसर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा ने कहा कि आम लोगों को न्याय सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण (नालसा) ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मुफ्त कानूनी सहायता योजना प्रमुख है।

उन्होंने बताया कि एससी–एसटी वर्ग के लोग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग, आपदा एवं अत्याचार पीड़ित, श्रमिक, किन्नर, कैदी तथा सालाना तीन लाख रुपये से कम आय वाले लोग मुफ्त कानूनी सहायता के पात्र हैं। मानव तस्करी के पीड़ितों, झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों, असंगठित क्षेत्र के कामगारों और नशे के जाल में फंसे लोगों के लिए भी नालसा की योजनाएं संचालित हैं। कुलदीप शर्मा ने बताया कि मानसिक बीमारी और बौद्धिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए नालसा ने मनोन्याय योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को न्याय प्रणाली तक समान पहुंच दिलाना है। हमीरपुर में भी मनोन्याय इकाई स्थापित की गई है। प्रशिक्षित वकीलों का पैनल जरूरत पड़ने पर ऐसे लोगों के घर जाकर भी कानूनी सहायता प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि मुफ्त कानूनी सहायता के लिए पात्र व्यक्ति न्यायालय परिसर में स्थापित फ्रंट ऑफिस में आवेदन कर सकते हैं। नालसा की हेल्पलाइन 15100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

शिविर में डीएसपी राजकुमार, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. कमल प्रकाश, डॉ. संदीप कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। थाना प्रभारी कुलवंत सिंह समेत अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और वैज्ञानिक सोच के प्रति किया प्रेरित

◆ **बिलासपुर कॉलेज में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह आयोजित**

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 26 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों से अवगत करवाना तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना रहा।

कार्यक्रम का संचालन काजल वर्मा, अध्यक्ष, एवं नितिन ठाकुर, महासचिव ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुरजीत चंदेल ने अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. पी. एस. कटवाल ने प्रकृति और विज्ञान के संबंध तथा वैज्ञानिक सोच एवं जिज्ञासा के महत्व पर प्रेरणादायक विचार साझा किए।

भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के महत्व पर व्याख्यान देते हुए डॉ. विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तथा ईसरो की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह में प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण और भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में डॉ. मोनिका चंदेल ने धन्यवाद किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बैठक डीसी बोले–जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को योजनाओं से जोड़ें बैंक

पात्र लोगों तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला मुख्यालय स्थित बचत भवन में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला समन्वय समिति की बैठक उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में बैंकों के माध्यम से संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, फसल बीमा, वार्षिक ऋण योजना तथा वित्तीय समावेशन से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त राहुल कुमार ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के तहत सभी पात्र लोगों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जानकारी पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बैंकों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निजी बैंकों को प्रदर्शन में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी बैंक ऋण सुविधा उपलब्ध करवाने में बेहतर कार्य कर रहे हैं, जबकि निजी बैंकों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने निजी बैंकों से सक्रियता बढ़ाकर पात्र लोगों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध करवाने को कहा, ताकि स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले में मक्की की फसल को हुए नुकसान के एवज में प्रभावित किसानों को करीब 8 करोड़ रुपये की बीमा राशि वितरित की गई है। उपायुक्त ने किसानों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने और समय पर फसल बीमा करवाने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के बीच योजना के लाभ और प्रक्रिया की जानकारी पहुंचाने के लिए जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने प्रत्येक बैंक शाखा को माह में कम से कम एक वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करने को कहा। उन्होंने कृषि क्षेत्र में अधिक ऋण उपलब्ध करवाने तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में ऋण प्रवाह बढ़ाने पर भी जोर दिया। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में 30 जून तक 430.06 करोड़ रुपये के निर्धारित वार्षिक ऋण लक्ष्य के मुकाबले बैंकों ने 755.05 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया, जो लक्ष्य का 175.57 प्रतिशत है। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में 124.44 प्रतिशत तथा गैर–प्राथमिकता क्षेत्र में 1056.19 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया। कृषि क्षेत्र में 144.79 करोड़, एमएसएमई में 346.92 करोड़ तथा अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में 14.08 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।

जून 2026 तक जिले में 31,824 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जबकि बैंकों का कुल व्यवसाय 13,719.15 करोड़ रुपये पहुंच गया है। बैठक में एलडीएम चंद्रशेखर यादव, आरबीआई प्रबंधक आशीष सांगड़ा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि और प्रेस प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिलासपुर में पीएमएफएमई योजना के तहत दो परियोजनाओं को मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने और स्थानीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकी करण योजना के तहत जिला स्तरीय समिति की बैठक उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्राप्त परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के बाद दो परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई।

समिति ने राकेश कुमार धीमान की दुग्ध आधारित उत्पाद निर्माण परियोजना तथा सविता देवी की मसाला आधारित परियोजना को स्वीकृति दी। दोनों लाभार्थियों को योजना के तहत परियोजना लागत का 35 प्रतिशत तक, अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति इकाई पूंजीगत अनुदान उपलब्ध करवाया जाएगा। इन दो परियोजनाओं की स्वीकृति के साथ जिले में अब तक स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 11 हो गई है। इससे पहले जिले में नौ लाभार्थियों की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें लहसुन, दूध, बेकरी, अदरक, पशु आहार और दाल आधारित उत्पादों से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार ने बिलासपुर जिले के लिए 60 परियोजनाओं को स्वीकृति देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपायुक्त ने सभी बैंकों की शाखाओं को कम से कम एक–एक परियोजना स्वीकृत करने तथा पात्र मामलों का प्राथमिकता से निपटारा करने के निर्देश दिए।

जिला महाप्रबंधक उद्योग मनोज ने बताया कि योजना के तहत नए सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के साथ मौजूदा इकाइयों के उन्नयन के लिए भी वित्तीय सहायता दी जाती है। लाभार्थी का न्यूनतम अंशदान 10 प्रतिशत होगा, जबकि शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पापड़, नमकीन, मसाले, अचार, चटनी, जैम–जेली, दूध उत्पाद, पनीर, घी, दाल–आटा प्रसंस्करण, बेकरी, मिठाई, मशरूम, खाद्य तेल, पशु एवं मुर्गी आहार सहित अनेक उद्योग पात्र हैं। प्रशासन की ओर से परियोजना रिपोर्ट, बैंक ऋण, प्रशिक्षण और अन्य मार्गदर्शन निशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है। इच्छुक व्यक्ति जिला उद्योग केंद्र बिलासपुर के दूरभाष 01978–224248 पर संपर्क कर सकते हैं।

इलारिया डेंटेला खूबसूरत अंदाज में

इटली। इलारिया डेंटेला इटली की एक प्रतिभाशाली खेल व्यक्तित्व हैं, जो आइस और इनलाइन फिगर स्केटिंग से जुड़ी हैं। वह यात्रा करना भी पसंद करती हैं और सोशल मीडिया पर अपनी खेल गतिविधियों और यात्राओं से जुड़ी तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

यूएस ओपन : जोकोविच-सबालेंका की जोड़ी को पहले दौर में मिली हार

सेरेना विलियम्स-कार्लोस अल्काराज भी मिक्स्ड डबल्स के खिताब की दौड़ से बाहर

एजेंसी, न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में नोवाक जोकोविच-आर्यना सबालेंका और सेरेना विलियम्स-कार्लोस अल्काराज की स्टार जोड़ियां खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं। जोकोविच-सबालेंका पहले दौर में हारे, जबकि सेरेना-अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में शिकस्त मिली। वहीं पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स ने डबल्स के नंबर-1 कतेरीना सिइनाकोवा-हेनरी पैटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। कतेरीना सिइनाकोवा और नंबर-1 पुरुष डबल्स खिलाड़ी हेनरी पैटेन ने पहले दौर में जोकोविच-सबालेंका को हराया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में दोनों ने टॉप सीड जोड़ी को 1-4, 4-2 से शिकस्त दी।

सबालेंका दो बार की डिफेंडिंग यूएस ओपन महिला चैंपियन हैं, जबकि जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। दोनों को उनकी संयुक्त सिंगल्स रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट में नंबर-1 सीड मिली थी। हालांकि, उनकी हार को बड़ा उलटफेर नहीं माना गया, क्योंकि सामने डबल्स के नंबर-1 खिलाड़ी थे।

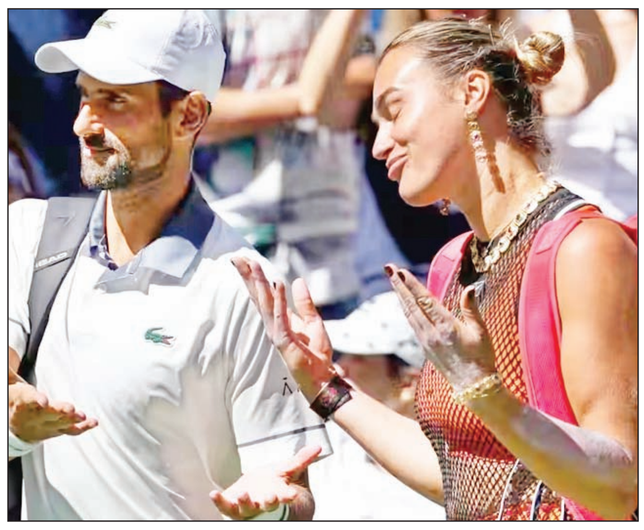

पहला सेट जीतने के बाद हारे जोकोविच-सबालेंका

जोकोविच और सबालेंका ने मैच की अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहला सेट सिर्फ 12 मिनट में 4-1 से जीत लिया। दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन सिइनाकोवा और पैटेन ने वापसी करते हुए सेट 4-2 से जीत लिया। इसके बाद मुकाबला सुपर टाई-ब्रेकर में पहुंचा, जहां सिइनाकोवा-पैटेन ने 10-2 से बाजी मार ली। इस तरह पहला सेट आसानी से जीतने के बावजूद जोकोविच-सबालेंका को पहले ही मैच में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स हेनरी पैटेन और सिइनाकोवा को हराकर सेमीफाइनल में

यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स में पति-पत्नी एलीना स्वितोलिना और गेल मोंफिल्स सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में दोनों ने महिला डबल्स की नंबर-1 कतेरीना सिइनाकोवा और पुरुष डबल्स के नंबर-1 हेनरी पैटेन की जोड़ी को 5-4, 4-5, 10-8 से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से होगा। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर मिलेंगे।

टेस्ट रैंकिंग में बुमराह को पछाड़ स्टार्क बने नंबर-वन गेंदबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहली बार आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय में खेले गए दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क ने दो स्थान की छलांग लगाई। इसके साथ ही बुमराह दूसरे और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में पहली पारी में 6 विकेट और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया।

697 दिन तक नंबर-1 बॉलर रहे बुमराह

बुमराह पहली बार 7 फरवरी 2024 को टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 बने थे। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापट्टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया था। वे टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी बने थे। आईसीसी के मुताबिक, यह किसी भारतीय गेंदबाज का टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा नंबर-1 कार्यकाल है। टेस्ट इतिहास में यह 14वां सबसे लंबा नंबर-1 कार्यकाल है।

स्टार्क 15 वर्ष के करियर में पहली बार टॉप पर

36 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने 15 साल के इंटरनेशनल करियर में पहली बार टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। वह अपने करियर के ज्यादातर समय टॉप-10 में रहे हैं। उनकी इससे पहले टेस्ट रैंकिंग में सबसे अच्छी स्थिति नंबर-2 थी। पिछले साल के आखिर में एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद वह टॉप-3 में पहुंचे थे।

न्यूज शॉर्ट्स

सूर्यवंशी-जायसवाल पर कार्रवाई करे बीसीसीआई और आईसीसी: मांजरेकर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के हालिया मैदान पर विवादों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई और सीसीआई को टैग कर खिलाड़ियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा ,'प्रिय बीसीसीआई और सीसीआई पहले वैभव और अब जायसवाल. अगर आप उन्हें इस तरह के व्यवहार के लिए बार-बार छोड़ते रहेंगे, तो आप उन्हें दोबारा ऐसा बरताव दोहराने के लिए ही तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार क्रिकेट और खिलाड़ियों के अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। यशस्वी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में असिथा फर्नांडो से उलझ गए थे। आउट होने के बाद दोनों के बीच बहस हुई और एक समय यशस्वी का हेलमेट फर्नांडो के माथे से टकराया।

भारत पर 1985 की जीत ने श्रीलंका क्रिकेट की नींव रखी : रॉय डायस

एजेंसी, कोलंबो। जब श्रीलंका एसएससी मैदान पर भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार की ओर बढ़ रहा था, तब एक समय उसके दिग्गज बल्लेबाज रहे रॉय डायस का मन 1985 के उस दौर में चला गया जब उनकी टीम ने भारतीय टीम को हराकर टेस्ट क्रिकेट में अपनी पहली जीत हासिल की थी। श्रीलंका ने 41 साल पहले पी सारा ओवल में श्रीलंका ने भारत को 149 रन से हराया था, जिसमें डायस ने 95 और नाबाद 60 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई थी। वह दिन आज भी डायस के चेहरे पर मुस्कान ला देता है। श्रीलंका क्रिकेट के जूनियर टैलेंट स्काउट विंग की देखरेख करने वाले डायस ने पीटीआई से कहा, ''यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत थी। यह श्रीलंका के टेस्ट इतिहास में पहली जीत थी और हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। हम आज भी जब भी मिलते हैं, इसके बारे में बात करते हैं।''

भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डॉ. आरोन हॉर्शिग से हर सप्ताह वीडियो कॉल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं। मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, ''हर गुरुवार को वीडियो कॉल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डॉ. हॉर्शिंग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।' मीराबाई और हॉर्शिंग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया।

ब्रूनो फर्नांडिस और खदीजा शॉ बने पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर

एजेंसी, लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शॉ को मंगलवार को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकॉर्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शॉ ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओ'राइली को यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था।

एंथनी एंड्रयूज अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते। एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना।

चोटरानी-सेंथिलकुमार बुडापेस्ट स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट स्क्वाश ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। विश्व में 38वें नंबर के खिलाड़ी और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी ने पहले दौर में बाई मिलने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के रुई सोरेस को 13-11, 12-14, 11-9, 12-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने जर्मनी के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी राफेल कांद्रा को 11-9, 6-11, 11-7, 11-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। इससे पहले उन्होंने पहले दौर में ब्रिटेन के खिलाड़ी विल साल्टर को 11-9, 11-6, 11-5 से पराजित किया था।

दलीप ट्रॉफी : आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत सेमीफाइनल में पहुंचा नॉर्थ जोन

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराया

एजेंसी, बेंगलुरु

जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए।

आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नॉर्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नॉर्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया। नॉर्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए।

नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी। नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा। दोनों मुकाबले 30 अगस्त से बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

अनाया बांगड़ को ऑस्ट्रेलिया ने दी क्रिकेट खेलने की अनुमति

एजेंसी, मेलबर्न। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (HRT) और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें WBBL की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है। बता दें कि अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया।

अनाया ने हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंच बनाएगा चुनाव आयोग

2029 लोकसभा चुनाव से पहले स्कूल, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले जेन अल्फा और जेन-जी तक पहुंचने की कोशिशें फिर शुरू की हैं। आयोग का मकसद उन्हें जागरूक वोटर बनाना है, जो चुनावी प्रक्रिया से अच्छी तरह परिचित हों और भविष्य में लोगों को जागरूक करने वाले अभियानों की अगुआई कर सकें।

हर सीट पर 10 साक्षरता क्लब बनाए जाएंगे

आयोग के नए अभियान में देश की 4,123 विधानसभा सीटों के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को जोड़ा जाएगा। इसमें कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली बच्चों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल होंगे। आयोग 50 हजार चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हर विधानसभा सीट में ऐसे 10 क्लब बनाए जाएंगे। इसके लिए आयोग 15 लाख स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों से संपर्क करेगा। इसके अलावा 70 हजार कॉलेजों और 1,400 यूनिवर्सिटी तक भी पहुंच बनाई जाएगी।

2018 में शुरू हुए थे चुनावी साक्षरता क्लब

चुनावी साक्षरता क्लब 2018 में सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (एसवीईईपी) कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए थे। इनका मकसद छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनावी प्रक्रिया और चुनाव आयोग की भूमिका व कामकाज से परिचित कराना था। ईएलसी 2.0 में इन क्लबों को डिजिटल सुविधाओं से लैस, व्यवस्थित और लगातार जुड़े रहने वाले ढांचे के तौर पर फिर से तैयार किया जाएगा।

डिजिटल तरीके से जुड़ने पर जोर

आयोग के मुताबिक, कम्युनिकेशन का तरीका तेजी से बदल रहा है और लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा निर्भर हो रहे हैं। युवा मतदाताओं और जमीनी स्तर से जुड़े लोगों के साथ लगातार, व्यवस्थित और सीधे संपर्क की जरूरत को देखते हुए ईएलसी 2.0 की योजना बनाई गई है।

ग्रैंडमास्टर कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में प्रज्ञानानंदा को हराया

एजेंसी, सेंट लुइस

सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स- 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। जीत से कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

28वीं चाल की गलती से हारे आर प्रज्ञानानंदा

कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

8 साल बाद क्लासिकल गेम जीते कारुआना

कारुआना ने कहा कि ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में 2018 के बाद यह उनकी पहली क्लासिकल जीत है। 6 अंकों की बढ़त मिलने के बाद उन्होंने कहा कि अगले क्लासिकल गेम में काले मोहरों से खेलते हुए अगर वह मुकाबला संभाल लेते हैं तो उनकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

सेंसेक्स में 183 और निफ्टी में 127 अंकों की गिरावट

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 26 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 183 अंक गिरकर 77,473 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 127 अंक की गिरावट रही, ये 24,208 पर बंद हुआ। आईटी रियल्टी और एफएमसीजी शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। वहीं, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड को महाराष्ट्र में 4,700 करोड़ रुपए का ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी के अनुसार यह प्रोजेक्ट 4,500 मेगावाट रिन्यूएबल और स्टोरेज पावर की सप्लाई (इवैकुएशन) के लिए है। कंपनी ने टैरिफ बेस्ड कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस के जरिए सबसे कम बोली लगाकर यह प्रोजेक्ट हासिल किया है। (अनंत ज्ञान)

चांदी 2,299 महंगी, सोना 610 रुपए सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने की कीमतों में 26 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 610 रुपए घटकर 1.61 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,299 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पहुंच गई। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.61 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

स्टारशिप रॉकेट मैन्युफैक्चरिंग नहीं, हर साल हजारों स्टारशिप रॉकेट लॉन्च होंगे

दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लांच कॉम्प्लेक्स बनाएंगे मस्क

एजेंसी, न्यूयॉर्क

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बना रही है। इस प्रोजेक्ट पर कंपनी 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.50 लाख करोड़ का निवेश करेगी। 'स्टारबेस, लुइसियाना' स्पेसएक्स का दूसरा 'स्टारबेस' कैंपस होगा। यह नया स्पेसपोर्ट लुइसियाना के पिकान आइलैंड पर 1.25 लाख एकड़ में फैला होगा, जो कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन शहर से भी आठ गुना बड़ा है। यहां से स्पेसएक्स के नेक्स्ट-जनरेशन रॉकेट 'स्टारशिप' और एआई बेस्ड सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। कंस्ट्रक्शन साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है।

यह लुइसियाना कैंपस स्पेसएक्स के टेक्सास स्थित 'स्टारबेस' से काफी अलग होगा। टेक्सास में रॉकेट्स का निर्माण और असेंबली की जाती है, जबकि लुइसियाना फैसिलिटी में रॉकेट की मैन्युफैक्चरिंग नहीं होगी। इसका मुख्य फोकस केवल हाई-फ्रीक्वेंसी यानी तेज गति से लॉन्चिंग पर रहेगा। पिकान आइलैंड की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां से रॉकेट्स को सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट में आसानी से भेजा जा सकता है। यह ऑर्बिट सोलर-पावर्ड सैटेलाइट्स के लिए सबसे मुफीद मानी जाती है।

3 हजार नौकरियां, 88 लाख सालाना औसत सैलरी

लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने इसे राज्य की इकोनॉमी के लिए बड़ा कदम बताया है। लैंड्री के मुताबिक, इस स्पेसपोर्ट से क्षेत्र में कम से कम 3 हजार से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा होंगी। यहां काम करने वाले कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी 92,600 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए होगी, जो वर्मिलियन पैरिश की मौजूदा औसत इनकम से लगभग दोगुनी है। गवर्नर ने कहा, 'यह प्रोजेक्ट रोजगार, समुदायों के लिए प्रगति और हमारे तटीय इलाकों के लिए सुरक्षा लेकर आएगा।'

'सेल्फ-सस्टेनिंग' होगा कैंपस, खुद बनाएगा ईंधन और बिजली

स्पेसएक्स की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल ने बताया कि यह कैंपस पूरी तरह 'सेल्फ-सस्टेनिंग' होगा। कॉम्प्लेक्स के भीतर ही रॉकेट प्रोपेलेंट के लिए मीथेन गैस का उत्पादन होगा और इलेक्ट्रिसिटी जनरेशन फैसिलिटी लगाई जाएगी। स्टारशिप रॉकेट्स को लाने-ले जाने के लिए डीप-वॉटर शिपिंग पोर्ट और व्हीकल प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई जाएंगी। एक डेडिकेटेड एयरपोर्ट भी बनाया जा सकता है। शॉटवेल ने कहा कि इस फैसिलिटी का लक्ष्य हर साल स्टारशिप के हजारों उड़ानों को सपोर्ट करना है, हालांकि यह इंजीनियरिंग और रेग्युलेटरी अप्रूवल पर निर्भर करेगा।